Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 13 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 238 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जो गुणज्ञ न हो, उसके सामने गुण नष्ट हो जाता है और कृतघ्न के साथ की गई उदारता नष्ट हो जाती है।

विक्टोरिया सीक्रेट वर्ल्ड टूर इवेंट में शामिल...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अकेले में पोर्न देखना अश्लीलता नहीं : हाईकोर्ट

KERALA : चुपचाप अकेले में पोर्न देखना अश्लीलता का अपराध नहीं है। इस संबंध में केरल उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह एक व्यक्ति के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने अपने मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के आरोप में सड़क किनारे से गिरफ्तार किया था। आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी.वी. कुन्हिकृष्णन ने कहा कि अकेले में पॉर्न वीडियो देखना अश्लीलता के तहत अपराध में नहीं आता है।

राजौरी में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़

RAJOURI : जम्मू संभाग के राजौरी जिले के नरला गांव में मंगलवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हो गई। विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना और पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की संयुक्त टीम ने राजौरी के नरला गांव में इलाके की घेराबंदी करते हुए आतंकवादियों की तलाश में अभियान शुरू किया। क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को पास आते देखकर गोलीबारी की, जिस पर जवाबी कार्रवाई की गई और मुठभेड़ शुरू हो गई। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अभियान फिलहाल जारी है।

जेल में ही कटेंगे चंद्रबाबू के 14 दिन, नजरबंदी की याचिका खारिज

HYDERABAD : आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा की निचली अदालत से मंगलवार को तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को बड़ा झटका लगा। कोर्ट ने घर में नजरबंदी की उनकी याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। नायडू करोड़ों रुपये के घोटाले से संबंधित मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। वह फिलहाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत के तहत राजामहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार में बंद हैं। टीडीपी चीफ के वकील जयकर मट्टा ने बताया कि नजरबंदी की अपील खारिज कर दी गई है। चंद्रबाबू नायडू का प्रतिनिधित्व करने वाले सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा के नेतृत्व में वकीलों की टीम ने खतरे की आशंका का हवाला दिया था। इस आधार पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री को घर में हिरासत में रखने के लिए सोमवार को याचिका दायर

लीबिया में तूफान-बाढ़ से 3 हजार लोग मरे

10 हजार लोग लापता, हालात बेहद खराब, मदद पहुंचाना हुआ मुश्किल

CAIRO : लीबिया में 9 सितंबर को आए डेनियल तूफान और इसके बाद बाढ़ से अब तक 3 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 7 से 10 हजार लोग लापता हैं। सिर्फ 700 शव ऐसे हैं, जिनकी शिनाख्त हो सकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे 123 सैनिक भी लापता हैं। 12 फौजियों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि देश में मौजूद चुनिंदा एयरपोर्ट्स इस लायक नहीं बचे हैं कि वहां कोई हैवी या कार्गो एयरक्राफ्ट लैंड कर सके। यही वजह है कि यहां मदद पहुंचाना भी मुश्किल है। एजेंसी के मुताबिक लीबिया के पूर्वी हिस्से में हालात अब तक बेकाबू हैं और यही वजह है कि मरने वालों का आंकड़ा महज 24 घंटे में 700 से 3000 हो गया। लापता लोगों की तादाद भी सोमवार से मंगलवार के दरमियान 200 से सीधा 10 हजार पर पहुंच गई। यहां पोर्ट सिटी डेर्ना भी है। इसमें दो डैम थे और दोनों ही फूट चुके हैं। इसकी वजह से करीब-करीब पूरा शहर बाढ़ में घिर गया है। अकेले इसी शहर में 700 लोगों की मौत हुई है।

बेनगाजी शहर की यह तस्वीर लीबिया सरकार ने जारी की है।

न एयरपोर्ट सलामत हैं न सड़कें : हेल्थ मिनिस्टर

कई जगह पहुंचना नामुमकिन

हेल्थ मिनिस्टर ने कहा- डेर्ना इलाके में हालात इतने खराब हैं कि कई जगहों पर तो पहुंचा भी नहीं जा सकता। यही वजह है कि हम सिर्फ अनुमान लगा सकते हैं कि जमीनी हालात क्या होंगे। कई इलाकों में पानी में लाशें तैरती नजर आ रही हैं। कई घरों में शव सड़ चुके हैं और इनकी वजह से बीमारियां फैलने का खतरा है। मुझे लगता है कि डेर्ना शहर का 25 प्रतिशत हिस्सा खत्म हो चुका है। दुनिया के कई देशों ने मदद की पेशकश की है, लेकिन अभी वो मदद कैसे कर पाएंगे, ये भी देखना होगा। न एयरपोर्ट सलामत हैं और न सड़कें बची हैं।

रांची के लोकसभा प्रभारी बनाए गए सुबोधकांत सहाय

RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को रांची के कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। संवाददाता सम्मेलन में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर झारखंड के अंतर्गत आने वाले लोकसभा क्षेत्रों में प्रभारी एवं संयोजकों की नियुक्ति की गयी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय के अनुमोदन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने संवाददाता सम्मेलन के द्वारा इसकी सूची जारी की। झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र एवं संविधान की मर्यादा की मजबूती कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन को करना है। सभी लोग एकजुट होकर महंगाई, बेरोजगारी, एवं नफरत से लोगों को निजात दिलाने के लिए संकल्पित हैं।

राज्य में पहली बार विस्टा डोम कोच वाली ट्रेन शुरू

हसीन वादियों का लुत्फ उठायेंगे यात्री

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह के लोगों को आज ट्रेन की बड़ी सौगात मिली। गिरिडीह न्यू रेलवे स्टेशन से रांची स्टेशन के लिए इंटरसिटी ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया है। ट्रेन में बैठकर यात्री झारखंड की हसीन वादियों का लुत्फ उठा सकेंगे। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरूआत की। मंत्री ने ट्रेन में सफर करते हुए सुनहरे अवसर को अपने कैमरे में भी कैद किया। रांची और गिरिडीह के बीच ट्रेन के परिचालन से लोगों में उत्साह का माहौल है। गिरिडीह के लोगों के लिए आज का दिन

काफी यादगार और सुनहरा रहा। गिरिडीह न्यू रेलवे स्टेशन से रांची के लिए इंटरसिटी ट्रेन की शुरूआत केंद्र सरकार की ओर से की गई। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के अलावा धनबाद डीआरएम कमल किशोर सिन्हा व अन्य अधिकारियों ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गिरिडीह से रांची के लिए रवाना किया।

मणिपुर के कांगगुई में फायरिंग, तीन की मौत

राज्य में अलग प्रशासन की मांग

गोलीबारी के बाद अगजनी कर विरोध जताते ग्रमीण ● एजेंसी

AGENCY IMPHAL : मणिपुर के कांगपोकपी में मंगलवार को फायरिंग में 3 लोगों की मौत हो गई। एजेंसी के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने कांगगुई इलाके में इरेंग और करम वैफेई गांव के बीच सुबह करीब 8.20 बजे ग्रामीणों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 3 की मौत हो गई। इससे पहले 8 सितंबर को टेंग्नौपाल के पल्लेल में भड़की हिंसा में भी तीन लोग मारे गए थे और 50 से अधिक घायल हुए थे। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, प्रदेश भाजपा के 23 विधायकों ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें उन्होंने 10 कुकी विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कुकी विधायक राज्य में अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं।

NRC लागू करने की मांग

हाल ही में बने सिविल सोसाइटी संगठन यूथ ऑफ मणिपुर (वाईओएम) के मेंबर्स सोमवार रात भाजपा विधायकों के साथ थे। वे भी मुख्यमंत्री से मिले। वाईओएम के सदस्यों ने अलग प्रशासन की मांग करने वाले 10 कुकी विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने इस मामले पर चर्चा के लिए विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने और राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की भी मांग की। 23 भाजपा विधायकों ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। इस

मानकी-मुंडा, माझी, परगनैत समेत अन्य को मिलेगा आवास

सीएम हेमंत सोरेन ने की घोषणा, बोले- हर मोर्चे पर संघर्ष करेंगे

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया स्थित कुरुकोचा में शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा सह परिसंपत्ति वितरण समारोह का आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मानकी-मुंडा, माझी, जोग, गोड़ेत, परगनैत आदि को आवास देने की घोषणा की। वहीं, इनलोगों के बीच बाइक का भी वितरण किया। सीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा की बात हो या जल, जंगल व जमीन और पर्यावरण को बचाने का। अन्याय और शोषण का विरोध हो या फिर अपने मान, सम्मान और हक-अधिकार की लड़ाई। झारखंड के आदिवासी- मूलवासी ना कभी झुके हैं और ना कभी रुके हैं। हर मोर्चे पर संघर्ष करते रहे हैं है और आगे भी करते रहेंगे। इतिहास गवाह है कि यहां के अनेकों वीरों ने समाज और देश की खातिर अपनी कुर्बानी दी है।

लाभुक का अभिवादन स्वीकार करते सीएम हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा दे रही सरकार

सीएम ने कहा कि सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कई निर्णायक कदम उठाए हैं। पहली बार राज्य में खेल नीति बनाई गई है। इस नीति के तहत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक हासिल करने वालों की सरकारी नौकरियों में सीधी नियुक्ति की जा रही है। शहीद पोटो हो योजना के तहत खेल मैदान विकसित किया जा रहे हैं। सिदो-कान्हू क्लब के माध्यम से खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री वितरित करने के साथ आर्थिक मदद भी की जा रही है। हमारी कोशिश है कि खेलों के माध्यम से भी नौजवान आगे बढ़े और अपने परिवार राज्य और देश का नाम रोशन करें।

चुनौतियां कितनी भी आएं राज्य को लेकर आगे बढ़ेंगे

सीएम ने कहा कि जब से हमारी सरकार बनी है, कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। सरकार बनने के साथ कोरोना महामारी ने हमें घेर लिया। जब कोरोना से जंग में जीत हासिल हुई, तो कम बारिश की वजह से सुखाड़ की परिस्थितियां पैदा हो गई। लेकिन, हमारी सरकार इन चुनौतियों से निपटते हुए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य और राज्यवासियों को मजबूती देने का काम कर रही है। हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि परिस्थितियों चाहे कैसी भी हो, राज्य के विकास को गति देने का काम निरंतर जारी रहेगा। सीएम ने कहा कि राज्य में शिक्षा की बेहतरीन के लिए सरकार लगातार कम कर रही है। बच्चों को उच्च और गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले, इसके लिए विद्यालयों में सुविधा और इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया जा रहा है। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले गए हैं। यहां के शिक्षकों को आईआईएम, अहमदाबाद में प्रशिक्षण दिलाया गया है, ताकि वे आधुनिक तरीके से बच्चों को पढ़ सकें। इतना ही नहीं, बच्चों की स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी से लेकर विभिन्न कोर्सेज को करने के लिए सरकार आर्थिक मदद कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, तिलका मांझी और नीलांबर-पीतांबर जैसे अनेकों वीर शहीदों ने अंग्रजों और शोषण तथा अन्याय के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व करते-करते अपनी शहादत दे दी। आज भी कई ऐसे वीर शहीद हैं ,जो गुमनाम है, उनकी पहचान कर कर उन्हें सम्मान देने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। शहीदों और उनके परिजनों को पूरा मान-सम्मान देना हमारा संकल्प है। कहा कि राज्य के अनेकों ऐसे चौक- चौराहे हैं, जहां शहीदों की प्रतिमा लगी है। इनकी प्रतिमाएं हमें इनके शहादत को याद कराती है।

LAND FOR JOB : लालू पर चलेगा केस

केंद्र सरकार ने सीबीआई को दी मंजूरी, तेजस्वी की चार्जशीट पर अब 21 को सुनवाई

AGENCY PATNA : लैंड फॉर जॉब्स मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू यादव पर केस चलेगा। सीबीआई को केंद्र सरकार से इसकी इजाजत मिल चुकी है। 1 महीने पहले सीबीआई ने केंद्र से लालू के खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत मांगी थी। सीबीआई ने मंगलवार को दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ कथित लैंड फॉर जॉब्स केस में ताजा आरोप पत्र के संबंध में गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। लैंड फॉर जॉब मामला तब का है, जब लालू यादव रेल मंत्री थे, इसलिए इसमें गृह विभाग से अनुमति की जरूरत थी। सीबीआई ने बताया कि हमने लालू के अलावा रेलवे के 3 अधिकारियों के खिलाफ भी केस चलाने की मंजूरी मांगी थी, जो फिलहाल नहीं मिली है। उम्मीद है कि एक हफ्ते में इजाजत मिल जाएगी। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर सीबीआई की ओर से दायर चार्जशीट पर दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में मंगलवार को होने वाली सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई की तारीख 21 सितंबर तय की गई है। सूत्रों की माने तो लैंड फॉर जॉब्स मामले में यह नया केस है। पुराने केस में पहले ही राजद सुप्रीमो लालू यादव, बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी और बेटी और सांसद मीसा भारती जमानत पर हैं।

तेजस्वी से 8 घंटे हुई थी पूछताछ

लैंड फॉर जॉब्स केस में सीबीआई ने तेजस्वी यादव से दिल्ली में 11 अप्रैल को 8 घंटे पूछताछ की थी। सीबीआई ने तेजस्वी से दो शिफ्ट में करीब आठ घंटे तक अलग-अलग सवालों के जवाब पूछे थे। तेजस्वी सीबीआई के समन को रद्द कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट भी पहुंचे थे। कोर्ट ने डिप्टी सीएम की सीबीआई के समन को रद्द कराने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। तब सीबीआई ने कोर्ट में कहा कि था कि फिलहाल तेजस्वी यादव को गिरफ्तार नहीं करना है। इस दौरान सीबीआई ने तेजस्वी यादव से कुछ दस्तावेज दिखाकर उसकी पुष्टि भी की थी। तब पूछताछ के बाद तेजस्वी ने कहा था कि जब भी जांच हुई है, हमने सहयोग किया है और जो सवाल किए गए, उसके हमने जवाब दिए।

हेमंत की याचिका पर SC में सुनवाई 15 को

RANCHI : ईडी के समन खिलाफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 15 सितंबर को सुनवाई होगी। भूमि घोटाला मामले में ईडी ने पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन जारी किया है, जिसको अवैध बताते हुए सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। अब उक्त याचिका पर 15 सितंबर को सुनवाई होने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले ईडी ने सीएम को तीन बार समन जारी किया है। सबसे पहले उन्हें आठ अगस्त को समन भेजकर 14 अगस्त को उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। उस दौरान उन्होंने कहा था कि 15 अगस्त को 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उन्हें झंडा फहराना है, कई बैठकें पहले से निर्धारित हैं, कई कार्यक्रमों में शामिल है।

कोर्ट में मुकरा ED का गवाह कहा- नहीं मिली कोई धमकी

CRIME REPORTER RANCHI : अवैध खनन से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के केस में नया मोड़ आया है। ईडी के गवाह और पिछले दिनों चर्चा में रहे विजय हांसदा अपने बयान से कोर्ट में (होस्टाइल) मुकर गया है। मंगलवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के स्पेशल कोर्ट में ईडी के गवाह विजय हांसदा का बयान दर्ज करवाया गया। उनका बयान बुधवार को भी दर्ज करवाया जाएगा। मंगलवार को कोर्ट में दिए अपने बयान में वह ईडी के समक्ष दिए बयान से मुकर गया। सुनवाई के दौरान इस केस का अभियुक्त बच्चू यादव भी कोर्ट में मौजूद रहा। बच्चू यादव को पिछले दिनों ही अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बेल मिली है। विजय हांसदा ने अपने आंशिक बयान में इस बात से इंकार किया है कि साहिबगंज में अवैध खनन उन्होंने की है और उन्हें किसी तरह की धमकी मिली है। पंकज मिश्रा, प्रेम प्रकाश, दाहू यादव और उसके पिता पशुपति नाथ भी इस केस में आरोपी हैं। बच्चू यादव की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार और सुधीर प्रसाद कोर्ट में मौजूद रहे। वहीं ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने पक्ष रखा।

हाई स्पीड एल्यूमीनियम रेल कोच के लिए एक्सट्रूजन उत्पाद करेगा तैयार

HINDALCO ने इटली की कंपनी से किया करार

PHOTON NEWS RANCHI : दुनिया की सबसे बड़ी एल्यूमीनियम रोलिंग और रीसाइक्लिंग कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज अब देश में हाई स्पीड ट्रेनों के लिए एल्यूमीनियम रेल कोच एक्सट्रूजन उत्पाद तैयार करेगा। इसको लेकर मुंबई में इटली की कपंनी मेट्रा स्पा के साथ तकनीकी साझेदारी को लेकर करार किया है। इस कपंनी को एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन के उत्पादन में विशेषज्ञता प्राप्त है। हिंडाल्को को इस साझेदारी के तहत भारत में उच्च गति वाले एल्यूमीनियम रेल कोचों के निर्माण के लिए बड़े आकार के एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन और फैब्रिकेशन तकनीक के उत्पादन को सक्षम करना है। अब हिंडाल्को बेहतर घरेलू निर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देने के केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को कायम रखने में अपनी भूमिका अदा करेगा। यह जानकारी कंपनी के प्रबंधन निदेशक सतीश पई ने दी। पई ने बताया कि एल्युमीनियम निर्माण में हिंडाल्को का बड़ा अनुभव है। एल्युमीनियम एक्सट्रूजन, मशीनिंग और वेल्डिंग में मेट्रा की अत्याधुनिक जानकारी के लिए यह कंपनी जानी जाती है।

नयी तकनीक से 14,500 टन बचेगा CO^2

जंपेट्री ने बताया कि उच्च गति वाले रेलवे कोचों के निर्माण में कठोर उच्च ग्रेड एल्यूमीनियम मिश्र धातु दुनिया भर में पसंदीदा धातु के रूप में उभरी है, जो अपने हल्के वजन के कारण सौंदर्यपूर्ण डिजाइन और अधिक गति को सक्षम बनाती है। यूरोप, चीन और जापान में उपनगरीय मेट्रो सिस्टम, हाई-स्पीड इंटरसिटी और लंबी दूरी की रेल यातायात एल्यूमीनियम रेल कोच का उपयोग करती है। एल्यूमीनियम का उपयोग कम वायुगतिकीय प्रतिरोध, ट्रांसमिशन हानि के कारण ऊर्जा दक्षता में काफी वृद्धि करता है और रोलिंग स्टॉक में कम टूट-फूट का कारण बनता है। पिछले अक्टूबर में हिंडाल्को ने भारत का पहला ऑल-एल्युमीनियम लाइटवेट फ्रेट रैक लांच किया था, जो न केवल उच्च गति और प्रति ट्रिप अधिक पेलोड सक्षम कर रहा है, बल्कि अपने जीवनकाल में 14,500 टन से अधिक CO^2 बचाएगा।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया 500 मीटर लंबी सुरंग

AGENCY NEW DELHI : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में बालीपारा-चार द्वार-तवांग (बीसीटी) रोड पर 500 मीटर लंबी नेचिफू सुरंग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू के देवक ब्रिज से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। यह सभी परियोजनाएं देश के 8 सीमावर्ती राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में हैं। इसके साथ ही उन्होंने दुनिया का सबसे ऊंचा लड़ाकू हवाई क्षेत्र का निर्माण करने के लिए लद्दाख के न्योमा एयरबेस को अपग्रेड करने का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में आयोजित समारोह में इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद बीआरओ की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि आपकी असली उपलब्धि यह है कि आपने अपने प्रयास से मुश्किल को आसान बना दिया।

500 मीटर लंबी नेचिफू सुरंग का उद्घाटन करते रक्षा मंत्री ● एजेंसी

BRIEF NEWS

भानु मुंडा की हत्या का एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

KHUNTI : अड़की थाना क्षेत्र के सेरेंगहातू गांव में डायन बिसाही के अंधविश्वास में गत तीन सितंबर की रात को भानु मुंडा नामक एक वृद्ध की हुई हत्या के एक और नामदर्ज अभियुक्त सुखराम मुंडा (20) ग्राम सेरेंहातू थाना अड़की को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में दी गई। बताया गया इसके एक अन्य प्राथमिक अभियुक्त मदन मुंडा सहित अन्य छह आरोपितों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बताया गया कि डायन बिसाही के अंधविश्वास में वृद्ध की हत्या को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया, जिसमें अड़की के थाना प्रभारी, इकबाल हुसैन, पुलिस अवर निरीक्षक मनोज तिर्की और उत्तम कुमार के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। सुखराम भानु मुंडा की हत्या के बाद फरार चल रहा था।

मांगों के समर्थन में आज से पलामू में नहीं चलेंगी निजी बसें

PALAMU : प्रमंडलीय मुख्यालय डालटनगंज से बुधवार की सुबह से कोई यात्री बस नहीं चलेगी। पलामू जिला ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मांगों के पूरा होने तक बस परिवहन नहीं करने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को कहा कि प्रशासन के अड़ियल रवैये के कारण ऐसा निर्णय लेना पड़ा है। साथ ही कहा कि पांच सितंबर को ही प्रशासन को ऐसे हालत होने से अवगत कराया गया था। उन्होंने कहा कि डालटनगंज बस पड़ाव से तकरीबन 165 यात्री बसें लोगों को सेवा दे रही हैं। इस हड़ताल से सभी रूट प्रभावित होंगे। खासकर रांची जाने वालों की संख्या ज्यादा होती है। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने दावा किया कि सैकड़ों वाहनों की सूची परिवहन विभाग को उपलब्ध कराई गई है। इनमें से कई वाहन प्रेस लिखकर चल रहे हैं। सवारी गाड़ी का स्वरूप बदल दिया गया है। एसोसिएशन की प्रमुख मांग है कि टेम्पो को 16 किलोमीटर चलने की ही इजाजत है लेकिन अभी टेम्पो गढ़वा, लातेहार, रांची और औरंगाबाद जा रहे हैं। दुर्घटनाएं भी ज्यादा हो रही हैं।

लाभुकों का पैसा हड़पने वाले बिचौलिया को दो साल की सजा और जुर्माना

DUMKA : प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव की अदालत ने इंदिरा आवास के चार लाभुकों से 1.10 लाख रुपये लेकर काम पूरा नहीं करने वाले मसलिया के बिचौलिया रूपधन हेम्ब्रम को दोषी करार दिया। अदालत ने उसे दो साल कारावास और पांच लाख रुपये जुमार्ना अदा करने की सजा सुनाई। सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक खुशबूददीन अली ने छह गवाह का बयान दर्ज कराया। 14 अगस्त, 2014 को मसलिया के बीडीओ के निर्देश पर पंचायत सचिव ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा कि टोंगरा के हुंजा गांव का रूपधन बिचौलिया है। उसने आपराधिक साजिश के तहत इंदिरा आवास के लाभुक बाबूधन हेम्ब्रम से मकान को पूरा कराने के नाम पर 35 हजार, रूपलाल हेम्ब्रम से 20 हजार, पेरडो हेम्ब्रम से 35 और गुपीन किस्कू से 20 हजार रुपये ले लिया। रुपये लेने के बाद भी चारों लाभुकों का आवास पूरा नहीं कराया। काफी दबाव के बाद भी पैसा वापस नहीं किया। पुलिस ने अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया। अदालत ने छह गवाह के बयान और सबूत के आधार पर रूपधन को दोषी पाकर सजा सुनाई।

PLFI के दो उग्रवादियों पर लगेगा सीसीए, हाई कोर्ट से मिली मंजूरी

PHOTON NEWS KHUNTI : एसपी अमन कुमार ने जिले के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित कांडों का जल्द से निष्पादन करें और फरार अपराधियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करें। एसपी मंगलवार को पुलिस मुख्यालय क्राइम कंट्रोल मीटिंग में अपराध नियंत्रण की समीक्षा कर रहे थे।

समीक्षा बैठक में एसपी अमन कुमार व अन्य पुलिस पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

एसपी ने बताया कि जिले के पांच ऐसे अपराधी भी हैं, जिन्हे थानों में हाजरी लगाने का आदेश दिया गया है। समीक्षा बैठक में बताया गया कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआइ के दो उग्रवादियों पर सीसीए लगाने का अनुमोदन झारखंड हाई कोर्ट से मिल गया है। अन्य तीन अपराधियों पर सीसीए लगाने की प्रक्रिया जारी है। जानकारी के अनुसार पीएलएफआइ के प्रकाश साहू और लखन गोप पर सीसीए की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और हाई कोर्ट से मंजूरी भी मिल गई है।

सूत्रों ने बताया कि प्रकाश साहू पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप के लिए काम करता था। वह क्षेत्र से लेवी की वसूली कर दिनेश गोप तक पहुंचाता था और उसके लिए अन्य कार्य भी करता था। सूत्रों के अनुसार पीएलएफआइ के लखन गोप पर भी सीसीए लगाने की मंजूरी मिल गई है। लखन गोप प्रकाश साहू के सहयोगी के तौर पर काम करता था।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में ट्रैक्टर चालक और खलासी गंभीर

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिले के गोईलकेरा थाना क्षेत्र स्थित कुईड़ा गांव के पास नक्सलियों के लगाए गए आईईडी की चपेट में आकर एक ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रैक्टर हाथिबुरु सीआरपीएफ कैंप के लिए सामग्री लेकर जा रहा था। इस घटना में ट्रैक्टर का चालक व खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया गया कि सीआरपीएफ जवानों के लिए सामग्री लोड कर हाथिबुरु कैंप जा रहा ट्रैक्टर का पहिया आईईडी के ऊपर चढ़ गया, जिससे जोरदार विस्फोट

हुआ। इस घटना में ट्रैक्टर चालक बबलू बोदरा और खलासी लोबो गोप गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सोनुवा पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से सोनुवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दुमका में यात्री बस ने बाइक सवारों को रौंदा, दो की मौत

PHOTON NEWS DUMKA : जिले के जामा थाना क्षेत्र अंतर्गत कमार दुधानी लकड़जोरिया बाइपास मार्ग पर आमझर पॉवर सबस्टेशन के पास मंगलवार को तीखे मोड़ के समीप चांदनी यात्री बस की चपेट में आने से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से दोनों को फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने शिवकुमार सोरेन (20) एवं राजेश हेम्ब्रम (22) को मृत घोषित कर दिया।

घटना स्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़। ● फोटोन न्यूज

जानकारी के अनुसार दोनों बाइक सवार दुमका की तरफ से जामा थाना क्षेत्र के भूटोकोड़िया एवं लेदापेसा गांव स्थित अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान आमझार गांव के तीखा मोड़ के पास धनबाद से आ रही चांदनी बस के चपेट में आ जाने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। गंभीर अवस्था मे फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी उत्तम कुमार पासवान ने बताया कि चांदनी बस को दुमका में जब्त कर लिया गया है।

पलामू : असल जरूरतमंदों को नहीं मिला आवास योजना का लाभः संयुक्त सचिव

PHOTON NEWS PALAMU : ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग की संयुक्त सचिव शैल प्रभा कुजूर ने मंगलवार को हुसैनाबाद क्षेत्र का दौरा कर मनरेगा, पंचायती राज और अन्य ग्रामीण विकास की अन्य योजनाओं की हकीकत जानने की कोशिश की। झरगड़ा पंचायत से जांच की शुरूआत कर संयुक्त सचिव ने आधा दर्जन पंचायत में योजनाओं की जांच की। उन्होंने कहा कि जिन्हें आवास योजना का लाभ मिलना चाहिए था उन्हें नहीं मिला। उन्होंने बीडीओ को लाभुकों की वेटिंग लिस्ट बनाने का निर्देश दिया।

हुसैनाबाद क्षेत्र का दौरा करती संयुक्त सचिव शैल प्रभा कुजूर। ● फोटोन न्यूज

जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू की शिकायतों को सही बताते हुए उन्होंने कहा कि पंचायत सचिवालय तक जाने के लिए जब सड़क ही काफी जर्जर है तब अन्य विकास की समीक्षा बेकार है। उन्होंने कूप स्वीकृति के लिए पहल करने की बात कही। झरगड़ा में मौसमी बेगम का प्लास्टिक से ढका फूस वाला घर, मानखाप में हरि यादव का घर, पथरा के अंबेडकर टोला की सड़क आदि का संयुक्त सचिव ने गहनता से जानकारी ली। झरगड़ा पंचायत सचिवालय का निरीक्षण किया।

जिला परिषद उपाध्यक्ष ने संयुक्त सचिव को बताया कि जल स्तर नीचे नहीं है। यदि कुंआ बनवाया जाये तो किसान अपनी फसल बचा सकते हैं। रोड बनवाना भी बहुत जरूरी है। सचिव ने कहा कि इसके बारे में वे उपायुक्त और राज्य स्तर पर भी बात करेंगी। उन्होंने बीडीओ को कहा कि 22 पंचायत है कम से कम 5 पंचायत का तो दौरा करें।

इस मौके पर प्रमुख राजकुमारी देवी, बीडीओ, पंचायत सेवक, कई मुखिया और अधिकारी मौजूद थे।

पलामू में शिव मंदिर से भगवान का मुकुट और अष्टधातु की मूर्ति की चोरी

PHOTON NEWS PALAMU : जिला मुख्यालय मेदिनी नगर के शिवाला घाट स्थित प्राचीन शिव मंदिर में चोरी हो गई है। अष्टधातु से बनी लड्डू गोपाल की मूर्ति और भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी जी का मुकुट और कान का हिस्सा चोरी हो गया है। अष्टधातु की मूर्ति लाखों की बताई जा रही है। जबकि मुकुट चांदी का था। सूचना मिलने के बाद शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अभय कुमार सिन्हा मौके पर पहुंचे और कई स्तरों पर जांच की। सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला गया। इसमें एक युवक चोरी करता नजर आ रहा है। पुलिस युवक की पहचान में जुट गई है।

इधर इस घटना के बाद से मंदिर ट्रस्ट और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों ने अविलंब चोरी में शामिल युवक की गिरफ्तारी की मांग की है। मंदिर के पुजारी सुनील चौबे एवं देखरेख करने वाले गणेश गिरी ने संयुक्त रूप से बताया कि मंगलवार की अहले सुबह जब मंदिर का पट खोला तो देखा कि चोरी हो गई है। लड्डू गोपाल की मूर्ति और भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का मुकुट गायब है। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। उन्होंने बताया कि अष्टधातु की मूर्ति की कीमत लगाना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि मंदिर की स्थापना 1867 में हुई थी और करीब डेढ़ सौ साल से लड्डू गोपाल की मूर्ति मंदिर में थी।

जानकारी मिली है कि कोयल नदी किनारे की ओर से शिव मंदिर में आने जाने के लिए एक छोटा गेट बना हुआ है। इस गेट में लगे ताले को तोड़कर चोर अंदर घुसा और चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी करते समय चोर की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। उसने अपने चेहरे को रुमाल से बांध रखा है, जबकि जूता पहन कर घुसा नजर आ रहा है। पहले उसने लड्डू गोपाल की अष्टधातु की मूर्ति गायब की। उसके बाद एक-एक करके भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का मुकुट गायब किया।

उपायुक्त ने लगाया जनता दरबार

PHOTON NEWS PALAMU : उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने के लिए अनुरोध किया।

जनता दरबार में लोगों की फरीयाद सुनते उपायुक्त शशि रंजन। ● फोटोन न्यूज

जनता दरबार में रामगढ़ प्रखंड से आयी छात्राओं ने आंगनबाड़ी सेविका के विरुद्ध सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिलाने के एवज में रिश्वत लेने की शिकायत की। पांकी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुड़ी के ग्रामीणों ने उपायुक्त से अपने क्षेत्र के जनवितरण प्रणाली के दुकानदार अनिल कुमार यादव की शिकायत की कि इनके द्वारा एक ही व्यक्ति का दो-दो राशन कार्ड बनाकर एवं मृत व्यक्तियों के नाम पर राशन गबन कर दिया गया है।

चैनपुर थाना क्षेत्र के मुख्तार हुसैन ने वृद्धा पेंशन देने की गुहार लगायी। हुसैनाबाद की बेबी कुमारी ने उपायुक्त से प्रधानमंत्री आवास दिलाने की गुहार लगाई। मेदिनीनगर के मुनारिक राम ने उपायुक्त से अपनी जमीन का सीमांकन कराने का अनुरोध किया।

झारखंड उलगुलान संघ के सदस्यों का तोरपा में एक दिवसीय धरना

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड उलगुलान संघ के बैनर तले मंगलवार को तोरपा प्रखंड परिसर में एक दिवसीय धरना दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के संयोजक अलेस्टेयर बोदरा और संचालन कोषाध्यक्ष विजय गुड़िया ने किया। विजय गुड़िया ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों और समान नागरिक संहिता लागू होने से आदिवासियों और मूलवासियों के विशेषाधिकार प्रभावित होंगे।

उन्होंने कहा कि भू दस्तावेज को ऑनलाइन करने में बहुत सारी त्रुटियां हैं, खेवट-खतियान में गड़बड़ी, खाता नम्बर एवं प्लॉट नम्बर में गलती तथा मुंडारी खूंटकट्टी एवं भुईंहरी लगान रसीद काटने के अधिकार से पारंपरिक मुंडा को वंचित किया जाना सोची समझी साजिश है। वक्ताओं ने कहा कि भूमि बैंक और लैंड पूल नीति गांव के सामुदायिक भू अधिकार, सरना, मसना, ससन, हड़गड़ी, अखड़ा तथा चरागाह से वंचित किया जा रहा है।

मौके पर आदिवासियों और मूलवासियों की जमीन के अवैध हस्तांतरण तथा कब्जा से मुक्त करने के लिए टीएसी द्वारा गठित विशेष उप समिति को क्रियाशील करने तथा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठन करने, मुंडारी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने तथा तोरपा और रनिया प्रखंड के लोगों को हाथियों के उत्पात से स्थायी समाधान निकालने की मांग की गई। इन विषयों को लेकर राज्यपाल को संबोधित मांगपत्र बीडीओ को सौंपा गया।

धरने में पड़हा राजा विलियम तोपनो, जय मसीह तोपनो, कुलन पतरस आईंद, फुलजेम्स तोपनो, जोन जुरसन गुड़िया, मसीह दास गुड़िया, जीवन हेमरोम, जोन फेडरिक तोपनो, बेनेदिक्त नवरंगी, सामड़ोम तोपनो, अमृत गुड़िया, मनसिद्ध गुड़िया के अलावा बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शामिल रहे।

डीसी की अध्यक्षता में डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक आयोजित, लिए गए कई अहम निर्णय

PHOTON NEWS LOHARDAGA : उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में मंगलवार को डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई। बैठक में सर्वप्रथम विधायक डॉ रामेश्वर उरांव द्वारा समर्पित सोलर स्ट्रीट लाईट निर्माण से संबंधित कुल 61 योजनाओं, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग, झारखण्ड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता द्वारा सड़क मरम्मति से संबंधित कुल 13 योजनाओं और चमरा लिण्डा, विधायक बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र द्वारा पीसीसी पथ निर्माण, पुलिया निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण से संबंधित कुल 25 प्रस्तावित योजनाओं विस्तृत चर्चा हुई और ग्रामसभा की प्रत्याशा में योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु आवश्यक निर्णय लिये गये।

लोहरदगा शहरी क्षेत्र में सीसीटीवी लगाने हेतु प्रस्ताव पर विचार किया गया और आवश्यक निदेश हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज को दिये गये। बैठक में पेयजलापूर्ति की बड़ी योजनाएं, जो बंद हैं, उन्हें प्रारंभ कराने हेतु संबंधित पंचायत के मुखिया व जलसहिया के साथ बैठक कर भविष्य में उन योजनाओं की मरम्मति हेतु संबंधित समिति से स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने का निदेश दिया गया।

शासी परिषद की बैठक में उपस्थित उपायुक्त व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा किस्को में पथ मरम्मति, बगडू जामुनटोली स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय जामुनटोली में अतिरिक्त कमरा निर्माण, किस्को के बंग्लापाठ स्थित मध्य विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था और खेल का मैदान, तुईमु पंचायत के सिंदूर स्थित विद्यालय में पेयजलापूर्ति समेत अन्य प्रस्ताव रखे गये।

उपायुक्त और अन्य अधिकारियों ने तोरपा प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधियों के साथ किया सीधा संवाद

सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में HANDWASH और शौचालय सुविधा उपलब्ध करायें: LOKESH MISHRA

PHOTON NEWS KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्र ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों और सरकारी कर्मियों को निर्देश दिया कि 15वें वित्त आयोग के फंड से अपनी पंचायत के विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और पंचायत भवनों में हैंडवाश यूनिट, महिला और पुरुष शौचालय और पेयजल की व्यवस्था करायें। यह काम दो महीने के अंदर हो जाना चाहिए।

उपायुक्त मंगलवार को तोरपा प्रखंड कार्यालय के सभागार में विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद कर जन समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति की

पंचायत प्रतिनिधियों के सीधा संवाद कार्यक्रम में उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

जानकारी ले रहे थे। उनके साथ उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह और अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान भी बैठक में मौजूद थे।

उपायुक्त ने गांवों में पेयजल की स्थिति, बिजली, आगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालय भवनों और पंचायत भवनों की स्थिति की जानकारी ले रहे थे। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी खुलकर अपनी समस्याओं को जिले के आला अधिकारियों के समक्ष रखा। मुखिया, उप मुखिया और पंचायत समिति के सदस्यों ने एक-एक कर अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी दी। उपायुक्त ने कहा कि सभी पंचायत प्रतिनिधि 15वें वित्त आयोग की रकम से इनन समस्याओं का निदान करें। उन्होंने वहां मौजूद बीडीओ दयानंद कार्जी, सीओ सच्चिदानंद वर्मा को निर्देश दिया कि वे जन समस्याओं का अविलंब निराकरण करे। डीसी ने लोगों से प्रखंड और अंचल कार्यालय, थाना, बिजली विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों के और शिकायतों के बारे में पूछा।

आप जमीन मुहैया करायें, अगले सत्र से तोरपा में डिग्री कॉलेज खुल जाएगा : जन प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को तोरपा में सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं होने के बारे में जानकारी दी, तो उपायुक्त ने कहा कि आप 15 उकड़ जमीन मुहैया करा दीजिए, अगले सत्र से तोरपा में डिग्री कॉलेज शुरू हो जाएगा। उपायुक्त और अन्य अधिकारी कॉलेज के लिए कमड़ा के पास जमीन देखने के लिए गए।

जहां अफीम की खेती होगी, नपेंगे वहां के पंचायत प्रतिनिधि : उपायुक्त ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों को सख्त चेतावननी दी कि वे अपने क्षेत्र में अफीम की खेती न होने दें। उन्होंने कहा कि जिस पंचायत क्षेत्र में अफीम की खेती होगी, वहां के पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी की जाएगी।

डीसी, एसपी सहित अन्य अधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी जिले के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को कचहरी परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त लोकेश मिश्र, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त ननीतीश कुमार सिंह, परियोजना निदेशक आइटीडीए और अन्य अधिकारियों ने माल्यार्पण कर धरती आबा को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिला वासियों को स्थापना दिववस की शुभकामनाएं देते हुए डीसी ने कहा कि खूंटी जिला समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और प्राकृतिक सौंदर्यवाला जिला है। इन 16 वर्षों में जिला गठन के बाद लोगों की समस्याओं का बेहतर तरीके से निष्पादन हुआ है।

सुदूर क्षेत्र के लोगों की जिला प्रशासन तक पहुंच बनी हैं और अधिकारियों के माध्यम से सहज

रूप से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वैसे टोलों और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों जहां वर्तमान में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, वहां जिला प्रशासन विशेष रूप से कार्य करने के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से प्रत्येक ग्राम तक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को पहुंचाना है। कल्याणकारी योजनाओं से आमजनों को लाभान्वित करने की दिशा में जिला प्रशासन पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। डीसी ने कहा, हम आशा करते हैं कि इसी प्रकार प्रगतिशील विचारों के साथ खूंटी जिला समग्र विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा।

BRIEF NEWS

कंडक्टर खराब होने से दो घंटे बिजली रही गुल

RANCHI : केतारी बगान क्षेत्र में शाम 5 से 7 बजे तक कंनडक्टर खराब होने के कारण बिजली गुल रही। बिजली नहीं होने के कारण उमस भरी गर्मी में लोग शाम को परेशान रहें। खासकर महिलाएं घरेलू काम नहीं कर सकी। वहीं दोपहर 12 से 2 बजे तक कोकर सुंदर बिहार के आसपास के क्षेत्रों में बिजली नहीं होने से उपभोक्ता काफी परेशान रहें। विभाग की ओर से कहा गया कि लोकल फाल्ट के कारण बिजली की समस्या बनी हुई है।

रांची में दो दिन से लापता युवक का मिला शव

RANCHI : पुलिस ने मेसरा ओपी क्षेत्र के केदल पंचायत से लापता युवक शव मंगलवार को एक कुएं से बरामद किया। युवक की शिनाख्त केदल पंचायत के रहने वाले दीपक कुमार महतो के रूप में हुई है। वह पिछले चार दिनों से लापता था। उसकी गुमशुदगी की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी थी। ओपी प्रभारी सुमित ने बताया कि दो दिन पूर्व परिजनों ने युवक के लापता होने की शिकायत की थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

ईस्टर्न रीजनल पुलिस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक 15 को

RANCHI : झारखंड पुलिस मुख्यालय में ईस्टर्न रीजनल पुलिस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक 15 सितम्बर को आयोजित की जाएगी। इसमें नारकोटिक्स, नक्सल, साइबर और तस्करी जैसे मामलों पर आपसी सहयोग को बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में झारखंड के अलावा बिहार, बंगाल, ओडिशा और छतीसगढ़ के वरीय पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता झारखंड पुलिस के डीजीपी अजय कुमार सिंह करेंगे। बैठक में दूसरे राज्यों के आईजी स्तर के अधिकारी मौजूद रहेंगे, जबकि दूसरे राज्यों के डीजीपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़ेंगे।

जदयू युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों की बैठक में नई कमेटी बनाने पर होगी चर्चा

RANCHI : झारखंड जनता दल यूनाइटेड युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों की बैठक बुधवार को आहूत की गई है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में युवा प्रकोष्ठ के सभी जिला अध्यक्ष शामिल होंगे। युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बता दें कि इस बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी के गठन पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि जदयू जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया मिशन के तहत चुनाव की तैयारी में जुट गया है। जदयू चला गांव की ओर और पोल खोल के नारों के साथ राज्य के गांव-कस्बों में संगठन को मजबूत करने का अभियान शुरू करने जा रहा है।

बाबूलाल मरांडी ने डीजीपी को लिखा पत्र

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा है। ईमेल के जरिए भेजे गए पत्र में उन्होंने अपने सलाहकार सुनील तिवारी और अनुरंजन अशोक (साहिबगंज खनन घोटाला मामले में शिकायतकर्ता) को सुरक्षा देने की मांग की है। बाबूलाल ने कहा कि इस संबंध में सुनील तिवारी और उन्होंने भी मुख्य सचिव को विस्तारपूर्वक मामले की जानकारी दी है। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। जिसमें खतरे के आशंका को लेकर पीड़ितों ने पुलिस को लिखित सूचना दी, लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया जिससे पीड़ित की हत्या हो गई।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

वाहन चेकिंग की स्थिति जांचने सादे वेश में निकले पुलिस कप्तान

एसएसपी ने चार थाना प्रभारियों को किया शोकॉज, मांगा स्पष्टीकरण

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में दो पहिया वाहनों की जांच में लापरवाही बरतना थाना प्रभारियों को महंगा पड़ गया। निर्देश के बावजूद वाहनों की जांच में ढिलाई बरतने पर रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने चार थाना प्रभारियों को शोकॉज किया है और सख्ती से वाहनों की जांच करने वाली अल्बर्ट एक्का चौक की टीम को पुरस्कृत करने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि वाहनों की जांच की हकीकत जानने वे खुद बाइक से सड़क पर निकले और कार्रवाई का निर्देश दिया है। हेलमेट पहने होने के कारण पुलिसकर्मी अपने कप्तान को पहचान तक नहीं सके। रांची में वाहन चेकिंग अभियान में ढिलाई बरतने के कारण एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने थाना प्रभारी को शोकॉज किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने दो पहिया वाहनों की मंगलवार को सघन जांच करने का आदेश दिया था। इसकी हकीकत जानने वे खुद सड़क पर निकले और बाइक चलाते हुए वाहन चेकिंग अभियान का सच देखा। आपको बता दें कि रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने अल्बर्ट एक्का चौक, सुजाता चौक, अरगोड़ा चौक, न्यू मार्केट चौक एवं लालपुर चौक पर दो पहिया वाहनों की सघन जांच करने का निर्देश दिया था। वाहन चेकिंग अभियान की जमीनी हकीकत की जांच करने के लिए स्वयं रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा बाइक से सिविल ड्रेस में सड़क पर निकले। हेलमेट पहने वह सड़क पर बाइक ड्राइव करते दिखे। तस्वीर में वे ऑटो और रिक्शावाले के पीछे सिर पर हेलमेट लगाए बाइक चलाते दिख रहे हैं। हेलमेट पहने होने के कारण पुलिसवाले उन्हें पहचान नहीं सके। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने सड़क पर बाइक चलाने के दौरान पाया कि अल्बर्ट एक्का चौक (फिरायालाल चौक) पर दो पहिया वाहनों की जांच कड़ाई से की जा रही थी, लेकिन अन्य स्थानों पर जांच में काफी ढिलाई बरती जा रही थी। इससे वे काफी नाराज हुए।

सिविल ड्रेस में बाइक पर सवार रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ● फोटोन न्यूज

सुखदेव नगर, लालपुर, चुटिया एवं अरगोड़ा थाना प्रभारी को शोकॉज

रांची के जिन स्थानों पर वाहन चेकिंग अभियान सही तरीके से नहीं चलाया जा रहा था, उनको शोकॉज किया गया है। सुखदेव नगर, लालपुर, चुटिया एवं अरगोड़ा थाना प्रभारी से रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने स्पष्टीकरण पूछा है।

अल्बर्ट एक्का चौक की टीम होगी पुरस्कृत

रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने अल्बर्ट एक्का चौक पर अच्छी तरह से दो पहिया वाहन चेकिंग का कार्य संपादित कर रही टीम को पुरस्कृत करने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि हेलमेट पहने होने के कारण कोई भी पुलिसकर्मी दो पहिया वाहनों की जांच के दौरान अपने पुलिस कप्तान को नहीं पहचान सका।

IAS पूजा सिंघल प्रकरण : ED के गवाह का कोर्ट में बयान दर्ज

● कहा- पल्स बनाने के लिए पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक ने कैश और चेक से दिये पैसे

CRIME REPORTER RANCHI : निलंबित आईएएस पूजा सिंघल से जुड़े अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की ओर से गवाह का बयान कोर्ट में दर्ज कराया गया। ईडी की ओर से अक्षत कटियार ने कोर्ट में अपना बयान दिया। अक्षत उस कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक हैं, जिसने पूजा सिंघल और उनके पति के द्वारा चलाए जा रहे पल्स अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण कार्य किया है। अक्षत ने अपने बयान में कोर्ट को बताया कि बिल्डिंग निर्माण के लिए उन्हें सभी पैसों का भुगतान कैश और चेक के माध्यम से किया गया है। अलग-अलग समय पर पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा उन्हें चेक और नकद राशि दिया करते थे। ईडी की ओर से बयान दर्ज होने के बाद अब बचाव पक्ष गवाह का क्रॉस एग्जामिनेशन करेगा। सुनवाई के दौरान निलंबित आईएएस पूजा सिंघल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष उपस्थित रहीं।

विष्णु अग्रवाल की बेल पर आज होगी सुनवाई

CRIME REPORTER RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में जमीन घोटाले मामले के आरोपित व्यवसायी विष्णु अग्रवाल की जमानत याचिका पर अब बुधवार को सुनवाई होगी। ईडी के विशेष लोक अभियोजन शिव कुमार ने बताया कि न्यायाधीश के छुट्टी में रहने की वजह से मामले में 13 सितम्बर को सुनवाई होगी। इससे पूर्व सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विष्णु अग्रवाल की जमानत पर ईडी से जवाब मांगा था, जिसके बाद ईडी की ओर से मंगलवार को जवाब दाखिल कर दिया गया है। ईडी ने विष्णु अग्रवाल को जमीन घोटाले मामले में 31 जुलाई को गिरफ्तार किया था।

RIMS इमरजेंसी में कंप्यूटर खराब, मरीजों का गोल्डन ऑवर रजिस्ट्रेशन कराने में हो रहा बर्बाद

रजिस्ट्रेशन और जांच की पर्ची कटाने के लिए कतार में दर्जनों मरीज।

PHOTON NEWS RANCHI : किसी भी मरीज के लिए गोल्डन ऑवर सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह ऐसा वक्त होता है, जब मरीज को त्वरित इलाज की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन प्रबंधन की बेरुखी का परिणाम झारखंड व इसके आसपास के राज्यों से आने वाले मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। दरसअल, रिम्स के इमरजेंसी (न्यू ट्रॉमा सेंटर) में दो कंप्यूटर लगे हुए हैं। जहां एक में मरीजों का रजिस्ट्रेशन होता है, तो दूसरे कंप्यूटर में जांच से संबंधित पर्ची काटी जाती है। लेकिन एक कंप्यूटर खराब होने के कारण एक ही कंप्यूटर से मरीजों का रजिस्ट्रेशन और जांच की पर्ची काटी जा रही है। जिस कारण ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए आने वाले दर्जनों मरीजों को आधे घंटे से भी ज्यादा वक्त तक इंतजार करना पड़ा। पर्ची नहीं कटने के कारण एंबुलेंस में ही कई मरीजों को भर्ती होने के लिए इंतजार करना पड़ा। गढ़वा से आए मरीज रतनलाल तुरी के परिजन कहते हैं कि पिछले आधे घंटे से रजिस्ट्रेशन के लिए खड़े हैं। एक कंप्यूटर कम कर रहा है। जिस कारण भीड़ बढ़ गई है और मेरे पीछे पर्ची काटने के लिए भी कई लोग खड़े हैं। मरीज गंभीर अवस्था में है। उम्मीद थी कि अस्पताल पहुंचने पर जल्द ही उसे इलाज मिलेगा, लेकिन अस्पताल की दहलीज पर भी इलाज के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है।

रांची से साउथ जाने वाली तीन ट्रेनों का रूट बदला

PHOTON NEWS RANCHI : दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में चल रहे विकास कार्यों की वजह से रांची से साउथ जाने वाली कई ट्रेनों का रूट बदला गया है। ट्रेन संख्या 13351 धनबाद झ अलपुझा एक्सप्रेस, 12, 13, 15 और 16 सितंबर को अपने निर्धारित रूट निडदवोलु, एलूरु, विजयवाड़ा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुड़ीवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी। रूट बदलने के कारण इस ट्रेन का ताडेपल्लीगुडेम और एलूरु स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 12835 हटिया-सर एम विश्वईश्वरैया बेंगलुरु एक्सप्रेस 12 सितंबर को अपने निर्धारित रूट निडदवोलु, एलूरु, विजयवाड़ा के स्थान पर परिवर्तित रूट निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा व विजयवाड़ा होकर चलेगी। वहीं ट्रेन संख्या 18637 हटिया- सर एम विश्वईश्वरैया बेंगलुरु एक्सप्रेस 16 सितंबर को अपने निर्धारित रूट निडदवोलु, एलूरु, विजयवाड़ा के स्थान पर परिवर्तित रूट निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा व विजयवाड़ा होकर चलेगी। लिंक रैक के विलंब से चलने के कारण ट्रेन संख्या 08196 हटिया-टाटानगर पैसेंजर ट्रेन के 12 सितंबर को खुलने के समय में परिवर्तन किया गया है। यह ट्रेन अपने निर्धारित समय 6:10 बजे के स्थान पर 9:00 बजे हटिया से खुलेगी।

झाप्रसे के सेवानिवृत अफसर पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

RANCHI : झारखंड प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत पदाधिकारी मुकुद दास पर विभागीय कार्यवाही चलेगी। उनके ऊपर प्रखंड विकास पदाधिकारी गुमला के पद पर रहते हुए कई गंभीर आरोप लगे थे। मनरेगा अंतर्गत मुख्य प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के दायित्वों का निर्वहन नहीं करने, मनरेगा कानून का उल्लंघन करने, प्रखंड अंतर्गत क्रियान्वित वृक्षारोपण एवं अन्य प्रकार की योजनाओं का सही ढंग से निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण नहीं करने एवं सरकारी राशि के गबन, दुरुपयोग से स्वयं सेवी संस्थाओं को सहयोग करने संबंधी आरोप है। ग्रामीण विकास विभाग ने 2017 में ही उनके ऊपर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसके बाद कार्मिक विभाग ने इसकी जांच करायी जिसमें प्रथमदृष्टया आरोप प्रमाणित पाये गये हैं। पूरे मामले की तह तक जाने के लिए रिटायर आइएएस रमाकांत सिंह को विभागीय जांच पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

28 न्यायिक पदाधिकारियों को मिला प्रमोशन

RANCHI : झारखंड के 28 न्यायिक सेवा के पदाधिकारियों को प्रमोशन मिला है। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। वर्तमान में झारखंड के अलग-अलग जिलों में सब जज (अवर न्यायाधीश) रैंक में पदस्थापित न्यायिक पदाधिकारियों को जिला जज रैंक में प्रोन्नत किया गया है। जिन न्यायिक सेवा के पदाधिकारियों को प्रोन्नति दी है। उसमें झ सत्यपाल, धर्मेंद्र सिंह, कुमार कांति प्रसाद,संजीव कुमार वर्मा, प्रफुल्ल कुमार, कुसुम कुमारी, निरुपम कुमार, शैलेंद्र कुमार, सूरज प्रकाश ठाकुर, शंकर कुमार महाराज, मिथिलेश कुमार सिंह, अशोक कुमार (3), शेखर कुमार, संजय कुमार (3),फहीम किरमानी, आनंद मणि त्रिपाठी, मनोज कुमार शर्मा, सूर्य मणि त्रिपाठी, कुमारी वैशाली श्रीवास्तव, लक्ष्मीकान्त, संतोष आनंद प्रसाद, कुलदीप, ऋचा श्रीवास्तव, सुनील दत द्विवेदी, निशांत कुमार, पुरुषोत्तम कुमार गोस्वामी, मंजु कुमारी और नीरज कुमार का नाम शामिल है।

HC ने धरनारत विस्थापितों से मारपीट के मामले में दायर याचिका को किया निष्पादित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में मंगलवार को तापीन साउथ प्रोजेक्ट सीसीएल, चरही, हजारीबाग के विस्थापितों के धरने के दौरान उनसे मारपीट की घटना की निष्पक्ष जांच करने का आग्रह करने वाली शक्ति देवी एवं अन्य की क्रिमिनल रिट की सुनवाई हुई। जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद याचिका को निष्पादित कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को छूट दी कि वह मामले में दर्ज अनुसंधान में अपनी बात रख सकता है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि इस मामले में दर्ज प्राथमिकी का अनुसंधान अभी चल रहा है। फाइनल फॉर्म अभी अदालत में दाखिल नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पांडे नीरज राय, रोहित रंजन सिन्हा, अभिषेक अग्रवाल ने पैरवी की। तापीन साउथ प्रोजेक्ट सीसीएल के विस्थापित अपनी मांगों को लेकर 22 अगस्त, 2022 से विस्थापित/प्रभावित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले धरना दे रहे थे। धरना के 187 दिन 20 फरवरी को असामाजिक तत्वों ने धरना कर कर रहे हैं लोगों के साथ मारपीट की लेकिन पुलिस ने धरना दे रहे विस्थापितों के खिलाफ ही तीन प्राथमिक की दर्ज कर ली। पुलिस ने धरनारत 43 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया था।

JHARKHAND CHAMBER OF COMMERCE ELECTIONS

24 उम्मीदवारों के साथ किशोर मंत्री ने रांची के चैंबर भवन में किया नामांकन दाखिल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव को लेकर अपने 24 प्रत्याशियों के साथ किशोर मंत्री ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया। टीम किशोर के प्रत्याशियों ने चैंबर भवन में चुनाव पदाधिकारी पवन शर्मा के समक्ष नामांकन किया। इस अवसर पर उपस्थित टीम किशोर के सभी प्रत्याशी काफी उत्साहित थे। उन्होंने चुनाव में जीत के बाद वर्षभर कार्यरत रहने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के वर्तमान अध्यक्ष किशोर मंत्री ने नामांकन दाखिल करने के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते कहा कि चैंबर के सदस्यों की भावना को देखते हुए वे और उनकी टीम फिर से एक बार चैंबर की चुनावी प्रक्रिया में जोश-खरोश के साथ उतरी है। उनकी टीम को रांची के साथ ही राज्य के सभी जिलों के सदस्यों की ओर से प्रोत्साहन मिल रहा है। किशोर की प्रवक्ता ज्योति कुमारी ने कहा कि उनकी टीम के सभी प्रत्याशी जुझारू हैं और सदस्यों की सेवा के लिए संकिल्पत हैं। नामांकन दाखिल करने के मौके पर किशोर मंत्री, अमित शर्मा, आदित्य मल्होत्रा, रोहित पोद्दार, शैलेष अग्रवाल, सुनिल केडिया, ज्योति कुमारी, मनोज नरेडी, विनय अग्रवाल, प्रवीण जैन छाबड़ा, संजय अखौरी, विवेक अग्रवाल, विकास विजयवर्गीय, अनिल अग्रवाल, साहित्य पवन, परेश गट्टानी, प्रवीण लोहिया, सुनिल सरावगी, गौरव मंत्री, राहुल साबू, राम बांगड, नवीन अग्रवाल, अमित किशोर, विमल फोगला, विनय छापडिया, आस्था किरण, प्रमोद श्रीवास्तव के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

नामांकन दाखिल करने के बाद विक्टरी का साइन दिखाते किशोर मंत्री व अन्य।

रांची समेत पांच जिला के 257 अपराधी टारगेट पर, जमानत रद्द से लेकर सीसीए के तहत होगी कार्रवाई

150 अपराधियों के खिलाफ हो रही कार्रवाई : DIG

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे ने कहा कि संगठित अपराधियों और कुख्यात अपराधियों के खिलाफ विस्तृत कार्य योजना के तहत कार्रवाई की जा रही है। संगठित और कुख्यात अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही संगठित और शातिर अपराधियों के खिलाफ तीन तरह की सूची बनायी गयी है। इनमें संगठित अपराधियों, 10 से अधिक मामले और पांच से अधिक दर्ज मामले के अपराधियों की सूची शामिल हैं। डीआईजी रांची स्थित कार्यालय में मंगलवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के रांची जिले में 107, गुमला जिला में 80, लोहरदगा जिला में 25, सिमडेगा जिला में 38 और खूंटी जिला में सात अपराधियों कुल 150 अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। साथ ही कार्रवाई की लगातार समीक्षा की जा रही है। अपराधियों के खिलाफ जमानत रद्द किये जाने संबंधी कार्रवाई हुई है। इनमें रांची में 12, गुमला में पांच, लोहरदगा में छह, सिमडेगा में छह, खूंटी में चार शामिल है। कुल 33 अपराधियों का जमानत रद्द करने के लिए प्रस्ताव न्यायालय में समर्पित किया जा रहा है। डीआईजी ने बताया कि सीसीए के तहत रांची में 32, गुमला में एक, सिमडेगा में 10, खूंटी में 12 कुल 45 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। सीसीए के तहत निरोधात्मक, जिलाबदर एवं थाना हाजरी की भी कार्रवाई की गयी है। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण कांडों में अपराधियों के जो जमानतदार हैं, उनके खिलाफ शिकायतें पायी गयी हैं कि कुछ फर्जी जमानतदारों का उपयोग जमानत प्राप्त करने में किया गया है। साथ ही गलत दस्तावेज का उपयोग जमानत प्राप्त करने में किया गया है। इनमें रांची जिले में 98, गुमला में 16, लोहरदगा में 14, सिमडेगा में 59, खूंटी में 32 कुल 121 अपराधियों के जमानतदारों का सत्यापन भौतिक रूप से किया गया है। इस दौरान कई जमानतदार फर्जी पाये गये हैं तथा कुछ जमानतदारों की ओर से इस बात से इनकार किया गया है कि उन्होंने जमानत दी है।

प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत करते रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे।

संगठित अपराधी गिरोह के खिलाफ करें कड़ी कार्रवाई : अनुराग गुप्ता

RANCHI : संगठित अपराधी गिरोह के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई, इसे लेकर सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को सभी रेंज के डीआईजी के साथ समीक्षा बैठक की है। इस समीक्षा बैठक के दौरान अनुराग गुप्ता ने सभी रेंज के डीआईजी को निर्देश देते हुए कहा कि संगठित अपराधकर्मियों और शातिर अपराधकर्मियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। गौरतलब है कि इससे पहले डीजी अनुराग गुप्ता ने रेंज के डीआईजी से पूर्व में दिए गए निर्देश के बाद संगठित आपराधिक गिरोह के खिलाफ बेल कैंसिलेशन, सीसीए, जमानतदारों का सत्यापन, संदिग्ध मोबाइल नंबर चिन्हित कर अग्रतर करवाई करना, संदिग्ध काराकर्मियों को चिन्हित करना जैसे बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी थी।

लोअर चुटिया में दिखेंगे महादेव के विविध रूप

PHOTON NEWS RANCHI : नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया में इस वर्ष मां भगवती का दरबार पूजा पंडाल एक नए थीम के साथ आ रहा है। इस थीम का नाम है महादेव है। इस पूजा पंडाल में देवाधिदेव महादेव की अनेकों रूप दिखाई पड़ेंगे। पंडाल के मुख्य द्वार पर कोयंबटूर के आदि योगी की भव्य प्रतिमा आपको देखने को मिलेगी। पंडाल की लंबाई लगभग 110 फीट, चौड़ाई 60 फीट, ऊंचाई 50 फीट होगी।इसका निर्माण पश्चिम बंगाल के डेकोरेटर गौतम गौराई एवं बप्पा टेंट हाउस की देखरेख में जुलाई माह के अंतिम सप्ताह से जारी है। मां भगवती पूजा पंडाल में महहादेव नटराज रूप में विराजमान होंगे। उनके साथ भागवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, कार्तिकेय होंगे। वहीं महिषासुर अनेकों रूप में मां भगवती से क्षमा- याचना मुद्रा में दिखाई देंगे। मां भगवती की प्रतिमा का निर्माण कोलकाता के प्रसिद्ध हुगली निवासी कार्तिक पाल के पुत्र कौशिक चित्रकार के द्वारा किया जा रहा है। पूजा पंडाल के सजावट के साथ पूरे महादेव मंडा परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा। पूरे पूजा के दौरान महाभोग के रूप में मूंग का हलवा, खीर, फल, खिचड़ी, लड्डू के साथ मोतीचूर की बुंदिया श्रद्धालुओं के बीच बांटी जाएगी। समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो ने बताया कि इस वर्ष भी मिनी मीना बाजार का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के मनोरंजन के लिए नाव, जंपिंग, घोड़ा, मिक्की, स्कॉर्पियो लगवाया जा रहा है, खाने-पीने के साथ खिलौना का भी दुकानें लगाई जाएंगी।

BRIEF NEWS

वन कर्मचारियों पर हुआ हमला, प्राथमिकी दर्ज

ROURKELA : राउरकेला वन विभाग ने वन कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में तालाबनी गांव के पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। भीड़ ने वन अधिकारियों पर हमला किया था क्योंकि दो हाथियों ने पिछले कुछ हफ्तों से संपत्तियों और फसलों को नष्ट कर रहे थे। वन विभाग पर ग्रामीण नाराज चल रहे थे। लहुनीपारा थाना क्षेत्र के तालाबानी गांव के मितु महंत, गुरंगा पात्र पति महंत, गणेश महंत और सुरेंद्र ओराम पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। इस संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। वन विभाग के अधिकारी जसोबंता सेठी ने कहा, ₹उन्होंने ड्राइविंग के मुद्दे पर मेरे स्टाफ के साथ मारपीट की है और हमने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वन अधिकारियों ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने उन पर हमला किया। इसके बाद पांचों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

बसंती कॉलोनी एबीसी दुर्गा पूजा समिति का गठन, शेबल बने अध्यक्ष

ROURKELA : बसंती कॉलोनी में एबीसी ब्लॉक दुर्गा पूजा प्रबंधन समिति की अगले दो वर्षों (2023-25) के लिए नई समिति का पुनर्गठन किया गया है। वरिष्ठ कार्यकर्ता शेबल सेन की अध्यक्षता और स्वपन पंडा के संचालन में बैठक में नये-पुराने कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अगले दो वर्षों के लिए कमेटी का गठन किया। सर्वसम्मति से तय किए गए समिति के पदाधिकारियों में शेबल सेन को अध्यक्ष, सुपन पांडा को कार्यकारी अध्यक्ष, सूरत नाइक को उपाध्यक्ष, जनरंजन मिश्रा, राधानाथ राउत, अनिल पांडा, श्यामल बारिक, केदार नाइक को महासचिव, सुधांशु पांडा को सह-संपादक नियुक्त किया गया है। मानस पटनायक को कोषाध्यक्ष, दुर्गा मोहंती को संगठनात्मक संपादक और राजकिशोर नायक मगर को सांस्कृतिक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल में मना दादा-दादी दिवस समारोह

ROURKELA : गुरूनानक पब्लिक स्कूल में मंगलवार को दादा-दादी दिवस मनाया गया है। इस दौरान स्कूल छात्र और उनके प्यारे दादा-दादी विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हुए। जिन्होंने अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं में ड्राइंग और रंग से में युवा कलाकारों ने जीवंत चित्र कागज पर उकेरा। वहीं इस दौरान पहेली बनाना: पेचीदा चुनौतियों ने दोनों पीढ़ियों के दिमाग का परीक्षण किया गया। वास्तविक जीवन की कहानी सुनाना में दादा-दादी ने मनोरम कहानियां बुनते हुए अपने जीवन के अनुभव साझा किए। योग आसन में छात्रों ने न केवल योग आसनों का प्रदर्शन किया बल्कि उनके फायदे भी बताए। श्लोक जाप में पारंपरिक मंत्रों का प्रदर्शन किया।

काजल ने बनाया एल्बो स्ट्राइक पंच का रिकार्ड

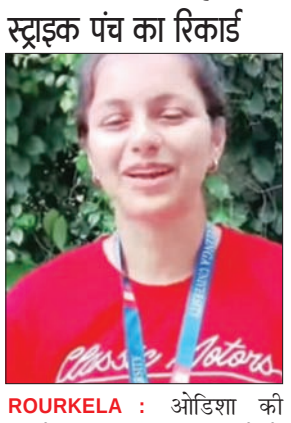

ROURKELA : ओडिशा की राउरकेला निवासी काजल पांडे ने एक बार फिर पंचिंग बैग पर एक मिनट में सबसे ज्यादा एल्बो स्ट्राइक का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इस रिकॉर्ड को तोड़कर एक मिनट में 321 एल्बो स्ट्राइक की। उन्होंने यह रिकॉर्ड कलिंगा यूनिवर्सिटी रायपुर छत्तीसगढ़ में अपने नाम किया।

विभागीय आदेश के बाद भी GOILKERA के लाभुकों को नहीं मिला तीन माह का राशन

झारखंड राज्य खाद्य आयोग की जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित, लंबित मामले को 15 दिनों के अंदर निष्पादन का निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA : स्थानीय परिसदन के सभागार में मंगलवार को झारखंड राज्य खाद्य आयोग की ओर से आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर की अध्यक्षता में सुनवाई एवं जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से कई शिकायतें आयोग के समक्ष रखा गया। इसके बाद संबंधित विभाग के पदाधिकारियों के साथ इसकी समीक्षा बैठक की। बैठक में पूर्व में आयोग के पास पहुंचे कई लंबित शिकायतों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान आयोग के अध्यक्ष ने संबंधित

जनसुनवाई कार्यक्रम में अध्यक्ष हिमांशु शेखर व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

पदाधिकारियों से लंबित मामलों के अनुपालन, इसकी स्थिति व विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली। हालांकि इस दौरान एक भी शिकायतों का निवारण नहीं हो सका। चूंकि जिले के संबंधित विभाग के पदाधिकारियों द्वारा मामले को लेकर गंभीरता पूर्वक आगे का अनुपालन ही नहीं किया गया। आयोग ने इसपर नाराजगी जाहिर करते हुए जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी सह अपर उपायुक्त संतोष कुमार सिन्हा से 15 दिनों के अंदर सभी लंबित मामलों का निष्पादन करते हुए रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। इसके अलावा लंबित पड़े मामलों पर जल्द निपटारा करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई करने को कहा। सुनवाई एवं जन सुनवाई कार्यक्रम में गोइलकेला प्रखंड की अवनेश केराई ने शिकायत करते हुए कहा कि विगत वर्ष 2022 में सुकु सांगेन महिला स्वयं सहायता समूह के खिलाफ शिकायत करने के बाद विभाग की ओर से अक्टूबर, नवंबर व दिसंबर का राशन लाभुकों के बीच वितरण करने का आदेश दिया गया था। लेकिन लाभुकों को अबतक राशन नहीं दिया गया। इस पर आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर ने कहा कि यह गंभीर विषय है के आदेश के बाद भी इसका अनुपालन नहीं किया गया। जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी ने पद की जिम्मेदारी का निर्वाहन करने में कोताही बरती है। आगे डीजीआरओ को निर्देश दिया कि भविष्य में अपने पारित आदेश का अनुपालन करें अन्यथा सुसंगत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी लाभुकों को उस अवधि का राशन सवा गुना मुआवजा के साथ 15 दिनों में उपलब्ध कराये और आयोग को इसकी रिपोर्ट करें।

सदर प्रखंड की सुलोचना पान ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र टूंगरी बी की सेविका ने अपनी मर्जी से तमाड़बांध मौजा में लाकर भाड़े के मकान में चला रही है। जबकि यह मटकमहातु का आंगनबाड़ी केंद्र है। यहां करीब 70 बच्चों में से मात्र 4-5 बच्चे उपस्थित होते हैं। कई लाभुक योजनाओं से वंचित हो रहे हैं। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने मौजूद सीडीपीओ से इसकी जांच एक सप्ताह में कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

रश्मिबाला की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन सह पुस्तक विमोचन का आयोजन

PHOTON NEWS ROURKELA : संसद की अग्रणी साहित्यिक संस्था स्टील लिटरेरी पार्लियामेंट की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन सह पुस्तक विमोचन मंगलवार को उपाध्यक्ष रश्मिबाला की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान एनआईटी के प्रोफेसर डॉ. सुष्मिता दास मुख्य अतिथि और गीतांजलि जड़ी विशिष्ट अतिथि थीं। चिन्मय इंग्लिश मीडियम स्कूल की चेयरपर्सन शर्मिष्ठा कवि मुख्य वक्ता थीं।

सर्वप्रथम श्रीजगन्नाथ एवं कवयित्री कुन्तला कुमारी साबत के चित्र पर दीप प्रज्जवलित किया गया। इस दौरान 'रिश्तों को जोड़ने वाली महिलाएं' विषय पर चर्चा

पुस्तक का लोकार्पण करतीं उपाध्यक्ष रश्मिबाला व अन्य। ● फोटोन न्यूज

करते हुई। वक्ताओं ने कहा कि एक महिला मां, बहन, बहू बनकर समाज के हर क्षेत्र, सामाजिक, आर्थिक, सेवा आदि में रिश्तों की सेतु बनाती है। शिक्षा, विज्ञान आदि पाया जाता है। प्रोफेसर सुष्मिता दास ने इसरो की चंद्रयान सफलता में महिला वैज्ञानिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. गीतांजलि जर्नल द्वारा लिखित पुस्तक 'हे साईं हे सदुरु' का विमोचन हुआ।

इस दौरान डॉ. किशोरी दास, शंकर प्रसाद त्रिपाठी, राजीव मणि, राजकुमार मोहंती, अशोक पटनायक, अभिराम प्रधान, उपेन्द्र बस्तिया, प्रकाश सेठी, चित ब्रह्मा, डॉ. गोष्ठा चंद्र लवी, नीनारानी जेना, लक्ष्मण नाथ दास, ब्रजबिहारी दास, जीतेन्द्र बस्तिया, गौतम दास, जीतेंद्र विश्वकर्मा, उषारानी शेटपथी, हरमोहन मिश्रा, त्रिलोचन मथन, पीतावास प्रधान, प्रताप पांडा, सत्यब्रत दास, निरुपमा पति, डॉ. सुमन दत्त, विक्रम आचार्य, कुंजविहारी राउत, सस्मिता प्रधान, संजीव भोई, चितरंजन दास, नयनेंदु मिश्रा, सुशांत नाइक ने प्रमुख योगदान दिया।

नगरपालिका के सामने बने पार्क के रखरखाव की हुई मांग

कमिश्नर से मुलाकात करते आसरा एसोसिएशन के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : आसरा एसोसिएशन ने मंगलवार को नगर पालिका के सामने पार्क के रख-रखाव के लिए आरएमसी कमिश्नर से मुलाकात की। यह पार्क राउरकेला के सभी पार्कों में सबसे बड़ा है। इस पार्क में प्रतिदिन सैकड़ों महिलाएं और बच्चे आते हैं। महिलाएँ विभिन्न बैठकें और मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित करती हैं। सुबह के समय कई महिलाएं व्यायाम करने और सड़क पर टहलने आती हैं। नगर पालिका इस पार्क में विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित करती है।

फिलहाल यह रख-रखाव के अभाव में यह जगह-जगह से टूट गया है। लाइटें भी क्षतिग्रस्त है। कुछ लोग सड़क के गड्ढों के कारण गिर रहे हैं। पार्क का रखरखाव की मांग की गई।

एलबीएसएम में मनोविज्ञान विभाग की ओर से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, विजेता पुरस्कृत

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विजेता छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एलबीएसएम कॉलेज के सेमिनार हॉल में मनोविज्ञान विभाग द्वारा अंतर-महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक मनोविज्ञान विभाग के डा. प्रशांत, तथा प्रो. प्रमीला किस्कू थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा एके झा ने किया। मुख्य अतिथि के तौर पर सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलपति डा जेपी मिश्रा तो विशिष्ट अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के वित्त पदाधिकारी डॉ बीके सिंह उपस्थित थे। प्रतियोगिता में कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। मौके पर प्रो जेपी मिश्रा ने कहा कि ज्ञान के विकास के लिए प्रतिस्पर्धा और प्रतियोगिता आवश्यक है। जीत कुछ ही लोगों की होती है। पर हार-जीत की प्रक्रिया में ही प्रतिभाएं निखरती हैं। इसलिए हार से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उसे चुनौती की तरह लेना चाहिए। जबकि प्रो बीके सिंह ने कहा कि पूरे कोल्हान विश्वविद्यालय में एलबीएसएम कॉलेज में छात्रों की प्रतिभा को विकसित करने वाली गतिविधियां निरंतर होती रहती हैं। यह उल्लेखनीय और रेखांकित करने योग्य है। उन्होंने कहा कि वे अपने स्तर से भी ऐसी गतिविधियों में सहयोग करेंगे।

अर्थशास्त्र की बारीकियों से रूबरू हुए छात्र वक्ताओं ने कहा- यह बहुत रोचक विषय

AMSHEDPUR : वर्कर्स कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हन विश्वविद्यालय के पूर्व वित्तीय पदाधिकारी डॉक्टर पीके पानी उपस्थित थे। इस सेमिनार का मुख्य विषय अर्थशास्त्र के विभिन्न रूप थे। महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ एसपी महाली ने अर्थशास्त्र के विभिन्न प्रारूप का व्याख्या करते हुए सेमिनार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया। सेमिनार में अर्थशास्त्र विभाग की शिक्षिका डॉक्टर शिप्रा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा सेमिनार के विषय वस्तु से अवगत कराया। मुख्य प्रवक्ता के रूप में डॉक्टर पीके पानी ने अर्थशास्त्र के विभिन्न पहलुओं का वर्णन किया। इस सेमिनार में कॉमर्स विभाग के डिन विभाग अध्यक्ष डॉक्टर वीके मिश्रा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो डॉ अशोक कुमार झा ने कहा कि एलबीएसएम कॉलेज परंपरागत ज्ञान के स्रोतों के साथ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से छात्रों को अवगत कराने का प्रयास कर रहा है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान भी इसका ध्यान रखा गया। उन्होंने कहा कि प्रश्नोत्तरी का एक उद्देश्य बच्चों में चंद्रयान की सफलता से जुड़ी जानकारी को बढ़ावा देने का भी प्रयास किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि एलबीएसएम कॉलेज के शिक्षकों ने पिछले वर्ष के प्रथम सत्र का पूरा पाठ्यक्रम समय पर पूरा किया और व्याख्यानों के आयोजन के जरिए स्थायी पाठ्य सामग्री उपलब्ध

प्रश्नोत्तरी के प्रथम विजेता एलबीएसएम कॉलेज की टीम जबकि दूसरे स्थान पर वर्कर्स कॉलेज की टीम रही।

करीम सिटी कॉलेज में सतरंग का समापन विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज में स्पार्क (सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ आर्ट एण्ड कल्चर) के वार्षिक आयोजन सतरंग का मंगलवार को समापन हो गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज ने कहा कि सतरंग में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के द्वारा प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा को पहचाना एवं अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत मासूम पॉल ने स्वागत किया। इसके उपरांत कवि शेख कालिंदी एवं उनकी टीम द्वारा समूह गायन किया गया। स्पार्क की मुख्य आयोजन सचिव अदिति सिंह ने वर्ष भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के उद्देश्य एवं महत्व का विवरण प्रस्तुत किया। फिर एकल गीत एवं एकल नृत्य का सिलसिला प्रारंभ हुआ। सभी अतिथियों की उपस्थिति में स्पार्क द्वारा वार्षिक पत्रिका - स्पार्कलिंग स्पैन प्रकाशित किया गया। इसके उपरांत पुरस्कार वितरण का सिलसिला शुरू हुआ जिसमें मुख्य अतिथि ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में उपस्थित विजेता। ● फोटोन न्यूज

सुर संगत प्रतियोगिता को तीन भागों में किया गया विभाजित

बॉलीवुड संगीत , शास्त्रीय संगीत एवं गजल जहां बॉलीवुड संगीत का विषय वर्षा से सम्बंधित गानों को रखा गया। पूर्व परीक्षण (प्रीलिम्स) में चुने गए बॉलीवुड, शास्त्रीय संगीत एवं गजल के सभी कलाकारों ने अपनी गायन शैली का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया बॉलीवुड एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आयुष मित्रा, द्वितीय स्थान कविषेक कालिंदी, सांत्वना पुरस्कार सुजाता बांद्रा ने प्राप्त किया। गजल में प्रथम स्थान आयुष मित्रा, द्वितीय स्थान कविषेक कालिंदी, सांत्वना पुरस्कार धृतिमान मंडल को मिला। शास्त्रीय संगीत में प्रथम पुरस्कार आयुष मित्रा, द्वितीय पुरस्कार धृतिमान मंडल, सांत्वना पुरस्कार धृतिमान मंडल और शिप्रा महंती ने प्राप्त किया।

NIT जमशेदपुर में आई-ट्रिपल-ई सिस्टम्स काउंसिल के चैप्टर का हुआ शुभारंभ

IEEE सिस्टम्स काउंसिल दुनिया का सबसे बड़ा तकनीकी पेशेवर संगठन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आदित्यपुर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) जमशेदपुर के डायमंड जुबली हॉल में मंगलवार को दुनिया का सबसे बड़ा तकनीकी पेशेवर संगठन 'आईईईई सिस्टम्स काउंसिल' के स्टूडेंट ब्रांच चैप्टर का शुभारंभ हुआ। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन करके शुरू हुआ। इस अवसर पर

मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. शीवाजी चक्रवर्ती, (पूर्व निदेशक एनआईटी कालीकट, आईईईई कोलकाता चेप्टर के पूर्व अध्यक्ष सह प्रोफेसर जादवपुर विश्वविद्यालय) ने रीबन काट कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर के. नम्रता प्रोफेसर (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग), डॉ. रश्मि सिन्हा प्रोफेसर

आई-ट्रिपल-ई सिस्टम्स काउंसिल के उद्घाटन पर जुटे लोग। ● फोटोन न्यूज

(इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग), संस्थान के निदेशक (प्रो.) गौतम सूत्रधार उपस्थित थे। आईईईई सिस्टम्स काउंसिल दुनिया का सबसे बड़ा तकनीकी पेशेवर संगठन है जिसे इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स के नाम से भी जाना जाता है।

आईईईई सिस्टम्स में सदस्य के तौर पर इंजीनियर, वैज्ञानिक, कंप्यूटर वैज्ञानिक, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवर, भौतिक विज्ञानी, चिकित्सा डॉक्टर और कई अन्य शामिल हैं। सिस्टम कौंसिल प्रौद्योगिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रतिबद्धता के रूप में एक महत्वपूर्ण संस्थान है।

कार्यक्रम में पावर इंजीनियरिंग के प्रसिद्ध विशेषज्ञ प्रो. शिवाजी चक्रवर्ती ने सभी को इस क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और चुनौतियों से अवगत कराया। इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ईस्टर्न (नॉर्वे) के प्रोफेसर एंव प्रोग्राम चेयरपर्सन डॉ. संजीव कुमार पद्मनाभन ने अपने संबोधन में अनुभवों को साझा करते हुए बताया की वास्तविक दुनिया के जटिल समस्यों को हल करने में सिस्टम्स इंजीनियरिंग ने किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने एनआईटी जमशेदपुर द्वारा इस स्टूडेंट ब्रांच चैप्टर की स्थापना की कि गई पहल की सराहना की और इस क्षेत्र में ज्ञान-प्रसारण और सहयोग की क्षमता पर प्रकाश डाला।

एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रो. गौतम सूत्रधार ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा की कार्यक्रम जब हम यहां एकत्र हुए हैं, तो हम खुद को तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के चौराहे पर पाते हैं। हमारी दुनिया बदल रही है, और यह तेजी से बदल रही है। वे प्रणालियां जो हमारे आधुनिक समाज का आधार हैं, वे प्रणालियां जो हमें संचार करने, यात्रा करने, सूचना तक पहुंचने और यहां तक कि अपने घरों को नियंत्रित करने में सक्षम बनाती हैं, तेजी से जटिल और परस्पर जुड़ी हुई होती जा रही है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईईईई सिस्टम्स काउंसिल स्टूडेंट ब्रांच चैप्टर के छात्र सदस्य के अध्यक्ष निशांत कुमार, उपाध्यक्ष मंतोष कुमार, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, सचिव एमडी सज्जाद,वेबमास्टर कुमारेश पाल, अभिनव कुमार, हिमांशु ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कोऑपरेटिव कॉलेज में सिक रूम का उद्घाटन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को ऑपरेटिव कॉलेज में महाविद्यालय के सिक रूम का विधिवत रूप से उद्घाटन किया गया। सिक रूम का उद्घाटन कोल्हान विश्वविद्यालय के वित पदाधिकारी डा विनय कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डा अमर सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा अमर सिंह ने कहा कि महाविद्यालय के द्वारा शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी के साथ ही छात्र छात्राओं के प्रति शुरू से ही सजग है। महाविद्यालय के द्वारा सभी स्वास्थय जांच एवं प्राथमिक चिक्तिसा हेतु सिक रूम की व्यवस्था कि गई है। जिसमें आने वाले समय में बेहतर चिकित्सकों को भी बैठाने की व्यवस्था की जाएगी।

इस कार्यक्रम के अवसर पर आईक्यूएससी संयोजक डा नीता सिन्हा, सीनेटर ब्रजेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक डा भूषण कुमार सिंह, डा सुनीता सहाय, डा मंगला श्रीवास्तव, डा एस एन ठाकुर, डा प्रभात कुमार सिंह, डा शालिनी शर्मा, डा प्याली विश्वास, स्वरूप मिश्रा, ईश्वर कुमार, सिक रूम के इंचार्ज डा प्रियंका सिंह, सहायक इंचार्ज डा अंशु श्रीवास्तव, सविता पाल, शोभा देवी, डा अनुपम, डा रूचिका तिवारी, डा संगीता शर्मा, रमेश कुमार सिंह, डा पुष्पा तिवारी, आदि उपस्थित थे।

स्वयंभू शिवलिंग का हो रहा क्षरण, चांदी के कवर चढ़ेंगे

बिहार :कुरगंज - भारत -नेपाल -बंगाल की सीमा से सटे ठाकुरगंज में स्थित हरगौरी मंदिर का शिवलिंग स्वयंभू है। जिसके एक ओर बाबा भोलेनाथ व दूसरी ओर मां पार्वती की अंकित आकृति इसकी महत्ता बढ़ाती है। रविन्द्र नाथ टैगोर के वशंज से हरगौरी मंदिर का इतिहास जुड़े होने के कारण इसे बिहार के देवघर के नाम से भी जाना जाता है। 122 वर्ष पुरानी हरगौरी मंदिर में सावन, महाशिवरात्रि, प्रत्येक सोमवार के साथ प्रत्येक दिन सैकड़ों भक्तों का जुटान होता है। सावन माह समाप्त होते ही देखा जा रहा है कि स्वयंभू शिवलिंग के आकार का क्षरण हो रहा है। इसका प्रमुख कारण पुरोहित पार्वती चरण व जयंतो गांगुली ने कहा कि सैकड़ों की संख्या में पहुंचने श्रद्धालु व पूजा के दौरान जलाभिषेक के साथ कई प्रकार से शिवलिंग को रगड़कर पूजा करना मानते हैं। पुरोहितों का मानना है कि महाभारत काल में इस शिवलिंग की पूजा पांडव और कुंती द्वारा की गई थी। ठाकुरगंज से दस किलोमीटर दूर नेपाल के कीचकवध में भीम ने कीचक का वध किया था। जिसका प्रमाण आज भी वहां विद्यमान है। हरगौरी मंदिर स्थित एक फुट काले पत्थर के स्वयंभू

का आकार हल्का छोटा होने लगा। 122 वर्ष पुराना है हरगौरी मंदिर का इतिहास ठाकुरगंज का पुराना नाम कनकपुर था।जिसे रविन्द्र नाथ टैगोर के वशंज ज्योतिंद्र मोहन ठाकुर ने खरीदी व इसका नाम ठाकुरगंज रखा।1897 में उनके परिवार द्वारा पूर्वोत्तर कोण में पांडव काल के भग्नावशेष की खुदाई में अद्भुत शिवलिंग मिला।जो एक फुट ऊंचा काले पत्थर का था।जिसमे एक ओर भगवान शिव व दूसरी ओर माता पार्वति अंकित है।ठाकुर परिवार इसे कलकत्ता में स्थापित करना चाहता था।लेकिन स्वप्न में निर्देश मिलने के बाद ठाकुर परिवार द्वारा बांग्ला सावंत के 21माध 1957 को एक टीन के घर में स्थापित किया।चार फरवरी 1901 से मंदिर में विधिवत पूजा -अर्चना आरंभ हुई।ठाकुर परिवार द्वारा नियुक्त पुरोहित भोलानाथ गांगुली के वशंज आज भी मंदिर में पूजा अर्चना करवा रहे हैं।स्व गणपत अग्रवाल,सुधीर लाहिड़ी, भूतपूर्व आपूर्ति निरीक्षक रूद्रानंद झा के प्रयास से हरगौरी मंदिर का भव्य रूप सकार हुआ था।वर्ष 2001मे मंदिर के सौवें वर्ष पर सुशील अग्रवाल द्वारा जीर्णोद्धार व शताब्दी समारोह मनाया गया था।

ऑटो रिजर्व कर पूजा करने निकली थी 5 महिलाएं,

तेज रफ्तार हाइवा ने मारी टक्कर

पटना : पटना में मंगलवार को तेज रफ्तार हाइवा ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार दो महिला की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं, तीन अन्य महिला और ऑटो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है। हादसा जिले के फतुहा थानाक्षेत्र के दौलतपुर मेट्रो स्टॉक यार्ड के समीप हुआ। घटना के बाद सभी घायल को इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। मृतकों की पहचान पटना के जक्कनपुर निवासी 54 वर्षीय नविता देवी और उसी मोहल्ले की रहने वाली 35 वर्षीय मधु कुमारी

के रूप में की गई है।बताया जा रहा कि मोहल्ले की पांच महिलाएं ऑटो रिजर्व कर जक्कनपुर से करौटा जगदंबा स्थान पूजा करने जा रही थी। इसी दौरान फतुहा थाना क्षेत्र के दौलतपुर मेट्रो स्टॉक यार्ड के समीप फोरलेन पर एक बेलगाम हाइवा ट्रक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ऑटो सवार नविता देवी और मधु कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दुर्घटना में तीन अन्य महिलाएं और ऑटो ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवा ट्रक का ड्राइवर मौके से फरार होने में सफल हो गया। घटना के संबंध में पूछे जाने पर मृतका मधु कुमारी के पति विवेक कुमार ने बताया कि सभी लोग ऑटो रिजर्व कर पूजा करने जक्कनपुर से करौटा जगदंबा स्थान जा रहे थे, इसी दौरान बीच रास्ते में ही बड़ा हादसा हो गया। मौके पर मौजूद फतुहा थाने के दारोगा शिवपूजन कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए हादसे में दो लोगों के मौत की पुष्टि की है। दारोगा ने बताया की तीन अन्य घायल महिलाओं का पीएमसीएच में इलाज चल रहा है, वहीं ऑटो ड्राइवर का एनएमसीएच में इलाज चल रहा है। घटना के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया है।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी का हत्या

मुजफ्फरपुर: के चंदवारा पुल का निर्माण करा रही कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी विष्णु यादव की हत्या मामले में छापेमारी की। जहां पुलिस टीम ने बूढ़ी गंडक नदी किनारे आश्रमघाट से लेकर छींट भगवतीपुर तक स्मैकियर और नशेड़ियों के अड्डे पर छापेमारी करने पहुंची। इस दौरान पुलिस को कुछ खास सफलता हासिल नहीं हो पाई। लेकिन पुलिस ने दो संदिग्ध को हिरासत में लिया, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीम हत्या के बाद मुंशी विष्णु यादव के लूटा गया मोबाइल के लोकेशन को ट्रेस करने में जुटी हुई है। इसके आधार पर पुलिस हत्यारे तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इधर मृतक के पुत्र दिलीप कुमार यादव के लिखित शिकायत पर अहियापुर थाने में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ ईंट से सिर को कूच- कूच कर हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक के पुत्र ने बताया कि पिता से शनिवार की शाम चार बजे बातचीत हुई थी। उन्होंने बताया था कि सब कुछ ठीक- ठाक है। वह रविवार की सुबह घर के लिए निकलने वाले थे। उन्होंने कहा था कि ट्रेन में बैठने के बाद कॉल करेंगे। इस बीच सोमवार की सुबह सूचना मिली कि पिता का हत्या कर दिया गया है। दिलीप ने पुलिस को बताया कि उसके पिता कंस्ट्रक्शन कम्पनी में पिछले दस साल से मुंशी का काम कर रहे थे। पिछले तीन साल से मुजफ्फरपुर में थे। पुत्र ने कहा कि उसके पिता का यहां किसी से कोई दुश्मनी नहीं था।

जिंदा कारतूस और खोखा बरामद

लोगों ने की अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

पटना: बिहटा नगर परिषद के वार्ड 13 की पार्षद पूनम देवी के बेटे पर देर रात्रि को अज्ञात अपराधियों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना बिहटा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर टोला की है। अपराधियों ने वार्ड पार्षद के घर पर चढ़कर जमकर फायरिंग की। हालांकि इस घटना में वार्ड पार्षद के पुत्र बाल-बाल बच गए। वार्ड पार्षद का बेटा निखिल कुमार घर लौट रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने घर के पास ही अंधाधुंध फायरिंग करना शुरू कर दिया। हालांकि फायरिंग की घटना में निखिल बाल-बाल बच गया। घटना को लेकर स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।घटनास्थल से एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। गोलीबारी की घटना से

पूरे नगर परिषद के लोग दंग हैं। मुख्य पार्षद प्रियंका कुमारी समेत अन्य वार्ड पार्षदों ने वार्ड पार्षद पूनम देवी और निखिल कुमार से मुलाकात की। साथ ही पुलिस प्रशासन से अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इधर, थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी डॉ. अनु कुमारी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि जल्द ही अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी करवाई की जाएगी। घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और एक मृत खोखा बरामद किया गया है। फिलहाल परिवार की ओर से लिखित आवेदन आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में

स्टूडेंट्स का प्रदर्शन

भागलपुर: तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्टूडेंट्स ने विरोध प्रदर्शन किया। ग्रेजुएशन पार्ट थर्ड सत्र 2020-23 के छात्रों ने जन अधिकार छात्र परिषद के मारवाड़ी महाविद्यालय अध्यक्ष जाप शुभम कुमार झा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय में परीक्षा तिथि आगे बढ़ाने को लेकर परीक्षा विभाग और कुलपति कार्यालय के समक्ष जमकर प्रदर्शन किया। वहीं छात्रों ने उग्र होते हुए सभी विभागों को बंद करा दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन की मनमानी नहीं चलेगी। कुलपति होश में आओ सहित अन्य कई नारे लगाए। वहीं सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्थानीय थाना पुलिस के साथ-साथ सीआएटी की भी तैनाती कर दी गई है। जन अधिकार पार्टी के मारवाड़ी महाविद्यालय अध्यक्ष शुभम कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय

प्रशासन छात्रों के भविष्य को ताक पर रखकर बिना पढ़ाई कराए परीक्षा की तिथि घोषित कर दी। यह सरासर गलत है। पार्ट थर्ड का एग्जाम जब तक नहीं बढ़ाया जाएगा, तब तक विश्वविद्यालय में तालाबंदी रहेगी। पहले भी कुलपति और परीक्षा नियंत्रक से कई बार मिलकर एग्जाम डेट को बढ़ाने की मांग की गई थी। लेकिन न तो कुलपति ने कोई संज्ञान लिया और न ही परीक्षा नियंत्रक द्वारा ही कुलपति से कोई बात की गई।

प्रेमिका के सामने प्रेमी ने खुद को लगाई आग

5 साल से चल रहा था अफेयर

गया: में सोमवार को एक युवक (24) ने अपनी प्रेमिका के सामने खुद को आग लगा ली। दोनों के बीच 5 साल से अफेयर चल रहा था। सोमवार को युवक ने अपनी प्रेमिका से शादी के लिए पूछा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसके बाद वो पेट्रोल पंप से पेट्रोल लेकर आया। उसने एक बार फिर से लड़की से पूछा, शादी करोगी या नहीं। लड़की ने फिर इनकार किया। उसने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। अमन 60 फीसदी जल चुका है। गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है। घटना में युवक बुरी तरह झुलस गया है। स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से उसे इलाज के लिए मगध मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला डेल्हा थाना क्षेत्र के मदराज बिगहा गांव का है। अस्पताल में भी युवक लगातार प्रेमिका से शादी करने की गुहार लगा रहा है। वह लगातार कहता दिखा कि मेरी शादी करवा दो। कोई कम से कम एक बार बात करवा दो। 60 फीसदी जल चुका है युवक पुलिस के मुताबिक आग लगाने वाला युवक 60 प्रतिशत से ज्यादा जल गया है। इधर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ एन के पासवान ने बताया कि बर्न केस का मामला है, पुलिस ने

भर्ती कराया है। जख्मी युवक को हाइली इंटेंसिव केयर यूनिट में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सक इलाज में जुटे हैं। 5 साल से चल रहा था अफेयर 24 साल का रोहित झारखंड के कोडरमा में अपने नाना के साथ रहता है। अमन के नाना और लड़की के दादा गझंडी स्टेशन पर काम करते हैं। यहीं से रोहित की जान पहचान युवती से हुई। दोनों के बीच 2018 से बातचीत चल रही थी, जो बाद में प्रेम प्रसंग में बदल गई। लड़का ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहा है। इसी बीच सोमवार को रोहित युवती से मिलने के लिए डेल्हा थाना क्षेत्र के मदराज बिगहा आया था। इस दौरान युवक ने लड़की से शादी के लिए पूछा, लेकिन उसने मना कर दिया गया। इस बात से नाराज होकर वो पहले पास के पेट्रोल पंप पर गया। वहां से पेट्रोल लेकर वापस युवती के पास आया और खुद को आग लगाने की बात कहने लगा। रोहित ने दोबारा से प्रेमिका से शादी के लिए पूछा, लेकिन उसने फिर से मना कर दिया। जिसके बाद अमन ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। जीजा बोले-रोहित के माता-पिता नहीं हैं मामले को लेकर रोहित के जीजा पवन कुमार ने बताया कि मुझे पुलिस से इसकी सूचना मिली। उस समय मैं पटना में था। उसके बाद देर रात में गया आया। वहां आकर पुलिस से जानकारी मिली की रोहित किसी लड़की से मिलने गया आया था। इससे पहले मुझे किसी लड़की से मिलने जुलने की कोई जानकारी नहीं थी। रोहित के माता-पिता नहीं हैं। उसका लालन पालन नाना के घर में ही हुआ है।

संक्षिप्त -समाचार

बच्चों का संकल्प हाथ धोकर ही करेंगे भोजन

पटना: राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत पूरे सितंबर माह में विद्यालयों में प्रतिदिन चेतना सत्र में विभिन्न कार्यक्रमों करना है। विभाग द्वारा जारी पीएम पोषण योजना शिड्यूल के तहत कोईलवर प्रखंड के मध्य सह उच्च माध्यमिक विद्यालय चंदा-काजीचक में छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छ भोजन के प्रति सतर्कता का संकल्प लिया गया। प्रधानाध्यापक डॉ. दया शंकर प्रसाद की उपस्थिति में बच्चों ने चेतना सत्र की प्रातः कालीन सभा में संकल्प लिया कि हम प्रतिदिन अपने खान-पान में साफ-सफाई का ध्यान रखेंगे। खाने से पहले अच्छी तरह से हाथ धोकर भोजन करेंगे। भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, फल का सेवन करने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका अर्चना कुमारी के द्वारा बच्चों को भोजन के प्रति सजग रहते हुए स्वच्छ भोजन करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि जो हम भोजन करते हैं उसमें पौष्टिकता के साथ-साथ स्वच्छता की भी सावधानी बरती जानी चाहिए। मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं में कुमारी सुधा तिवारी, ऊषा कुमारी, शगुफ्ता रहमान, सुमन कुमार, नौसादुर रहमान, रोहित कुमार राहुल, सिकन्दर कुमार, प्रदीप कुमार की उपस्थिति रही। विद्यालय की छात्राएं चांदनी कुमारी राय, तनु प्रिया, आशा कुमारी, दर्पण कुमारी सहित विद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

मारवाड़ी समाज ने निकाली रानी सती की भव्य शोभायात्रा

बक्सर : में रानी सती दादी की भव्य शोभायात्रा मारवाड़ी समाज ने निकाली। सैकड़ों की संख्या में मारवाड़ी समाज के लोग शोभायात्रा में शोमिल हो झूमते नजर आ रहे हैं। आगे-आगे स्कूटी पर सवार महिलाएं, वहीं पीछे हाथ में लाल ध्वज लिए पैदल चल रहे लोग डांस करते नजर आए। शोभा यात्रा में रानी सती के रथ को दुल्हन की तरह सजाया गया था। इसे महिला-पुरुष खींचते हुए आगे बढ़ रहे थे। शोभा यात्रा सुबह बक्सर के गोयल धर्मशाला से निकलते हुए विभिन्न चौक-चौराहों से होकर गुजरते हुए गोला घाट रानी सती माता मंदिर के पास पहुंचकर संपन्न हुआ। शोभा यात्रा के दौरान जिले में चौक-चौराहों पर पुलिस पदाधिकारी भी अपने टीम के साथ मुस्तैदी से तैनात दिखे।इस मामले में बताया गया कि भाद्रपद की अमावस्या को रानी सती दादी पति के साथ सती हुई। तब से नारायणी देवी को रानी सती दादी मानकर दुर्गा स्वरूप पूजा अर्चना की जाती है। इसी वजह से मारवाड़ी समाज में इस दिन का विशेष महत्व है। इसे परंपरागत तौर पर मारवाड़ी समाज रानी सती की पूजा अर्चना बड़े ही धूमधाम से करते हैं। आस्था के इस त्योहार में दूर-दूर से भजन मंडली बुलाई जाती है। इसमें मारवाड़ी समाज के प्रत्येक घर से महिला और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संजय सर्राफ ने कहा कि यह उत्सव 15 सितंबर तक मनाया जाएगा। उत्सव को इस बार 50वीं साल के रूप में स्वर्ण जयंती उत्सव मनाया जा रहा है। मंगलवार की सुबह गोयल धर्मशाला से शोभायात्रा निकली, जो शहर से होते हुए रानी सती मंदिर गोलाघाट पर पहुंचकर समाप्त हुई है। इसके साथ ही संगीतमय मंगल पाठ पटना की प्रवाहिका रीमा द्वारा किया जाएगा। 14 सितंबर की शाम महा आरती के बाद ज्योति और भजन संध्या कलकत्ता के पंकज जोशी की प्रस्तुति आदि विशेष पूजा कार्यक्रम के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

चोरों ने दो घर को बनाया निशाना

समस्तीपुर: के उजियारपुर थाने के लोहागीर गांव में चोरों ने जन्माष्टी का मेला देखने गए दो परिवार के घरों से नकदी समेत लाखों के जेवरात की चोरी कर ली। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह लोगों को हुई जब लोग मेला देखकर वापस लौटे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि लोहागीर पंचायत के वार्ड संख्या 3 मालपुर निवासी शशिभूषण सिंह के घर से रात चोरों ने करीब दो लाख का गहना आदि की चोरी कर ली। गृहस्वामी ने बताया कि नौकरी में होने के कारण परिवार के लोग पिछले नौ-दस वर्षों से बाहर रहे थे। घर पर देखरेख करने का दायित्व गांव के ही सीतो कापर के पुत्र राजकुमार कापर को दिया था। रात करीब दस बजे राजकुमार बगल में जन्माष्टमी मेला देखने चला गया था। सुबह जब उसकी पत्नी घर की साफ-सफाई करने गई तो देखा कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है और घर के अंदर सभी कमरे भी खुले हुए है। उसने इसकी सूचना अन्य ग्रामीणों को दिया और गृहस्वामी को भी फोन से बताया। जब शशिभूषण सिंह घर पहुंचे तो देखा कि घर का समान बिखरा पड़ा थे। दो ट्रंक, दो गोदरेज का अलमारी तथा तीन पेटी का ताला टूटा था। उन्होंने कहा है कि इसमें चांदी का कटोरा, चांदी की मछली, सुपारी, अंगूठी, पीतल की थाली, परात, गमला, टोपिया के अलावा वस्त्र आदि की चोरी हुई है। उधर चोरों ने प्रवीण सिन्हा के मकान का ताला तोड़कर करीब एक लाख रुपए के चांदी का गहना , पीतल का बर्तन आदि सामानों की चोरी कर ली। घर में रात कोई नहीं था सभी लोग मेला देखने गए थे।

मैक्रों की भारत और राहुल की फ्रांस यात्रा

जी-20 शिखर सम्मलेन में दुनिया के दिग्गज नेता सहभागी हुए। सभी ने एक स्वर में भारत के विचार प्रस्ताव और सत्कार को विलक्षण बताया। इन विदेशी मेहमानों को ऐसा उदार चिंतन पहले किसी अन्य सम्मेलन में देखने को नहीं मिला था। यह संयोग था कि इसी समय राहुल गांधी विदेश यात्रा पर थे। इसके पहले नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भी राहुल गांधी ने संयोग बनाया था। मोदी की यात्रा से ठीक पहले वह अमेरिका गए थे। उनकी प्रत्येक विदेश यात्रा में भारत की प्रतिष्ठा के अनुरूप कोई बयान नहीं होता। हर बार, हर जगह एक जैसे बयान। इस बार भी उन्होंने फ्रांस में वही दोहराया। कहा कि भारत में लोकतंत्र, संविधान पर हमला हो रहा है, आवाज को दबाया जाता है, मुसलमानों दलितों को निशाना बनाया जा रहा है, केरोसिन छिड़क दिया गया है...आदि। इतना ही नहीं राहुल ने मणिपुर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भी विचार व्यक्त किए। उसका भी लब्बोलुआब वही जो वह लोकसभा में बोल चुके थे। लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी जवाब दे रहे थे तो राहुल अपने समर्थकों के साथ बहिर्गमन कर गए थे, क्योंकि मोदी उनको आईना दिखा रहे थे। वस्तुतः राहुल गांधी भारत और नरेन्द्र मोदी के विरोध का अन्तर समझने में असमर्थ हैं। इसलिए विदेशों में उनके बयान भारत की छवि के प्रतिकूल हो जाते हैं। एक तरफ राहुल अपने उसी अंदाज में बयान दे रहे थे, दूसरी तरह जी-20 सम्मेलन में भारत की जय-जयकार हो रही थी। सभी विदेशी नेता मोदी के मुरीद बन गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब आपदा में अवसर का विचार दिया, तब आत्मनिर्भर भारत अभियान का शुभारंभ हो गया। भारत ने कोरोना की दो वैक्सीन सबसे पहले बना कर विकसित देशों को भी चौंका दिया। पहले विकसित देश वैक्सीन बनाते थे। दशको बाद वह भारत को नसीब होती थी। भारत का पिछला चन्द्रयान अभियान विफल हुआ था। नरेन्द्र मोदी इसरो के वैज्ञानिकों से मिलने पहुंचे। उन्होंने विफलता में अवसर का विचार दिया। वैज्ञानिकों ने कमियों को दूर किया। इसके बाद चन्द्रयान अभियान सफल हुआ। इसी प्रकार नरेन्द्र मोदी ने जी-20 की अध्यक्षता को अवसर में बदल दिया। भारतीय विचार और संस्कार की दुनिया में गूंज हुई। वसुधैव कुटुम्बकम जी-20 का ध्येय वाक्य बन गया। ब्राजील को अध्यक्षता की कमान सौंपी गई। नरेन्द्र मोदी ने घोषणा पत्र से लेकर जितने भी प्रस्ताव किए, उन सभी को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। यह अध्यक्षता में अवसर का बेमिसाल प्रमाण है। राहुल गांधी ने पेरिस में छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि मैंने गीता पढ़ी है, कई उपनिषद पढ़े हैं, मैंने कई हिंदू धर्म से जुड़ी किताबें पढ़ी हैं, भाजपा जो करती है उसमें हिंदू धर्म जैसा कुछ भी नहीं है। विपक्षी दलों का गठबंधन भारत के लोकतांत्रिक ढांचों को बचाने के लिए लड़ रहा है। विपक्ष भारत की आत्मा के लिए लड़ने को लेकर प्रतिबद्ध है। देश मौजूदा उथल-पुथल से सकुशल बाहर आ जाएगा। निचली जातियों, अन्य पिछड़ी जातियों, आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदायों की अभिव्यक्ति और भागीदारी को रोका जा है। प्रधानमंत्री यह फैसला कर लें कि भारत में कोई अहंकारपूर्ण आचरण या कोई हिंसा नहीं करेगा, तो यह रुक जाएगा। राहुल ने ब्रसेल्स में यूरोपीय संसद के कुछ सदस्यों के साथ बंद कमरे में बैठक भी की। दूसरी ओर जी-20 के सभी देश नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रहे हैं। भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने के समझौते कर रहे हैं। जब राहुल गांधी फ्रांस में भारत की छवि के प्रतिकूल बयान दे रहे थे, उसी समय फ्रांस के राष्ट्रपति नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और भारत की प्रगति की प्रशंसा कर रहे थे। जी-20 समिट से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। मैक्रों ने बताया कि फ्रांस भारत के साथ रक्षा सहयोग को और विकसित करेगा। भारत ने विभाजित माहौल के बाद भी जी-20 केअध्यक्ष के रूप में बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पीएम मोदी के साथ फोटो शेयर करते हुए वसुधैव कुटुम्बकम् लिखा। कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन ने एकता का संदेश दिया। दोनों नेताओं ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्म के डिजाइन, विकास और निर्माण में साझेदारी के जरिये भारत-फ्रांस रक्षा संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने रक्षा संबंधी औद्योगिक रूपरेखा को शीघ्र अंतिम रूप देने का भी आह्वान किया। डिजिटल, विज्ञान, तकनीकी नवाचार, शिक्षा,संस्कृति,स्वास्थ्य और पर्यावरण सहयोग बढ़ाया जाएगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए इंडो-फ्रेंच कैंपस के मॉडल पर इन क्षेत्रों में संस्थागत संबंधों को मजबूत किया जाएगा। नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में क्राउन प्रिंस और सऊदी अरब के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज अल-सऊद के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत ने पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच एक ऐतिहासिक आर्थिक गलियारा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह गलियारा एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक विकास और डिजिटल सम्पर्क सुविधा प्रदान करने में भी मदद करेगा। नरेन्द्र मोदी और क्राउन प्रिंस ने भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक के कार्यवृत्त पर हस्ताक्षर किए।

जी-20 की सफलता और भारतीय कूटनीति

ANALYSIS

मृत्युंजय दीक्षित

नई दिल्ली जी-20 सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन संकट के कारण नहीं आ सके, अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्होंने रूस के विदेश मंत्री को नामित किया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नहीं आये किंतु उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को सम्मेलन में भाग लेने के लिए भेजा। सम्मेलन प्रारम्भ होने के पूर्व रूस और चीन के राष्ट्रपति के न आने के कारण का एक बड़ा वर्ग निराशा व्यक्त कर रहा था और कह रहा था कि कहीं इस सम्मेलन में भी कुछ विषयों को लेकर आम सहमति न बन पाये किंतु प्रधानमंत्री मोदी के कुशल आशावादी नेतृत्व ने सभी निराशावादियों के कथन और विचार को धूल-धूसरित करते हुए अपनी कूटनीति का लोहा मनवा लिया। सम्मेलन के समापन पर जी-20 और अधिक विस्तार लेकर जी-21 के रूप में सामने आया। इसमें अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल कर लिया गया। अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री के नाते नरेन्द्र मोदी ने इसकी घोषणा की। अफ्रीकी संघ के लिए ये भावुक कर देने वाला पल था।

राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन जिस सफलता के साथ संपन्न हुआ है उसकी चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। वैश्विक मीडिया जगत इसको भारत की बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार व उनके नेतृत्व की जमकर सराहना कर रहा है। नई दिल्ली जी-20 सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन संकट के कारण नहीं आ सके, अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्होंने रूस के विदेश मंत्री को नामित किया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नहीं आये किंतु उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को सम्मेलन में भाग लेने के लिए भेजा। सम्मेलन प्रारम्भ होने के पूर्व रूस और चीन के राष्ट्रपति के न आने के कारण का एक बड़ा वर्ग निराशा व्यक्त कर रहा था और कह रहा था कि कहीं इस सम्मेलन में भी कुछ विषयों को लेकर आम सहमति न बन पाये किंतु प्रधानमंत्री मोदी के कुशल आशावादी नेतृत्व ने सभी निराशावादियों के कथन और विचार को धूल-धूसरित करते हुए अपनी कूटनीति का लोहा मनवा लिया। सम्मेलन के समापन पर जी-20 और अधिक विस्तार लेकर जी-21 के रूप में सामने आया। इसमें अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल कर लिया गया। अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री के नाते नरेन्द्र मोदी ने इसकी घोषणा की। अफ्रीकी संघ के लिए ये भावुक कर देने वाला पल था। अफ्रीकी संघ में अफ्रीकी महाद्वीप के 55 देश सदस्य हैं और इनमें से कई देश बहुत गरीब हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मत है कि अंतरराष्टीय मंचों पर चीनी विस्तारवाद की कूटनीति को जवाब देने के लिए यह जोरदार पहल की गई है। चीन समय -समय पर अपनी विस्तारवाद की नीति के

तहत गरीब अफ्रीकी देशों की आर्तरिक राजनीति में ताक झांक करता रहता है। अब जी-20 समूह का सदस्य बन जाने के बाद अफ्रीकी संघ का संपूर्ण विश्व के साथ संपर्क जुड़ गया है। भारत के दृष्टिकोण से अफ्रीकी संघ अब हमारे परिवार का एक सदस्य बन गया है। सम्मेलन के प्रथम दिन ही जब मोरक्को से भीषण भूकंप का समाचार आया तब प्रधानमंत्री मोदी ने अध्यक्षता करते हुए मोरक्को के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। जी-20 के नई दिल्ली घोषणापत्र को सर्व सम्मति से स्वीकार किया जाना भारतीय कूटनीति की बड़ी सफलता है। सभी 83 बिन्दुओं पर सहमति वाले इस घोषणापत्र में सभी धर्मों की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए आतंकवाद के सभी रूपों की कड़े शब्दों में निंदा की गई है । इसमें विदेशियों से नफरत, नस्लवाद और असहिष्णुता के अन्य रूपों के आधार पर या धर्म, विश्वास के नाम पर आतंकवाद शामिल है। इन्हें अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया गया है। घोषणापत्र के अनुसार एक समग्र दृष्टिकोण ही आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। आतंकवादी समूहों को सुरक्षित पनाहगाह, संचालन की स्वतंत्रता, आवाजाही और भर्ती के साथ साथ वित्तीय, भौतिक या राजनीतिक मदद से वंचित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रभावशीलता बढ़ाने को मजबूत करने सहित छोटे और हल्के हथियारों की तस्करी के विषय में भी चिंता व्यक्त करते हुए इस सम्बंध में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को महत्वपूर्ण बताया गया है। घोषणापत्र में इस बात पर भी सहमति बन गई है कि परमाणु हमला या धमकी अस्वीकार्य है। घोषणा पत्र में आतंकवाद शब्द का उल्लेख नौ बार किया गया है। जी-20 के घोषणापत्र में मानवीय पीड़ा की अनुभूति और विश्व भावना झलक रही है। सर्वजन हिताय के रास्ते पर चलते हुए दुनिया भर के देशों से भुखमरी मिटाने का संकल्प तो लिया ही गया है साथ ही पोषण सुरक्षा प्राप्त करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई है। इस दिशा में प्रयास करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पहले ही वर्ष 2023 को श्री अन्न वर्ष घोषित करा चुके हैं । सम्मेलन में वैश्विक समुदाय के लिए ऐसा कोई विषय नहीं रहा जो छूट गया हो। शिक्षा के सहयोग, कृषि संबंधी व्यापार को सुविधाजनक बनाने स्वास्थ्य प्रणाली में लचीलापन लाने सहित महिलाओं पर जलवायु परिवर्तन के कारण पड़ रहे परिवर्तनों पर भी चिंता व्यक्त की गई है और प्रस्ताव पारित हुए हैं। सम्मेलन में आर्थिक विकास के भारतीय एजेंडे पर भी मुहर लग गई है जिसके कारण गरीब व विकासशील देशों के आर्थिक विकास का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। शिखर सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय टैक्स प्रणाली विकसित करने पर भी सहमति बन गई है। बायो फ्यूल अलाएंस की घोषणा भी एक बड़ा कदम है। सम्मेलन में चीन की विस्तारवादी रणनीति को करारा जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दूसरे मित्र राष्ट्रों के साथ मिलकर भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरिडोर स्थापित करने की बड़ी घोषणा की है और यह योजना वैश्विक परिदृश्य को बदलने वाली मानी जा रही है। यह व्यापार का सबसे बड़ा कॉरिडोर होगा जिसमें रेल लाइनों, सड़कों और बंदरगाहों का नेटवर्क होगा साथ ही स्वच्छ ईंधन के निर्यात की व्यवस्था भी होगी। सुरक्षित संचार व्यवस्था के लिए समुद्री केबलों का नेटवर्क भी तैयार होगा। माना जा रहा हे कि आगामी दिनों में यह कॉरिडोर चीन की विस्तारवाद की रणनीति को ध्वस्त कर देगा। इस सम्मेलन से भारत की स्थिति सुदृढ़ हुई है ओर यह भी तय हो गया है कि आगामी समय में विश्व पटल पर भारतीय कूटनीति का बड़ा प्रभाव रहने वाला है। शिखर सम्मेलन की थीम वसुधैव कुटुम्बकम रखी गई और एक पृथ्वी, एक कुटुंब, एक भविष्य इसका आदर्श रहा। इसके माध्यम से भारत ने यही संदेश दिया है कि वह विश्व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शिखर सम्मेलन में भारत विश्व को अपनी सांस्कृतिक विरासत और विविधता से भी परिचित कराने में सफल रहा है। शिखर सम्मेलन की सफलता यह दर्शा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है और विश्व भारत की अत्यंत प्राचीन संस्कृति को समझ रहा है। भारत का वसुधैव कुटुम्बकम अब एक पृथ्वी, एक कुटुंब, एक भविष्य के रूप में संपूर्ण विश्व का विचार बन रहा है। जो भी इन विचारों के अनुरूप व्यवहार नहीं करेगा वह अलग-थलग पड़ जायेगा । आयोजन की सफलता से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत तथा नरेन्द्र मोदी के धुर विरोधी भी भारत की नेतृत्व क्षमता के कायल हो गए हैं।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

दिल्ली डिक्लेरेशन सही मायने में वन अर्थ

देखा जाए तो भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन हर मायने में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहा। भारत की मेजबानी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विजन का ही परिणाम रहा कि एक ओर जहां जी-20 का कुनबा बढ़ाने में भारत कामयाब रहा तो दूसरी और दिल्ली डिक्लेरेशन को एक मत से स्वीकार कराने की बड़ी सफलता कूटनीतिक स्तर पर भारत की बढ़ती सक्रिय हिस्सेदारी और सोच समझ को दशार्ती है। कोई माने या ना माने पर अब यह साफ होता जा रहा है कि भारत आज अपनी बात मनवाने व दुनिया के देशों के सामने लोहा मनवाने में सफल रहने लगा है। ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब इंडोनेशिया के बाली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में बने मसौदे पर दुनिया के देश एकमत नहीं हो पाये थे। रूस और चीन के प्रमुखों के नहीं आने और उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति के बावजूद भारत दिल्ली डिक्लेरेशन के सभी 83 बिन्दुओं को एक मत से पारित कराने में सफल रहा। यह सब तो तब है जब जी-20 के सभी देशों के पास बिन्दु विशेष पर वीटो करने के अधिकार हैं यह पहले के सम्मेलनों में देखा जा चुका है। सबसे बड़ी बात यह कि जी-20 के सेशन वन फैमिली के दौरान दिल्ली डिक्लेरेशन पर सर्वसम्मति की घोषणा से वन फैमिली का वास्तविक संदेश दुनिया के देश देने में सफल रहे हैं। सही मायने में यह दुनिया के देशों के वन फैमिली की दिशा में बढ़ता कदम है। देखा जाए तो भारत के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास और इसके साथ ही वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का संदेश ही वसुधैव कुटुम्बकम को चरितार्थ करता है। इसे कालचक्र का ही फेर कहा जाएगा कि जिस कालचक्र के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-20 के दिग्गजों की अगवानी कर रहे थे। उस कालचक्र ने ही संदेश दे दिया कि भारत 2500 साल पहले भी दुनिया का नेतृत्व कर रहा था तो आज भी वह दुनिया के देशों से किसी भी मायने में कम कर नहीं रह गया है। यूं तो जी-20 का यह सम्मेलन कई मायनों में याद किया जाएगा तो लाख कमियां गिनाई भी जा सकती हैं पर इस सम्मेलन ने जो ऊंचाइयां छुई है उन्हें सालों याद रखा जाएगा। इस सम्मेलन की ही देन है कि अब जी-20 में 55 देशों के संघ अफ्रीकी यूनियन को स्थाई सदस्यता दिलाने में सफलता मिल गई है। यानी की जी-20 का कुनबा बढ़कर अब जी-21 हो गया है तो दूसरी और इसकी ताकत में भी बढ़ोतरी हुई है। वैसे भी देखा जाए तो 1999 में जी-20 की स्थापना हुई तो आर्थिक सहभागिता एक प्रमुख ध्येय रहा। दुनिया के देशों की 85 फीसदी जीडीपी, 75 फसीदी वैश्विक व्यापार और दो तिहाई आबादी इस कुनबे की ताकत थी। अब अफ्रीकी यूनियन के शामिल होने से इसकी ताकत और पहुंच और अधिक बढ़ गई है। बारी-बारी से अध्यक्षीय जिम्मेदारी के बीच भारत की एक वर्ष की अध्यक्षीय अवधि जी-20 के इतिहास में इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारत द्वारा इस तरह की कार्ययोजना बनाई गई कि सभी अंतरराष्ट्रीय विषय पर चर्चा तय की गई तो दूसरी और गंभीर चिंतन मनन हुआ। इसके साथ ही भारत के कोने-कोने से सदस्य देशों को रूबरू होने का अवसर मिला वह अलग। यानी कि भारत के बारे में दुनिया के देशों के सामने समग्र तस्वीर रखी जा सकी। देश के 60 शहरों में जी 20 की बैठकें आयोजित हुईं। यहां तक कि कश्मीर में भी जी-20 की बैठक आयोजित कर एक संदेश देने का प्रयास किया गया। 200 घंटों की अथक मेहनत और करीब 300 बैठकों का परिणाम है दिल्ली डिक्लेरेशन। सबसे बड़ी बात कि भारत ने सबके भरोसे की बात की और सबका भरोसा जीतना ही इसकी सबसे बड़ी सफलता माना जा सकता है। कोरोना ने दुनिया के देशों के सामने एक अलग तरह के हालात रखे तो सोच और समझ में भी बदलाव आया। हालांकि कोरोना त्रासदी के बाद भी रूस- यूक्रेन युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट, आतंकवाद के नित-नए रूप, भ्रष्टाचार, जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी बढ़ने, अनियमित मानसून, तूफान और अनचाही बाढ़ जैसे हालात, समुद्री सतह का बढ़ना, करेंसी को लेकर संकट जैसे अनेक संकट तेजी से उभरे हैं। दिल्ली डिक्लेरेशन में इन सभी मुद्दों और चुनौतियों के प्रति गंभीरता दिखाई गई। यहां तक कि सबसे अधिक मतभेद की संभावना रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर होने के बावजूद डिक्लेरेशन में युद्ध का विरोध, दुनिया के देशों की संप्रभुता की रक्षा और यूक्रेन का चार बार जिक्र करने के साथ ही रूस का जिक्र न करके इशारों-इशारों में ही बहुत कुछ कहने में सफलता मिली। इसी तरह से चीन को भी संदेश देने का प्रयास किया गया । नया कारिडोर बनाने और फ्यूल संकट को लेकर ग्लोबल बायो फ्यूल की वैश्विक समझ बनाना किसी सफलता से कमतर नहीं है। जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास, डिजिटल इकॉनोमी, विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों के साथ ही युद्ध और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं, महंगाई और आतंकवाद, कार्बन उत्सर्जन सहित चुनौतियों का मिलकर हल खोजने का सार्थक प्रयास माना जा सकता है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस का सम्मेलन में आना और एक दिन अधिक रुकना पाकिस्तान के लिए किसी तेज झटके से कम नहीं है। इन सबसे इतर यह कि जी-20 सम्मेलन भारतीय कला, शिल्प, सभ्यता और संस्कृति, गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराने में भी सफल रहा । भारत नाम को लेकर पक्ष-विपक्ष में मतभेद हो सकते हैं पर भारतीय संस्कृति की झलक दिखाने में यह सम्मेलन सफल रहा है। सबसे खास कि इस सम्मेलन में शाकाहारी भोजन परोसा गया तो दूसरी और मोटे अनाज को भी व्यंजनों में शामिल किया गया। सबसे खास और बड़ी बात यह कि भारत ने वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की बात केवल कागजी नहीं कर उसे दुनिया के देशों के सामने प्रभावी तरीके से पूरी प्रतिबद्धता के साथ रखा है।

Social Media Corner

सच के हक में...

किसान फसल विविधता के सच्चे संरक्षक हैं। हालांकि मुझे पता है कि हमने कई पौधों और प्रजातियों को खो दिया है, हम सभी को पौधों और प्रजातियों की कई किस्मों की रक्षा और पुनर्जीवित करने के आपके प्रयास की सराहना करनी चाहिए जिनका अस्तित्व हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

हेमंत सोरेन ने अपने कार्यकाल में जानबूझकर ऐसे नियुक्ति नियमावली बनाये जिसे कोर्ट ने निरस्त कर दिया। उन्होंने एक साजिश के तहत विसंगतियों वाली नियमावली बनाकर झारखंड के होनहार युवाओं को कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने के लिए मजबूर कर दिया। चतरा विधानसभा में विपक्ष के लोग विस्थापन के नाम पर जनता में भय पैदा कर रहे हैं। मैं आप सबों को आश्वस्त करता हूं कि, किसी भी व्यक्ति को यहां से नहीं हटाया जाएगा।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

कावेरी नदी पर 140 वर्ष से संग्राम

दक्षिण की 'गंगा' कही जाने वाली सदानीरा कावेरी नदी के जल पर कर्नाटक और तमिलनाडु का 140 साल पुराना विवाद देश की सबसे बड़ी अदालत के फैसले के बावजूद सुलझ नहीं पाया है। छोटे-बड़े कानून के मंदिरों और दोनों राज्यों और केंद्र के राजनीति के गलियारों में हलचल मचाने वाला यह जल विवाद बयानों की आंच में सुलग रहा है। आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कावेरी जल विनियमन समिति की बैठक से पहले ही बयानवीर कूद पड़े। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने संकेत दिया कि अब जो पानी बचा है, उसको वह पीने के लिए जमा करेंगे। लगे हाथ उन्होंने भाजपा और जनता दल (एस) पर राजनीति करने का आरोप भी जड़ दिया। कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्यमंत्री एचके पाटिल ने तो यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के पास पर्याप्त मात्रा में पानी है। इसलिए उसे इस समय और पानी की मांग नहीं करनी चाहिए। इस विवाद के लंबे सफर में यह जानना निहायत जरूरी है कि कावेरी नदी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु की धरती की प्यास बुझाती है। पश्चिमी घाट का ब्रह्मगिरी पर्वत इसका उद्गम है। यह 760 किलोमीटर का सफर पूरा कर बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी के किनारे बसा तिरुचिरापल्ली शहर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। कावेरी नदी के डेल्टा पर अच्छी खेती होती है। कावेरी नदी पर तमिलनाडु में होगेनक्कल जलप्रपात और कर्नाटक भारचुक्की और बालमुरी जलप्रपात हैं। प्राचीन तमिल साहित्य में इसका जिक्र पोन्नी के रूप में होता है। दक्षिण भारत में कावेरी का महत्व गंगा जैसा है। हाल ही में तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। तमिलनाडु ने गुहार लगाई कि 10 दिन के लिए 24 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाए । कर्नाटक ने इसी छह सितंबर को जवाब दाखिल कर तीन हजार क्यूसेक पानी छोड़ने का वादा किया। कर्नाटक ने तर्क दिया कि कृष्णा और कावेरी नदियों में पानी की भारी कमी है। इस वजह से कर्नाटक पर भारी बोझ पड़ रहा है। 12 सितंबर के बाद तमिलनाडु को और पानी नहीं दिया जा सकता। इससे पहले 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु की याचिका पर कोई भी आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि उसके पास इस मुद्दे पर कोई विशेषज्ञता नहीं है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से रिपोर्ट मांगी गई है। बहरहाल कावेरी नदी के 140 साल पुराने विवाद से तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कलह बढ़ गई है। वैसे दो दोनों राज्यों के बीच कावेरी जल का झगड़ा आजादी से पहले का है। दोनों राज्य सिंचाई के पानी की जरूरत के लिए दशकों आमने-सामने हैं। 1881 में यह विवाद तब शुरू हुआ, जब तत्कालीन मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) ने कावेरी पर बांध बनाने का फैसला किया। इस पर मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) ने आपत्ति जताई। लंबे समय तक ऐसे ही विवाद चलता रहा। 1924 में अंग्रेजों की मदद से समझौता हुआ कि कर्नाटक को कावेरी नदी का 177 टीएमसी और तमिलनाडु को 556 टीएमसी पानी मिलेगा। एक टीएमसी की गणना हजार मिलियन क्यूबिक फीट के तौर पर होती है। बावजूद इसके यह विवाद पूरी तरह नहीं सुलझ सका। स्वतंत्रता के बाद 1972 में केंद्र ने एक कमेटी बनाई। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कावेरी नदी के जल के दावेदारों के बीच 1976 में समझौता हुआ। अफसोस इस समझौते का पालन नहीं हुआ और विवाद सिर उठाये रहा। नब्बे के दशक में विवाद की लपटें बढ़ीं तो दो जून, 1990 को कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल का गठन किया गया गया। इस ट्रिब्यूनल ने साल 2007 में अपना फैसला दिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि कर्नाटक को सालाना 270 टीएमसी और तमिलनाडु को 419 टीएमसी, केरल को 30 टीएमसी और पुडुचेरी को सात टीएमसी पानी दिया जाएगा।

शेयरों को मिली शक्ति

भारतीय शेयर बाजारों में बढे. निवेश से उत्साह की स्थिति है, जो चढ़ते सूचकांकों से जाहिर हो रही है। सोमवार को मुंबई शेयर बाजार के सूचकांक अर्थात सेंसेक्स ने 528 अंक की छलांग लगाकर 67,000 का स्तर फिर से हासिल कर लिया, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक निफ्टी ने पहली बार रिकॉर्ड 20,000 का आंकड़ा पार किया है। शेयर बाजार में नई बहार की मुख्य वजह यह है कि घरेलू निवेशकों की ओर से मजबूत खरीदारी जारी है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था उसके आंतरिक बल से ही बुनियादी रूप से मजबूत होती है, आज भारत में इस बुनियादी मजबूती के संकेत साफ दिखने लगे हैं। मोटे तौर पर शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन बढ़त का रुख देखा गया है। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि जी-20 के सफल आयोजन से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। यूरोप से भारत तक आर्थिक गलियारा या कॉरिडोर का निर्माण, सऊदी अरब के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते, अफ्रीका के तमाम देशों के साथ जी-20 और भारत का सीधे जुड़ाव क्रांतिकारी साबित हो सकता है। गौर करने की बात है कि निफ्टी बीती जुलाई 2023 में 20,000 अंक को छूने में कामयाब रहा था। इस बार विदेशी निवेशकों की भूमिका तो मिली-जुली रही है, पर स्वदेशी निवेशकों का सर्वाधिक हाथ रहा है। बहुत संभव है कि स्वदेशी निवेशकों का अगर विश्वास बना रहे, तो विदेशी निवेशक भी बड़ी पूंजी के साथ भारतीय बाजारों में उतरेंगे। ऐसे में, सूचकांक के चढ़ने की ज्यादा संभावना है। वैसे भी, भारत में त्योहारी मौसम आने वाला है। पितृ पक्ष के समापन अर्थात आधे अक्तूबर के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था और विशेषकर शेयर बाजारों में रौनक बढ़ सकती है। भारतीय शेयर बाजारों को भारतीय निवेशकों से ही ज्यादा उम्मीद रखनी चाहिए। दुनिया के ज्यादातर देशों में अभी अर्थव्यवस्थाएं तनाव के दौर से गुजर रही हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सोना महंगा, चांदी 72 हजार के पार

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह दूसरे दिन भी सोने-चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को तेजी के साथ खुले। सोना 59,000 रुपए के करीब कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 72,000 रुपए पार कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 243 रुपए की तेजी के साथ 72,185 रुपए पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 293 रुपए की तेजी के साथ 72,235 पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,250 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 72,154 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 65 रुपए की तेजी के साथ 58,995 पर खुला।

फिलहाल यह 46 रुपए की तेजी के साथ 58,976 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 58,995 रुपए पर दिन का उच्च स्तर और 58,906 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 1945.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1947.20 डॉलर था। फिलहाल यह हल्की गिरावट के साथ 1946.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.39 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 23.38 डॉलर था। फिलहाल यह 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 23.48 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

बैजूस ने पूरा लोन अदा करने का कहकर कर्जदाताओं को चौकाया

6 माह में पूरा लोन चुका देगी

मुंबई ।

कर्ज संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बैजूस ने बयान देकर सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। फर्म ने अचानक कर्जदाताओं को 6 महीने के भीतर 1.2 अरब डॉलर का पूरा लोन अदा करने का ऑफर दिया है। इस मामले से जुड़े लोगों ने इसकी जानकारी दी। अगर बैजूस का प्रपोजल स्वीकार होता है, तब कंपनी तीन महीने के भीतर फंसे कर्ज का 300 मिलियन डॉलर और बाकी बची रकम को उसके अगले तीन महीनों में चुकाने की पेशकश कर रही है। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि कर्जदाता बैजूस के प्रस्ताव का रिव्यू कर रहे हैं और पुनर्भुगतान कैसे किया जाएगा, इसके बारे में अधिक जानकारी मांग रहे हैं। बैजूस और उसके कर्जदाता लगभग एक साल से विवाद में फंसे हुए हैं। इस दौरान इसके लोन एग्रीमेंट को सुधारने के लिए कई दौर की बातचीत विफल रही है। कंपनी ने अपने टर्म लोन पर ब्याज का भुगतान न करने का निर्णय लिया, जो विश्व स्तर पर किसी स्टार्टअप द्वारा सबसे बड़े लोन में से एक है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने तत्काल समाधान और संशोधन की कार्यवाही की मांग की है।

कर्जदाताओं के एक प्रतिनिधि ने कंपनी के पुनर्भुगतान प्रस्ताव के संबंध में टिप्पणी करने से मना किया। बैजूस के प्रवक्ता ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। शिक्षक के बेटे बैजू रवींद्रन ने 2015 में अपना लर्निंग एप लांच किया। फर्म, जिसकी मूल कंपनी औपचारिक रूप से थिंक एंड लर्न प्राइवेट के रूप में जानी जाती है, ने भारत के बाहर अपनी वृद्धि को बढ़ाने के लिए 2021 में पांच साल का लोन लिया था।

थम सकती हैं भाग रहे जौमेटो के शेयर की तेजी

मुंबई ।

भारत की पहली लिस्टेड न्यू एज कंपनी जामैटों के शेयर में दमदार तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के स्टॉक प्राइस में कैलेंडर वर्ष 2023 में यानी इस साल जनवरी से लेकर 11 सितंबर तक के ही समय में 68 फीसदी की बढ़ोतरी हुई हैं, जबकि पिछले साल की समान अवधि के दौरान महज 9.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। जोमैटो का शेयर कैलेंडर वर्ष 2022 में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला न्यू एज स्टॉक था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इसके शेयरों में 57 फीसदी की गिरावट आई थी और यह स्टॉक जनवरी 2022 के बाद पहली बार अगस्त के अंत में 100 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। विश्लेषकों का कहना है कि पीबी फिनटेक और वन97 कम्युनिकेशंस के स्वामित्व वाले पेटीएम के बाद तीसरी सबसे बड़ी तेजी दिखाने वाले स्टॉक की रफ्तार अब थम सकती है। इन विश्लेषकों का मानना है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि स्टॉक प्राइस अर्निंग ग्रोथ सहित सभी पॉजिटिव चीजों को ध्यान में रख रही है। इसके अलावा, कुछ प्री-आईपीओ इन्वेस्टर्स के साथ-साथ ब्लिंकिट के पूर्व निवेशकों द्वारा संभावित और नियमित निकासी से निकट अवधि में स्टॉक पर असर पड़ सकता है।

बाजार जानकार ने कहा कि जोमैटो के लिए निगरानी में रखने वाली चीजों में मुख्य तौर पर सकल ऑर्डर मूल्य में लगातार बढ़ोतरी, और विस्तारित अवधि के लिए फूड डिलीवरी बिजनेस के मार्जिन में मजबूत सुधार की जरूरत है। बता दें कि जोमैटो का मुख्य बिजनेस फूड डिलिवरी है। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 2 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 186 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ऑपरेशन से इसका राजस्व सालाना आधार पर 71 प्रतिशत बढ़ा। जबकि इसने 12 करोड़ रुपये का एबिटा लाभ दर्ज किया। इसका जीओवी सालाना आधार पर 6,425 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,569 करोड़ रुपये और तिमाही आधार पर 7,318 करोड़ रुपये हो गया। औसत मासिक लेन-देन करने वाले ग्राहक वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 1.75 करोड़ दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह 1.67 करोड़ थे। जौमेटो अपने कैश फ्लो में सुधार के लिए कदम उठा रहा है। कंपनी ऑर्डर वॉल्यूम बढ़ाने के लिए जनवरी 2023 में 'जौमेटो गोल्ड ' को फिर से लांच किया।

लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट हो सकेंगी भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन के वित्त मंत्री जेरेमी हंट ने कहा कि भारत सरकार ने कहा है कि वह भारतीय कंपनियों को सीधे लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की अनुमति देने पर विचार करेगी। इससे स्टार्टअप्स को दक्षिण एशियाई देशों में विकास के लिए विदेशी पूंजी तक पहुंच मिलेगी। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज और नैस्डैक के बाहर लंदन स्टॉक एक्सचेंज बड़े एक्सचेंजों में से एक है। यह चर्चा ऐसे समय आई जब देश में कई स्टार्टअप्स की नजर सार्वजनिक लिस्टिंग पर है। जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद द्विपक्षिय वार्ता के बाद भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक संयुक्त बयान देते हुए प्रेस से बात कर रहे थे। उन्होंने भारत द्वारा इस मामले की पुष्टि करने पर प्रसन्नता जताई। सीतारमण ने पुष्टि की कि भारत लंदन स्टॉक एक्सचेंज को लेकर अवसर तलाश रहा है। हालांकि, इस मामले से जुड़े भविष्य के अपडेट को लेकर उन्होंने कोई समय सीमा नहीं दी है। मौजूदा नियमों के तहत भारतीय कंपनियों को सीधे विदेशी एक्सचेजों पर लिस्टिंग की अनुमति नहीं है। अभी भारतीय कंपनियां केवल डिपॉजिटरी रसीद जैसे उपकरणों के जरिए विदेशी मुद्रा पर लिस्ट हो सकती हैं। अभी फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म, कंज्यूमर कंपनियां, ऊर्जा और मैटेरियल ऑपरेटर्स भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर हावी हैं। इस साल की शुरुआत में एक फाइनेंशियल सर्विस कंपनी मिराए एसेट ने अनुमान लगाया था कि भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों के सूचकांक में अगले 2 दशकों में उथल-पुथल भरी वृद्धि देखी जाएगी।

देश में घरेलू चीनी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचीं, आगे और भी महंगी होगी

नई दिल्ली ।

देश में घरेलू चीनी की कीमतें इस समय भारी उछाल पर हैं। चीनी की कीमतें दिन ब दिन बढ़ रही हैं और 2-3 महीनों तक ऊंची रहने की उम्मीद है। स्थानीय चीनी की कीमतें पिछले तीन हफ्तों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसका कारण उत्पादन पर चिंता के साथ-साथ नाजुक बैलेंस शीट में 30 सितंबर को 6 मिलियन टन स्टॉक बंद होने का अनुमान तथा त्योहार के महीनों में दो महीने की खपत के लिए मुश्किल से पर्याप्त होना बताया जा रहा है। जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि त्योहारों में देरी और मिलों द्वारा वसूली के स्तर को अनुकूलित करने के प्रयासों के कारण पेराई सीजन की शुरुआत से लेकर नवंबर के अंत तक यह बना रहेगा। भारत तीन वर्षों से दुनिया के अग्रणी निर्यातकों में से एक रहा है और भारत के चीनी उत्पादन अनुमान और नगण्य/शून्य निर्यात की संभावना पर चिंताओं के कारण वैश्विक चीनी कीमतें 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात की कमी को देखते हुए इससे स्थानीय उत्पादकों को ज्यादा मदद नहीं मिलती है। साथ ही, किसी भी आयात की कमी को देखते हुए स्थानीय कीमतों का वैश्विक कीमतों के साथ कोई प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है, और सरकार अपने मासिक रिलीज तंत्र उपाय के माध्यम से स्थानीय कीमतों को प्रभावित करती है। पिछले महीने की शुरुआत में, इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने एसएस24 के लिए 31.7एमएनटी का प्रारंभिक चीनी उत्पादन (शुद्ध) अनुमान लगाया है।

लेकिन, अगस्त 23 पूरे देश में शुष्क अवधि रही है, विशेष रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में इससे उत्पादन अनुमानों में और कटौती का खतरा पैदा हो गया है। एजेंसी ने कहा है कि हमारा अनुमान है कि एसए24ई के लिए भारत में चीनी का उत्पादन 30 मिलियन टन होगा।

टाटा स्टील ने गाजियाबाद में खोला स्वचालित कंस्ट्रक्शन सर्विस सेंटर

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील ने गाजियाबाद में ऑटोमेटेड कंस्ट्रक्शन सर्विस सेंटर शरू कर दिया है। कंपनी ने बताया कि कंपनी के चैनल पार्टनर विक्रांत इस्पात उद्योग के सहयोग से स्थापित यह निर्माण उद्योग सुविधा केंद्र पश्चिम उत्तर प्रदेश में उसका ऐसा पहला केंद्र है। इस सुविधा केंद्र का उदघाटन हाल ही में टाटा स्टील के लॉन्ग प्रोडक्ट्स के अध्यक्ष (मार्केटिंग एंड सेल्स) आशीष अनुपम ने किया। यह केंद्र टिस्कॉन रेडी बिल्ड तकनीक से तैयार उत्पाद प्रस्तुत करेगा। कुल 5000 वर्ग गज में फैले इस केंद्र की उत्पादन क्षमता 3500 टन प्रति माह है। उन्होंने कहा कि यह उद्यम निर्माण क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस साझेदारी मॉडल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य निर्माण क्षेत्र के लिए अनुकूलित उत्पाद और समाधान पेश करना और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में बुनियादी संरचना की मांग को पूरा करना है। कंपनी ने जुलाई में कटक (ओडिशा) में ऐसा ही एक स्वचालित कंस्ट्रक्शन सर्विस सेंटर शुरू किया था।

भारत ने चुनिंदा चीनी स्टील पर लगाया एंटी-डंपिंग शुल्क

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कुछ चीनी स्टील पर पांच साल के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है। जानकारी के मुतो बिक यह निर्णय तब लिया गया जब यह पाया गया कि चीनी निर्यातक अन्य देशों को बेहद कम कीमत पर स्टील उत्पाद निर्यात कर रहे थे। वित्त मंत्रालय ने सोमवार देर शाम एक अधिसूचना के माध्यम से इस निर्णय की घोषणा की। पिछले हफ्ते इस्पात मंत्रालय ने कहा था कि भारत में सस्ते चीनी इस्पात उत्पादों की डंपिंग की शिकायतें मिलने के बाद वह इस्पात आयात पर नजर रख रहा है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जुलाई अवधि के दौरान चीन भारत को स्टील का सबसे बड़ा निर्यातक था, उसके बाद दक्षिण कोरिया था। चीन मुख्य रूप से भारत को शीट या कोल्ड-रोल्ड कॉइल्स का निर्यात करता है। यह विश्व का शीर्ष इस्पात उत्पादक भी है।

इंडोनेशिया के बाजार में एनटीसी समूह ने किया प्रवेश

चेन्नई । लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से जुड़े एनटीसी समूह ने विदेशों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए इंडोनेशिया के बाजार में प्रवेश किया है। एनटीसी समूह ने सिंगापुर, मलेशिया, हांगकांग, बेल्जियम, सऊदी अरब में एक एकीकृत लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता के रूप में उपस्थिति के अलावा जकार्ता में परिचालन शुरू किया है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार वैश्विक कार्यालयों के साथ एनटीसी अंतरराष्ट्रीय व्यापार को कुशलतापूर्वक प्रबंधित कर पा रहा है और अंतरराष्ट्रीय माल अग्रेषण में अमूल्य विशेषज्ञता प्रदान करता है। इंडोनेशियाई बाजार में प्रवेश सुदूर पूर्व और उससे आगे के क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। एनटीसी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम इंडोनेशिया (जकार्ता) में अपनी उपस्थिति की घोषणा करते हुए खुश हैं। यह विस्तार हमारे ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शेयर बाजार में मिलाजुला कारोबार

सेंसेक्स में बढ़त , निफ्टी गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के प्राप्त मिश्रित संकेतों के बाद भी जहां बीएसई सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में मामली गिरावट रही। इससे पहले गत दिवस बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 94.05 अंक करीब 0.14 फीसदी बढ़कर 67,221.13 पर बंद हुआ। वहीं दिन के दौरान यह 412.02 अंक तकरीबन 0.61 फीसदी ऊपर आकर 67,539.10 अंक तक पहुंच गया था। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद 3.15 अंक तकरीबन 0.02 प्रतिशत टूटकर 19,993.20 पर बंद हुआ। वहीं दिन के दौरान, यह 114 अंक करीब 0.57 फीसदी ऊपर आकर 20,110.35 के नये रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस के शेयर सबसे अधिक 2.91 फीसदी बढ़े। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले, आईटीसी और सन फार्मा के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक 3.48 फीसदी टूटे। इसके अलावा एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो केवल टोक्यो का शेयर ही लाभ के साथ ही ऊपर आया जबकि सियोल, शंघाई और हांगकांग के शेयर गिरे हैं। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी शेयर बढ़त पर बंद हुए थे। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक गत दिवस पूरी तरह से खरीदार रहे और उन्होंने 1,473.09 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

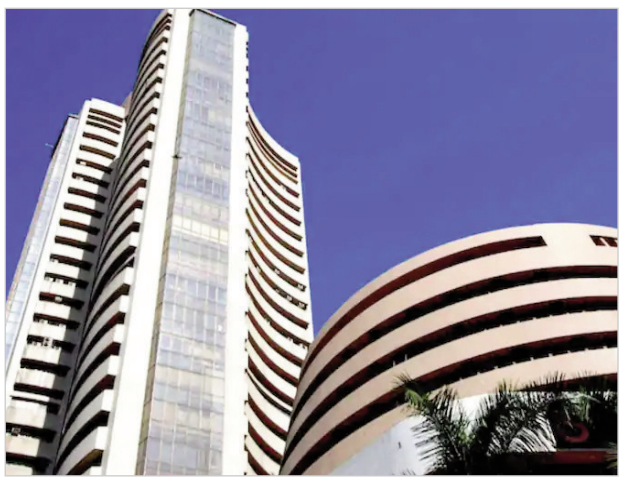

इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 307.01 अंक उछाल के साथ 67,434.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह एनएसई निफ्टी पर 84.60 अंक की तेजी के साथ 20,080.95 अंक के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

रिलायंस रिटेल में 2,069 करोड़ का निवेश करेगी केकेआर

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने कहा कि वैश्विक निवेश कंपनी केकेआर उसकी खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में 2,069.50 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि यह निवेश आरआरवीएल का मूल्यांकन करीब 100 अरब डॉलर (8.361 लाख करोड़ रुपए) रहने के आधार पर किया जा रहा है। रिलायंस ने कहा कि यह सौदा आरआरवीएल को देश में इक्विटी मूल्यांकन के आधार पर देश की शीर्ष चार कंपनियों में शामिल करता है। केकेआर की इस निवेश के बाद आरआरवीएल में हिस्सेदारी 1.17 प्रतिशत से बढ़कर 1.42 प्रतिशत हो जाएगी। केकेआर ने वर्ष 2020 में भी 5,550 करोड़ रुपए के साथ रिलायंस रिटेल में 1.17 प्रतिशत हिस्सेदारी ली थी। रिलायंस अपने खुदरा कारोबार को बहुत तेजी से विस्तार देने की योजना में लगी हुई है। पिछले हफ्ते ही कतर के सरकारी निवेश कोष क्यूआईए ने भी 8,278 करोड़ रुपए में करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस रिटेल में हासिल की है। वर्ष 2020 में रिलायंस रिटेल की 10.09 प्रतिशत हिस्सेदारी के एवज में वैश्विक निजी इक्विटी कोषों से कंपनी को 47,265 करोड़ रुपए हासिल हुए थे। उस समय इसका मूल्य 4.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक आंका गया था।

एनबीएफसी-एमएफआई ने अप्रैल-जून 2023 में 30,398 करोड़ का कर्ज बांटा

मुंबई । गैर बैंकिंग कंपनियों की तरह काम कर रहे सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एनबीएफसी-एमएफआई) ने अप्रैल-जून 2023 में सालाना आधार पर 45.8 प्रतिशत दर्ज कर 30,398 करोड़ रुपए कर्ज बांटा। हालांकि एनबीएफसी-एमएफआई ने अप्रैल-जून 2022 में 20,845 करोड़ रुपए कर्ज बांटा था। यह जानकारी सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआईएन) के आंकड़ों में दी गई है। रिजर्व बैंक के विनियमन मानदंडों की पुनर्समीक्षा के कारण अप्रैल-जून 2022 की अवधि में कर्ज बांटने की रफ्तार सुस्त हो गई थी और इसके अगले वर्ष में उधारी देने की गतिविधियों में तेजी से उछाल आया। आरबीआई के बदले हुए मानदंडों ने बैंकों की तरह ही एनबीएफसी-एमएफआई को समान अवसर मुहैया करवाए। वैसे सूक्ष्म ऋण वितरण में बैंकों की मजबूत स्थिति है। हालांकि जनवरी-मार्च 2023 में 41,490 करोड़ रुपए का कर्ज बांटा गया था। इसलिए चौथी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कम ही कर्ज बांटा गया। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 68.9 लाख खातों में कर्ज बांटा गया जबकि बीते साल 51 लाख खातों में कर्ज बांटा गया। अगर इस संदर्भ में वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही के आंकड़े को देखा जाए तो 95 लाख खातों में ऋण वितरण किया गया था। लिहाजा वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष24 की पहली तिमाही में कम खातों में कर्ज बांटा गया।

पेट्रोल और डीजल में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 90.57 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों बीपीसीएल, एचपीसीएल और इंडियन ऑयल ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ब्रेंट क्रूड 90.57 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई क्रूड की कीमत 87.28 डॉलर प्रति बैरल है। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसकी कीमत मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाती है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

1 नवंबर से लागू होगा जीएसटी का नया नियम

नई दिल्ली। बड़े कारोबार वाली कंपनियों को एक नवंबर से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित रसीदों को पोर्टल पर 30 दिनों के भीतर अपलोड करना होगा। यह प्रावधान 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक के कारोबार वाली कंपनियों पर लागू होगा। जीएसटी के ई-रसीद पोर्टल का संचालन करने वाले नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) ने एक परामर्श में जीएसटी प्राधिकरण के इस फैसले की जानकारी दी। इसके मुताबिक प्राधिकरण ने रसीद जारी होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर उसे पोर्टल पर अपलोड करने को कहा है। यह व्यवस्था एक नवंबर, 2023 से लागू हो जाएगी। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह व्यवस्था सुचारू ढंग से लागू होने की स्थिति में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) इसे आगे चलकर सभी जीएसटी करदाताओं के लिए लागू कर सकता है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं -

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं -

विज्ञापन/ फैशन - विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म - आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक - इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म - अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है -

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं -
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

वक्फ बोर्ड का खुलासा, मदरसों में कुरान के साथ अब संस्कृत भी पढ़ाई जाएगी

देहरादून। उत्तराखंड के मदरसों में अब कुरान के साथ संस्कृत की पढ़ाई भी कराई जाएगी। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने इसका खुलासा किया है। मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड में अब मदरसों में एनसीईआरटी के अंतर्गत आने वाले विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी। यानी एनसीईआरटी के तहत आने वाले विषय जिसमें हिंदी और संस्कृत भी शामिल है ये मुस्लिम छात्रों को पढ़ाई जाएगी। हालांकि इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। राज्य सरकार वक्फ बोर्ड के साथ लगातार बात करने की कोशिश में जुटी हुई है। वक्फ बोर्ड ने मदरसों में आने वाले बदलाव के लिए शुरुआत में चार जिलों को चुना है जहां शिक्षा प्रणाली को वैज्ञानिक और इस्लामिक तरीके से मिलाकर किया जाएगा। अब मदरसों में शिक्षा प्रणाली का आधुनिकीकरण होगा। इस पहल को लेकर राज्य वक्फ बोर्ड ने भी उत्साह दिखाया है। मदरसों के आधुनिकीकरण को लेकर राज्य में नया नारा भी दिया गया है जो कि एक हाथ में लैपटॉप, एक हाथ में कुरान है। अब मदरसों में कंप्यूटर की शिक्षा भी दी जाएगी। यहां स्मार्ट क्लास की सुविधा की व्यवस्था हो रही है। पढ़ाई के लिए मॉडर्न व स्मार्ट तकनीक शामिल की जा रही है। इस मामले में उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा, कि कार्यक्रम के पहले चरण में देहरादून, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों में चार मदरसों में किए गए शिक्षा के आधुनिकीकरण को देखते हुए करीब 40-50 मदरसों ने हमसे संपर्क कर उनके यहां भी आधुनिकीकरण किए जाने की मांग की है। शम्स ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत मदरसों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पुस्तकों के साथ ही विज्ञान, मानविकी और कम्प्यूटर शिक्षा की पढ़ाई के साथ स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि मदरसों में अरबी तथा धार्मिक पढ़ाई के साथ ही संस्कृत शिक्षा की पढ़ाई को भी लागू किया जा रहा है।

राम जन्मभूमि की सुरक्षा के लिए एसएसएफ के 380 जवान पहुंचे अयोध्या

अयोध्या । अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा के लिए सरकार ने एसएसएफ के 380 जवानों का एक दल भेजा है। जो यहां पर मंदिर की सुरक्षा में तैनात होगा। बता दें कि मंदिर का निर्माण काफी जोर-शोर से चल रहा है। जानकारी के मुताबिक अगले साल जनवरी महीने में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी जाएगी। इसके बाद आम लोगों के दर्शन के लिए इसे खोल दिया जाएगा। हालांकि श्री रामजन्मभूमि की सुरक्षा को लेकर भी कई कदम उठाए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक से रामजन्म भूमि की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बल की पहली टीम अयोध्या पहुंच गई है। इसमें 380 जवान है। यह जवान एसएसएफ की तीन कंपनियों के हैं। इन्हें 10 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद इनकी अयोध्या में तैनाती की जाएगी। जानकारी के मुताबिक पीएसी जवानों के साथ मिलकर यह बल श्री राम जन्मभूमि के आंतरिक परिसर और उससे सटे बारी परिसरों की सुरक्षा की देखभाल करेगा। हालां?कि अयोध्या को कुल एसएसएफ की छह कंपनी मिलनी है। पहले चरण में 3 कंपनी दी गई है। इसके बाद तीन कंपनी और भी आएंगे। इसके साथ ही प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी में ट्रस्ट अभी से ही जुटा हुआ है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने की संभावनाएं हैं। इससे पहले वहां सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किया जाना जरूरी है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्रतिमा 51 इंच लंबी होगी इसमें प्रभु राम की बाल स्वरूप मू?र्ति के दर्शन होंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट नवनिर्मित मंदिर में रामलला के विराजमान होने से पहले कई बैठकें कर रहा है। इसी बीच कारसेवकपुरम में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक हई है।

तमिलनाडु में जातिगत भेदभाव के लिए द्रविड़ मॉडल जिम्मेदार : अन्नामलाई

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि राज्य में जातिगत भेदभाव के लिए द्रविड़ मॉडल जिम्मेदार है। अन्नामलाई ने आरोप लगाया, 70 वर्षों से द्रविड़ मॉडल टू-टंबलर सिस्टम और जातिगत भेदभाव जैसे मुद्दों को हल करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने चेन्नई में वल्लुवर कोट्टम के पास पार्टी के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के बाद कहा कि वे इसके लिए सनातन धर्म को दोष क्यों दे रहे हैं? वहीं, अन्नामलाई ने एक वीडियो भी साक्षा किया है। उन्होंने लिखा कि डीएमके सांसद ए राजा ने हिंदू धर्म को भारत और दुनिया के लिए खतरा बताया। अन्नामलाई ने कहा कि डीएमके तमिलनाडु में जाति विभाजन और नफरत पैदा करने का प्रमुख कारण है, और डीएमके सांसद ने जो गंदगी की है उसके लिए सनातन धर्म को दोषी ठहराने का साहस किया है। पार्टी ने द्रमुक मंत्रियों उदयनिधि स्टालिन और पी.के. के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था। पार्टी ने सनातन धर्म के मुद्दे पर द्रमुक मंत्रियों उदयनिधि और पीके शेखरबाबू के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन कर हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री के रूप में शेखरबाबू के इस्तीफे की मांग की थी। उनके अनुसार, उदयनिधि और शेखरबाबू अपने रुख पर दृढ़ हैं। उनका मानना है कि अगर मुद्दा लोगों के विरोध में बदल जाएगा तभी कोई समाधान निकलेगा। अन्नामलाई ने राज्य के हिंदू धर्मादा मंत्री शेखर बाबू के तत्काल इस्तीफे की मांग कर धरना दिया। अन्नामलाई सनातन धर्म विरोधी सम्मेलन में बाबू की भागीदारी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। सम्मेलन में द्रमुक नेता एवं राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा की गई टिप्पणियों से देश में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। बाबू के खिलाफ नुंगमबक्कम में विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों को संबोधित करने के बाद अन्नामलाई ने धर्मादा कार्यालय की ओर जुलूस का नेतृत्व किया और फिर सड़क पर धरने पर बैठ गए। उनके अनेक समर्थक भी धरने में शामिल हुए। उन्होंने सनातन धर्म विरोधी सम्मेलन में बाबू की भागीदारी पर आपत्ति जताकर कहा कि मंत्री को अपने पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

उदयनिधि ने फिर दिया विवादित बयान, भाजपा को जहरीला सांप बताया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे ने विवादित बयान देकर कहा सनातन धर्म डेंगू-मलेरिया की तरह है जिसे नष्ट कर देना चाहिए। उनके बयान को लेकर पूरे देश में उबाल है। मामले को लेकर जमकर सियासत हो रही है। इस बयान का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब उदयनिधि स्टालिन ने एक और विवादित बयान दिया है जिसपर बीजेपी नेताओं टिप्पणी जरूर देखने को मिलेगी। उदयनिधि ने कहा कि बीजेपी एक जहरीला सांप है, और लोगों को इससे सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि एआईएडीएमके कूड़ा है, जो बीजेपी को तमिलनाडु में सिर छुपाने की जगह देती है। उन्होंने राज्य की जनता से दोनों पार्टियों को कोई मौका नहीं देने का भी आह्वान किया।

मणिपुर की रक्षा के लिए भाजपा विधायकों ने उठाया कदम, लिया संकल्प

इंफाल । मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के 23 विधायकों ने राज्य की रक्षा का संकल्प लिया है। उन्होंने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए है, जिसमें हिंसाग्रस्त राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया गया है। विधायकों ने यह भी संकल्प लिया कि वे जल्द से जल्द दिल्ली जाएंगे ताकि वर्तमान संकट का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को राजी किया जा सके। दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल नहीं हैं। संकल्प में हस्ताक्षर करने वाले नेताओं ने नवगठित नागरिक समाज संगठन 'यूथ ऑफ मणिपुर' (वाईओएम) के सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री सचिवालय में बैठक के बाद बताया कि कुकी-जो समुदाय की एक अलग प्रशासन की मांग उन्हें स्वीकार्य नहीं है। प्रस्ताव में कहा गया, कि विधानसभा के सभी अधोहस्ताक्षरी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि हम मणिपुर राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के लिए खड़े रहेंगे और किसी भी प्रकार के अलग प्रशासन पर सहमत नहीं होंगे। बता दें कि वाईओएम के हजारों सदस्यों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के लिए उनके बंगले की तरफ जुलुस निकाला लेकिन सुरक्षाबलों ने कुछ सदस्यों को इसकी इजाजत दी गई। मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान, वाईओएम सदस्यों ने कुकी समुदाय के उन 10 विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिन्होंने मणिपुर में उनके समुदाय के लिए अलग प्रशासन की मांग की है। उन्होंने इस मामले पर चर्चा के लिए एक विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किए जाने और राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की भी मांग की। बता दें कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य की आबादी में मेइती समुदाय की हिस्सेदारी लगभग 53 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं।

हिमाचल के 5 लाख किसानों से नाइंसाफी कर रहे पीएम मोदी: प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अमेरिका से आयातित सेब पर सीमा शुल्क में 20 प्रतिशत की छूट देने को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिमला में कीमतें बड़े उद्योगपतियों द्वारा नीचे लाई गईं और पूछा गया कि किस मदद दी जानी चाहिए उन्हें (भारत में सेब उत्पादकों को), या अमेरिका में किसानों को। प्रियंका ने कहा कि इससे आयात (अमेरिकी सेब का) आसान होगा और वे आसानी से बेचे जाएंगे। शिमला में सेब की खरीद के दाम बड़े उद्योगपतियों ने कम कर दिए हैं। जब यहां सेब उत्पादक परेशान हैं तब किसकी मदद की जाए? वे, या अमेरिका में किसान?

वहीं, कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि जब पीएम मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे, तब वह कहा करते थे कि हिमाचल उनका दूसरा घर है और वाशिंगटन सेब पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। लेकिन जब वे पीएम बने तब रिपोर्ट के मुताबिक जी 20 के दौरान केंद्र सरकार ने ये फैसला लिया कि वॉशिंगटन के सेब पर सिर्फ 15 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा, जो कभी 70 फीसदी था। उन्होंने कहा कि हिमाचल के किसानों ने अडानी के खिलाफ प्रदर्शन किया, तब ये बात पीएम मोदी तक पहुंच गई। पीएम मोदी ने कहा, अगर मेरे मित्र के खिलाफ आवाज उठाई, तब तुम्हें मैं सबक सिखाऊंगा। अडानी और अमेरिका से वादा पूरा करने के लिए पीएम मोदी ने अपने किसानों पर चाबुक चलाने का काम कर दिया।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पीएम मोदी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के अपने सेब किसानों पर चाबुक चला रहे हैं। हिमाचल में अनुमानित 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जहां की जीडीपी का करीब 14 प्रतिशत हिस्सा सेब के बागानों से आता है। आज वहां के लोगों को सहायता की जरूरत है, लेकिन पीएम मोदी 5 लाख से ज्यादा सेब किसानों के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेजबान हो नरेंद्र मोदी जैसा। अमेरिका के राष्ट्रपति हिंदुस्तान आते हैं और अपने देश के किसानों के लिए उपहार लेकर चले जाते हैं। अमेरिका के सेब पर 15 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी कर दी जाती है।

सनातन विरोधियों को साध्वी प्रज्ञा ने कुष्ट और एड्स रोगी होने का दिया श्राप

भोपाल । सनातन धर्म का विरोध करने वालों को साध्वी प्रज्ञा ने कुष्ट व एड्स रोगी होने का श्राप दिया है। बता दें कि देश में जी20 सम्मेलन का दौर थम चुका है और अब सनातन विवाद एक बार फिर जोर पकड़ता दिख रहा है। मध्य प्रदेश से भाजपा की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सनातन का विरोध करने वालों को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सनातन को खत्म करने की किसी की औकात नहीं है। अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने वालीं साध्वी ने कहा कि जो लोग सनातन की तुलना एड्स, कुष्ट और मलेरिया से कर रहे हैं वह उसका सुख भोगें। साध्वी प्रज्ञा सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऐक्टर प्रकाश राज पर करारा प्रहार किया और उन्हें विलेन बताया। साध्वी ने कहा कि प्रकाश राज कोई अभिनेता नहीं हैं, खलनायक है, नायक नहीं है। जो धर्म के खिलाफ बोले देश के खिलाफ बोले। जिसको अहसास ही नहीं हम कहां रह रहे हैं, क्या कर रहे हैं, कोई विलेन ही हो सकता है। दूसरी बात यह है कि सनातन को समाप्त करने की औकात किसी की नहीं है। इतना ही नहीं सनातन धर्म की तुलना डेंगू मलेरिया से करने वाले डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन, डी राजा और ऐक्टर प्रकाश जैसे लोगों के लिए साध्वी ने भगवान से वही रोग मांगा। श्राप देने के अंदाज में प्रज्ञा ने कहा, मैं कहती हूं कि जिसने सनातन धर्म को कुष्ट रोग बोला है वह कुष्ट रोग का सुख भोगे। जिसने सनातन धर्म को एड्स बोला है वह एड्स का सुख भोगे। जिसने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू बोला वह मलेरिया और डेंगू का सुख भोगे, क्योंकि उन्हें बहुत अच्छा लगता है और जिसने कुष्ट रोग कहा वह कुष्ट रोग का सुख भोगे, प्रभु उन्हें भरपूर देना।

बीजेपी जीरो लैंड पर कर रही है फोकस, नई रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी

-दंतेवाड़ा में आयोजित परिवर्तन यात्रा में अमित शाह होंगे शामिल, बनाएंगे खास माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, पार्टियां अपनी पकड़ और मजबूत करती जा रही है। इस बार बीजेपी जीरो लैंड पर ज्यादा फोकस कर रही है। जिसके लिए परिवर्तन यात्राएं निकाली जा रही हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में अब तीन महीने से भी कम समय बचा है। चुनाव करीब आते ही सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस जहां युवा संवाद, भरोसे का सम्मेलन जैसे आयोजनों के जरिए जनता के बीच पैठ मजबूत करने की कवायद में है। वहीं बीजेपी भी परिवर्तन यात्रा के जरिए सरकार की विफलताएं, केंद्र सरकार की उपलब्धियां लेकर जनता के बीच जाने को तैयार है। बीजेपी का प्लान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को उनके ही गढ़ में घेरने की है। पार्टी का फोकस जीरो लैंड यानी उन इलाकों पर है जिन इलाकों में पार्टी अभी शून्य सीट पर है। छग् के दो संभाग ऐसे हैं जहां की एक भी सीट बीजेपी के पास नहीं है। बीजेपी ने अब सीटों के लिहाज से बंजर सियासी जमीन पर वोटों की फसल उगाने के लिए नई रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी की है।

बीजेपी का फोकस जीरो लैंड पर है, यही वजह है कि पार्टी सूबे में दो परिवर्तन यात्राएं निकालने जा रही है और इन दोनों ही यात्राओं की शुरुआत के लिए जीरो लैंड के इलाकों को ही चुना गया है। बीजेपी की पहली परिवर्तन यात्रा आज यानी 12 सितंबर को बस्तर जिले के दंतेवाड़ा से शुरू हो रही है। दूसरी यात्रा की शुरुआत 15 सितंबर को जशपुर से होगी। दंतेवाड़ा बस्तर संभाग में आता है जबकि जशपुर सरगुजा संभाग में। 90 सदस्यों वाली छत्तीसगढ़ विधानसभा की 26 सीटें इन्हीं दो संभाग में हैं। गृह मंत्री अमित शाह 12 सितंबर को बस्तर जिले के दंतेवाड़ा से बीजेपी की पहली परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। गृह मंत्री शाह दंतेवाड़ा में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले शाह के मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन करने का भी कार्यक्रम है।

गौरतलब है कि दंतेवाड़ा, बस्तर संभाग में आता है जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का गृह संभाग भी है। दूसरी परिवर्तन यात्रा जशपुर से निकलेगी जिसे बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे। जशपुर, सरगुजा संभाग में आता है जो डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का संभाग है। बीजेपी राजस्थान में चारो दिशाओं से चार परिवर्तन यात्राएं निकाल रही है। मप्र में भी क्षेत्रीय समीकरण साधने की कवायद में पार्टी पांच जन आशीर्वाद यात्राएं निकाल रही है। ऐसे में ये सवाल भी उठ रहा है कि पांच संभाग वाले छत्तीसगढ़ में बस दो परिवर्तन यात्राएं और बस्तर-सरगुजा संभाग पर ही फोकस क्यों किया जा रहा है। विधानसभा के आंकड़े और छत्तीसगढ़ सरकार के नेतृत्व पर गौर करें तो तस्वीर और रणनीति स्पष्ट हैं।

990 करोड की जगह सरकार ने जी-20 पर कर दिए 4100 करोड़ खर्च

-विपक्ष के दावे पर केंद्र ने दी सफाई, राशि बुनियादी ढांचे में लगी न कि सम्मेलन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार पर जी-20 बैठक में अधिक खर्च करने का विपक्ष ने आरोप लगाया है। हालांकि केन्द्र सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि धनराशि स्थायी संपत्ति निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आवंटित की गई थी, न कि केवल शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए। दरअसल 2023-24 के बजट के अनुसार, सरकार ने जी20 की अध्यक्षता के लिए 990 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक दस्तावेज़ के अनुसार, शिखर सम्मेलन की अगुवाई में दिल्ली पर 4,100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए थे। दस्तावेज़ के अनुसार, यह लागत दिल्ली और केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा वहन की गई थी।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले की एक अलग पोस्ट में दावा किया गया कि सरकार ने बजट में आवंटित धन की तुलना में जी20 पर 300 प्रतिशत अधिक खर्च किया। हालां?कि सरकार ने दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह भ्रामक था। एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया है कि यह दावा भ्रामक है। उद्धृत व्यय मुख्य रूप से आईटीपीओ द्वारा स्थायी संपत्ति निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए है, जो केवल जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी तक सीमित नहीं है। टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले ने दावा किया था कि पिछले केंद्रीय बजट में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए आवंटित फंड 990 करोड़ रुपये था, लेकिन सरकार ने 4100 करोड़ रुपये तक खर्च किए।

हालाँकि, केंद्र सरकार ने दावा किया कि यह राशि प्रगति मैदान में भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा स्थायी संपत्ति निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास पर खर्च की गई थी, और यह केवल जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी तक सीमित नहीं थी। कांग्रेस पार्टी ने भी पीएम मोदी की आलोचना की थी, और कहा था कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अपनी सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाने के लिए इस कार्यक्रम का उपयोग कर रहे थे।

खालिस्तान समर्थक पन्नू ने पीएम मोदी, शाह और विदेश मंत्री जयशंकर को दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने फिर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दिल्ली की यात्रा के दौरान कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की उपस्थिति को चिह्नित किया। इतना ही नहीं भारत ने कनाडाई प्रधानमंत्री के साथ अपनी चिंताओं को उठाया, तब ठीक उसी वक्त वैंकूवर में गुरु नानक सिंह गुरुद्वारा में खालिस्तानी जनमत संग्रह का आयोजन किया गया। 10 सितंबर को कनाडा में हुई सभा में, अमेरिका स्थित प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नून ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री जयशंकर सहित अन्य शीर्ष नेताओं के खिलाफ धमकियां जारी कीं। पन्नून को वीडियो में कहते हुए सुना जा सकता है कि यह उन लोगों के लिए एक संदेश है जिन्होंने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की। हम आपकी गंभीर मौत का आह्वान कर रहे हैं...मोदी, जयशंकर, (अजीत) डोभाल, (अमित) शाह, हम आपके लिए आ रहे हैं। लगभग 5,000 से 7,000 लोगों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में पन्नू ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण देकर देश को बाल्कनाइजिंग करने की बात कही।

जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम ट्रूडो के साथ अपनी हालिया बातचीत में पीएम नरेंद्र मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में चिंता जाहिर की थी। मंत्रालय ने कहा कि पीएम मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों को जारी रखने के बारे में हमारी कड़ी चिंताओं से अवगत कराया। वे अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं, राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और कनाडा में भारतीय समुदाय और उनके पूजा स्थलों को धमकी दे रहे हैं। इस बीच, कनाडा में चरमपंथी गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश हमेशा शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि वह हमेशा हिंसा को रोकेगा और नफरत को पीछे हटाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, राजद्रोह कानून पर 5 जजों की बेंच करेगी सुनवाई

-केंद्र सरकार की मांग को ठुकराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश दिया कि औपनिवेशिक काल के राजद्रोह के दंडात्मक प्रावधान की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष रखा जाए ताकि कम से कम पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को अधिसूचित कर सके, जिसके पास पर्याप्त ताकत हो। सुनवाई के दौरान सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने विचार किया कि प्रस्तावित पांच न्यायाधीशों की पीठ इस पर विचार कर सकती है कि क्या केदार नाथ मामले में आईपीसी की धारा 124 ए (देशद्रोह) की संवैधानिकता को बरकरार रखने वाले पहले के फैसले पर सात सदस्यीय न्यायाधीशों बड़ी पीठ द्वारा पुनर्विचार की आवश्यकता है।

1962 में संविधान पीठ ने केदार नाथ सिंह मामले में धारा 124ए की वैधता को बरकरार रखकर कहा कि राज्य को उन ताकतों से सुरक्षा की जरूरत है, जो इसकी सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालना चाहते हैं। दंड प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ से अनुरोध किया कि मामले को पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष भेज बिना याचिकाओं के समूह को सीधे सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजा जाए। अदालत संसद के कानून का इंतजार नहीं कर सकती।

केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कार्यवाही स्थगित करने का आग्रह किया, क्योंकि भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी) संशोधन विधेयक गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के समक्ष विचार के लिए लंबित है। भारतीय न्याय संहिता विधेयक 11 अगस्त को संसद के समक्ष पेश किया था, इसमें ब्रिटिश युग की दंड संहिता में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव रखा गया था।

विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, जो सीआरपीसी को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करता है, के साथ गृह मामलों पर संसदीय स्थायी समिति के विचार के लिए भेजा गया था। नए कोड में, देशद्रोह शब्द गायब है, लेकिन धारा 150 के तहत इसी तरह के अपराध को इसकी जगह मिल गई है। पिछले साल 11 मई को, एक अग्रणी आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों को भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए के संबंध में सभी चल रही जांच को निलंबित करते हुए, कोई भी एफआईआर दर्ज करने या कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी प्रथमदृष्ट्या टिप्पणी में कहा था कि आईपीसी की धारा 124ए की कठोरता वर्तमान सामाजिक परिवेश के अनुरूप नहीं है, और इसका उद्देश्य उस समय के लिए था जब यह देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था।

मई में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमन ने सुप्रीम कोर्ट से मामले की सुनवाई संसद के मानसून सत्र के बाद निर्धारित करने का आग्रह किया था। अगले महीने, विधि आयोग ने मोदी सरकार को अपनी रिपोर्ट में, राजद्रोह से निपटने वाले दंडात्मक प्रावधान को बनाए रखने की वकालत कर कहा था कि औपनिवेशिक विरासत इस निरस्त करने के लिए वैध आधार नहीं है।

चीन पर सच्चाई बताए मोदी सरकार, नहीं तो कोर्ट जाने को तैयार: सुब्रमण्यन स्वामी

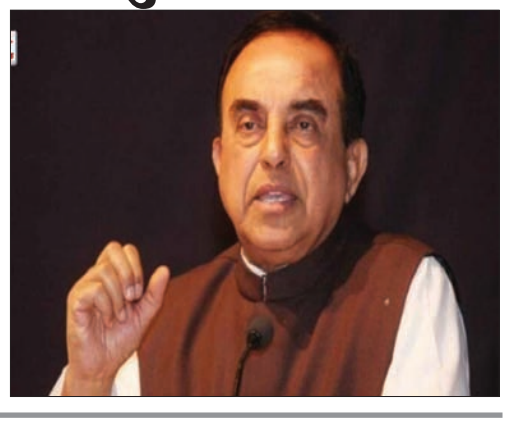

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेता सुब्रमण्यन स्वामी मोदी सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले हैं। यह ऐलान कर स्वामी ने दावा किया कि चीन ने लद्दाख की 4,067 वर्ग किमी जमीन हड़प लिया। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार, चीन पर सच्चाई बताए, इसके लिए वे अदालत का सहारा लेने जा रहे हैं। स्वामी के पोस्ट पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई उनका समर्थन कर रहा है, कोई उनके फैसले की निंदा कर रह रहा है। बीते तीन वर्षों से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच तनाव है। चीनी सैनिकों ने एलएसी पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय सैनिकों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। उसके बाद गलवान घाटी में दोनों सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन घटनाओं पर कहा था कि चीनी सैनिक भारत की सीमा में नहीं आए थे। उन्हीं की पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने पोस्ट में लिखा, चीनियों ने लद्दाख में 4,067 वर्ग किलो मीटर जमीन हड़प ली तब भी क्या मोदी यही रट लगाएंगे कोई आया नहीं? मैं संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत सुप्रीम कोर्ट का रुख करूंगा ताकि मोदी सरकार यह सच्चाई बताए कि मोदी ने कैसे चीन के सामने सरेंडर कर दिया।

स्वामी के पोस्ट पर यूजर ने स्वामी से पूछा कि वे किस आधार पर यह दावा कर रहे हैं? उन्होंने लिखा, लद्दाख की 4,067 स्क्वैयर किमी जमीन पर कब्जा करने की खबर का स्रोत क्या है? अगर राहुल गांधी ने कहा है, तब शांत रहिए। वहीं, एक अन्य यूजर लिखते हैं कि सच्चाई जो भी हो, देश के सामने आनी ही चाहिए। वहीं, अन्य यूजर कहते हैं कि सच्चाई उजागर कीजिए। वहीं कुछ यूजरों का कहना है कि स्वामी कुछ मजबूरियों के कारण ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, क्या मजबूरी रही होगी आपकी जो कल तक कांग्रेसियों को गाली दे रहे थे, वे आज आर्मी के बयान को खारिज कर पीएम मोदी को गाली दे रहे हैं?

संक्षिप्त समाचार

जब सड़कों पर बहने लगी 22 लाख लीटर वाइन, लोगों के घरों में भी घुसी

लिस्बन, एजेंसी। पुर्तगाल के साओ लोरेनो डी बाइरो में एक अजीबोगरीब घटना देखने को मिली। दरअसल, रविवार को सड़को पर रेड वाइन की नदी बहने लगी, जिसे देखकर लोग स्तब्ध रह गए। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लाखो लीटर की रेड वाइन सड़को पर बह रही है। बहाव इतना तेज है कि कई घरों के बेसमेंट में भी रेड वाइन भर गया। रविवार को लाखों लीटर रेड वाइन पुर्तगाल की साओ लोरेनो डी बाइरो की सड़कों में बहने लगी। यह वाइन कस्बे की एक पहाड़ी से निकलकर सड़कों पर बहने लगी, जिसे देखकर सभी हैरान रह हए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, 22 लाख लीटर से अधिक वैरेल वाली एक टैंक के फटने की वजह से सड़कों में रेड वाइन की नहीं बहने लगी। इस बहाव ने परेशानी खड़ी कर दी थी, क्योंकि यह पास के एक नदी की तरफ तेजी से बढ़ने लगी थी। रेड वाइन का बहाव इतना अधिक था कि घरों के बेसमेंट में भी भर गया। घटना की जानकारी पाकर दमकल विभाग शर्टिमा नदी के शराब की नदी में बदलने से पहले कार्रवाई शुरू कर दी। रेड वाइन के बहाव को पास के खेत की तरफ प्रवाहित किया गया। इस घटना के लिए लेविरा डिस्टिलरी ने मांफी मांगी है और क्षति और मरम्मत से जुड़ी लागतों की पूरी जिम्मेदारी ली है।

फ्लोरिडा काउंटी ने दी नवंबर को हिंदू विरासत माह के रूप में मान्यता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। हिंदू धर्म को दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने धर्मों में से एक बताते हुए और समुदाय के योगदान को स्वीकार करते हुए, अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के एक काउंटी ने नवंबर को हिंदू विरासत माह के रूप में मान्यता दी है। ब्रोवार्ड काउंटी हिंदू विरासत, संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को मनाने के लिए जॉर्जिया, टेक्सास, ओहियो, मैसाचुसेट्स, मिनेसोटा, वर्जीनिया आदि सहित देश भर के राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। नवंबर हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण महीना है, क्योंकि वे रोशनी का त्योहार दिवाली मनाते हैं, जो इस साल महीने की 12 तारीख को पड़ेगा। यह कहते हुए कि लाखों अमेरिकी हर साल त्योहार मनाते हैं, जिनमें काउंटी के लोग भी शामिल हैं, हालिया प्रस्ताव में दिवाली को शांति, खुशी और नई शुरुआत का समय कहा गया है, जहां सभी उम्र के लोग, विशेष रूप से छोटे बच्चे, तेल के दीपक जलाते हैं, आतिशबाजी करते हैं और मिठाइयों का वितरण करते हैं। इस कदम का स्वागत करते हुए, अमेरिका में एक हिंदू वकालत समूह, सीओएचएनए (उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं का गठबंधन) ने मंगलवार को कहा, संकल्प हिंदू धर्म को दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने धर्मों में से एक के रूप में स्वीकार करता है, साथ ही इसकी विविध परंपराओं को सनातन धर्म के रूप में, स्वीकृति, पारस्परिक सम्मान, स्वतंत्रता और शांति के मूल मूल्यों के साथ सामूहिक रूप से जाना जाता है। प्रस्ताव में यह भी स्वीकार किया गया कि योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत, कला आदि के प्रति समुदाय के योगदान ने सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध किया है और अमेरिकी समाज में व्यापक रूप से अपनाया गया है। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि वेदांत के हिंदू दर्शन और निस्वार्थ सेवा, अहिंसा आदि जैसे आदर्शों ने मार्टिन लूथर किंग जूनियर, जॉन डी. रॉकफेलर, हेनरी डेविड थोरो से लेकर एल्डस हक्सले और कई अमेरिकी बुद्धिजीवियों और नेताओं को प्रेरित किया है। हाल के अनुमानों के अनुसार, 153,968 की आबादी के साथ फ्लोरिडा में भारतीय सबसे बड़ा एशियाई समूह हैं। इसके पहले हाल ही में जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने घोषणा की कि अक्टूबर को राज्य में हिंदू विरासत माह के रूप में मनाया जाएगा।

ब्रिटेन में भारतीय मूल का पुलिसकर्मी बर्खास्त

लंदन, एजेंसी। उत्तरी लंदन में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के दौरान अनुचित बल का प्रयोग करने के बाद मेट के भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी को कदाचार के लिए बर्खास्त कर दिया गया। पुलिस ने सोमवार को कहा कि मेट की नॉर्थ वेस्ट कमांड यूनिट से जुड़े पुलिस कांस्टेबल मंदीप धरनी इस महीने की शुरुआत में बार्नेट में एक कार पार्क में गिरफ्तारी के दौरान अत्यधिक बल के इस्तेमाल के लिए पिछले हफ्ते कदाचार की सुनवाई में पेश हुए। यह आरोप लगाया गया था कि धरनी उचित बल का उपयोग करने में विफल रहे और एक व्यक्ति को रोकते समय अधिकार, सम्मान और शिष्टाचार के साथ कार्य करने में विफल रहे। उन पर बाद में आपराधिक क्षति और सार्वजनिक व्यवस्था के अपराधों का आरोप लगाया गया था। उत्तर पश्चिम लंदन में पुलिस व्यवस्था के प्रभारी मुख्य अधीक्षक डैन नोल्स ने कहा, हमारे सभी अधिकारी जानते हैं कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार के बल प्रयोग के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। नोल्स ने कहा, इस अवसर पर, पीसी धरनी उस स्थिति में जो स्वीकार्य या उचित था, उससे आगे निकल गए, खासकर तब जब वहां कई अन्य अधिकारी संदिग्ध को हिरासत में लेने में मदद कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया। मामला पुलिस आचरण के लिए स्वतंत्र कार्यालय को भेजा गया था, जिसने इसे जांच के लिए मेट की पेशेवर टीम को वापस भेज दिया। सुनवाई के बाद पेशेवर व्यवहार के मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर धरनी को बिना किसी नोटिस के बर्खास्त कर दिया गया।

मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या 2,600 से अधिक

अमीज़मिज़ (मोरक्को), एजेंसी। मोरक्को सरकार द्वारा जारी नवीनतम बयान के अनुसार, मोरक्को में विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,681 हो गई है, और 2,501 लोग घायल हुए हैं। स्पेन और ब्रिटेन द्वारा भेजी गई बचाव टीमें भूकंप के केंद्र के पास अमीज़मिज़ गांव में पहुंच गई हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप प्रभावित पुराने शहर मराकेश और अन्य भूकंप प्रभावित इलाकों के बीच हेलीकॉप्टरों को घूमते देखा जा रहा है। सबसे अधिक प्रभावित पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए प्रयास जारी है।

लैंगिक रंगभेद को लेकर जर्मनी में 10 दिन से प्रदर्शन, मलाला यूसुफजई के पिता ने महिला विरोधी नीतियों की निंदा की

काबुल, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई के पिता ने अफगानिस्तान में महिला विरोधी नीतियों और लैंगिक रंगभेद की कड़ी निंदा की है। मलाला के पिता जियाउद्दीन यूसुफजई, जो लड़कियों की शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय वकील हैं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करके कोलोन, जर्मनी में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा अभियान के लिए समर्थन की घोषणा की है।

उन्होंने कहा, हम दुनिया से अफगानिस्तान को एक ऐसी जगह के रूप में मान्यता देने की मांग करते हैं जहां लैंगिक रंगभेद प्रचलित है। यूसुफजई ने एक्स पर शेयर की गई पोस्ट में अपनी पत्नी के साथ एक फोटो डाली है, जिसमें वे लिंग रंगभेद खत्म करें और अफगान लड़कियों को शिक्षित करें जैसे हैशटैग के साथ एक तख्ती पकड़े हुए हैं।

10 दिन से कोलोन में भूख हड़ताल जारी: बता दें कि यह अभियान कई महीनों से चल रहा है और इसका मकसद इस मुद्दे पर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचना है। खामा प्रेस के मुताबिक, लगभग दस दिन पहले, कुछ कार्यकर्ताओं ने जर्मनी के कोलोन में भूख हड़ताल शुरू की थी। हालांकि, भूख हड़ताल में भाग लेने वाली तमन्ना जारयाब पारयानी को हड़ताल के नौवें दिन तबीयत बिगड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। तमन्ना जारयाब इस हड़ताल के चौथे दिन अपनी निराशा जाहिर करते हुए अफगान महिलाओं के संघर्ष और पीड़ा के बावजूद उनके अधिकारों और स्वतंत्रता का समर्थन करने में विश्व समुदाय द्वारा नजरअंदाज किए जाने पर जोर दिया। इसके अलावा, तमन्ना की भूख हड़ताल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। अफगानिस्तान की एक जेंडर कार्यकर्ता ने जर्मनी में कार्यकर्ताओं के समर्थन में स्वीडन में भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

भूख हड़ताल तेज करने के संकेत: खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा, पाकिस्तान में अफगान महिला शरणार्थियों ने भी हड़ताल करने वालों के प्रति समर्थन दिखाया है और चेतावनी दी है कि अगर वैश्विक समुदाय उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देता है, तो दुनिया भर में ज्यादा से ज्यादा लोग भूख हड़ताल में शामिल होंगे।

जर्मन के विदेश मंत्रालय ने एक प्रतिनिधि और क्षेत्रीय संसद के एक उपाध्यक्ष के साथ सोमवार को भूख हड़ताल करने वालों से मुलाकात की। इसमें से दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने आगे भूख हड़ताल खत्म करने की मांग की।

इमरान खान को स्पेशल कोर्ट से राहत, अपने बेटों से फोन पर बात करने की मिली इजाजत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख को स्पेशल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम विशेष अदालत ने इमरान खान को 15 सितंबर तक अपने बेटों से फोन पर बात करने की अनुमति दी है।

बता दें कि इमरान खान लंबे समय से अपने वकीलों के साथ-साथ अपने बेटों से भी बात करने की मांग कर रहे हैं। एआरवाई न्यूज के अनुसार, इमरान खान के वकीलों में से एक शीराज अहमद रांझा ने दावा किया कि कोर्ट ने अटॉक जेल अधिकारियों को पीटीआई प्रमुख और उनके बेटों के बीच टेलीफोन पर बातचीत की अनुमति देने का आदेश दिया था, लेकिन जेल अधिकारियों ने उन्हें बात करने की अनुमति नहीं दी। आरोप लगाया कि पुलिस ने अटॉक जेल में पीटीआई प्रमुख से मिलने की भी अनुमति नहीं दी। गौरतलब है कि इमरान खान 5 अगस्त से अटॉक जेल में बंद है और उनके वकील शीराज अहमद रांझा और गोहर अली इस महीने की शुरुआत में खान से मिलने वाले थे। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने अटॉक जेल अधीक्षक आरिफ शहजाद को नोटिस जारी कर अदालत के आदेश के कार्यान्वयन पर रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि बेटों से बात करने की अनुमति नहीं मिलने पर इमरान खान ने अटॉक जेल अधीक्षक के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही की मांग की थी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिफर कॉपी गायब होने के मामले में 70 वर्षीय इमरान खान को 13 सितंबर तक न्यायिक हिरासत भेजा गया हैं। गौरतलब है कि, भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 5 अगस्त को गिरफ्तारी के बाद से वह अटॉक जेल में बंद हैं।

सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने दूसरे पर चाकू से किया हमला, गिरफ्तार

सिंगापुर, एजेंसी। भारतीय मूल के 39 वर्षीय एक व्यक्ति पर सोमवार को एक अन्य व्यक्ति पर चाकू से हमला करने का आरोप लगाया गया, जिससे पीड़ित के कंधे पर गहरा घाव हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। माइकल नगनसेकरन को 40 वर्षीय शनमुगम वेगाटाचलम पर हमला करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। उस पर खतरनाक हथियार से जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि उन्हें 9 सितंबर को जालान बेसर के आसपास एक लड़ाई के मामले के बारे में सूचना मिली।

जांच के अनुसार, माना जाता है कि नगनसेकरन वेगाटाचलम के साथ विवाद में शामिल था और कथित तौर पर उस पर हमला करने के लिए चाकू का इस्तेमाल किया था। सिंगापुर पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि पूछताछ और पुलिस कैमरों की तस्वीरों की मदद से सेंट्रल पुलिस डिवीजन के अधिकारियों ने उस व्यक्ति की पहचान की और आठ घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया।

गौरवशाली पल, ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज 2023 के लिए शॉर्टलिस्ट हुए भारतीय मूल के दो लेखक

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के दो लेखक को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज 2023 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। नंदिनी दास और क्रिस मंजापरा का नाम 6 विश्वव्यापी लेखकों की लिस्ट में शामिल हैं। इसका प्राइज 25 हजार पाउंड है।

इंग्लैंड, मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर और मिश्रित अफ्रीकी और भारतीय मूल के क्रिस मंजापरा की किताब ब्लैक घोस्ट ऑफ एम्पायर द लॉन्ग डेथ ऑफ स्लेवरी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज 2023 का 11वां संस्करण चल रहा है। दुनिया में कहीं भी रहने वाले और किसी भी भाषा में काम करने वाले किसी भी राष्ट्रीयता के लेखकों को इस प्राइज के लिए चुना जाता है, बशर्ते काम अंग्रेजी में उपलब्ध हो और यूके में प्रकाशित हो। 40 वर्षीय नंदिनी दास ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंग्रेजी फैकल्टी में प्रारंभिक आधुनिक साहित्य और संस्कृति के प्रोफेसर हैं। उनका पालन-पोषण भारत में हुआ और आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड जाने से पहले उन्होंने कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय में पढ़ाई की। वहीं, 40 वर्षीय क्रिस मंजापरा कनाडा में पले-बढ़े हैं और अब बोस्टन, मैसाचुसेट्स में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी में इतिहास और वैश्विक अध्ययन के स्टर्न्स ट्रस्टी प्रोफेसर हैं।

2023 की शॉर्टलिस्ट में अन्य लेखकों में फ्रांस स्थित डैनियल फोलियार्ड और स्पेन के आइरीन वैलेजो का नाम भी शामिल है। विजेता को 25,000 पाउंड के पुरस्कार के विजेता की घोषणा 31 अक्टूबर को लंदन में एक पुरस्कार समारोह में की जाएगी। इसके साथ ही शॉर्टलिस्ट किए गए प्रत्येक लेखक को 1,000 पाउंड दिया जाएगा।

ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज 2023 पैनल में प्रोफेसर मदावी अल-रशीद, प्रोफेसर रेबेका अर्ले, प्रोफेसर; फातिमा मंजी, प्रोफेसर गैरी यंग ऑनर का नाम शामिल है।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए जलवायु कानून पर विचार कर रहा इज़राइल

जेरूसलम , एजेंसी। देश के पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय ने कहा है कि इजराइल एक व्यापक जलवायु कानून पर विचार कर रहा है, इसमें पहली बार ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी का राष्ट्रीय लक्ष्य शामिल होगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित विधेयक में कहा गया है कि 2015 की तुलना में 2030 में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 30 प्रतिशत की कमी की जाएगी और फिर 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल किया जाएगा।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में इज़राइल में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की कुल मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में 3.5 प्रतिशत अधिक थी। नए कानून में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक जलवायु कैबिनेट की स्थापना, नीति-निर्माण के लिए एक जलवायु परिषद और पेशेवर जानकारी और समीक्षा प्रदान करने के लिए एक बहु-विषयक विशेषज्ञ समिति का गठन भी शामिल है। इसके अलावा, कानून को उत्सर्जन और अन्य जलवायु प्रभावों से जुड़ी प्रत्येक सरकारी योजना के लिए जलवायु जोखिम मूल्यांकन करने की आवश्यकता होगी। मई 2022 में पिछली सरकार द्वारा एक जलवायु कानून को मंजूरी दी गई थी, लेकिन संसद द्वारा अनुमोदित नहीं किया जा सका जिसे एक महीने बाद भंग कर दिया गया था।

6 देशों के 180 लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, 3400 फीट की गहराई से बचाया

तुर्किये की गुफा में फंसा रिसर्चर, 9 दिन बाद निकाला

तुर्किये एजेंसी। तुर्किये की गुफा में 3400 फीट की गहराई में फंसे एक रिसर्चर को 9 दिन के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इसके लिए 6 देशों के 180 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ा। दरअसल, 40 साल का मार्क डिके नाम का एक रिसर्चर गुफा का मैप बनाने के लिए तुर्किये की तीसरी सबसे गहरी मोर्का केव में उतरा था।

जहां वो 2 सितंबर को बीमार पड़ने की वजह से गुफा में ही फंस गया। इसके बाद से ही उसे निकलाने के लिए ऑपरेशन चलाना शुरू कर दिया गया। उसे सोमवार रात 9 बजकर 37 मिनट पर बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे हेलिकॉप्टर से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मार्क डिके के पेरेंट्स ने रेस्क्यू वर्कर्स का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा हमारा बेटा अब सुरक्षित है, इससे ज्यादा हमें कुछ नहीं चाहिए। वहीं गुफा से निकाले जाने के बाद मार्क ने कहा कि उन्हें वापस जमीन पर आने के बाद अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा- मुझे लगने लगा था कि मैं गुफा में ही मारा जाऊंगा।

गुफा में पानी और कीचड़ की वजह से रेस्क्यू ऑपरेश काफी मुश्किल था। बचाव दल के लोग जैसे-जैसे नीचे उतर रहे थे अंधेरा बढ़ता जा रहा था वहीं, तापामान तेजी से घट रहा था। इससे उन्हें आगे बढ़ने में परेशानी हो रही थी।

रेस्क्यू वर्कर्स ने अमेरिकन रिसर्चर को बचाने के लिए गुफा को 6 सेक्शन में बांटा। सभी के पास अलग-अलग जिम्मेदारी थी। डॉक्टर को भी साथ ले जाया गया था, ताकि मार्क को डिके को तुरंत इलाज दिया जा सके। सबसे ऊपर तुर्किये की टीम थी, इसके बाद हंगरी, पोलैंड, इटली और सबसे नीचे बुलगेरिया की टीम थी।

जितनी गहराई में मार्क डिके फंसे थे वहां से बाहर आने में किसी भी स्वस्थ और अनुभवी व्यक्ति को 15 घंटे का समय लगता है। गुफा में न सिर्फ कीचड़, पानी की चुनौती थी, बल्कि चौड़ाई बहुत कम होने की वजह से उसमें दम घुटने का भी खतरा था। गुफा की गहराई 13 हजार फीट है।

पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों के साथ हो रहा दुर्व्यवहार, 100 को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थियों की हालत बद से बदत्तर होती जा रही है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान पुलिस अफगान शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे है।

पाकिस्तान में अफगान शरणार्थी परिषद के अधिकारी ने दावा किया कि पाकिस्तानी पुलिस ने कराची में 100 शरणार्थियों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया है। अफगानिस्तान स्थित टोलो न्यूज के मुताबिक, कुछ समय से काबुल और इस्लामाबाद के बीच तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाले अफगान शरणार्थी परिषद के प्रमुख मीर अहमद रऊफ ने कहा, पुलिस ने अफगान शरणार्थियों पर भारी जुर्माना लगाया है। उन्होंने अवैध प्रवास के बहाने कार्रवाई की है। यह एक बड़ी चिंता है। एक अफगान शरणार्थी फैजुल्लाह तुर्क ने दावा किया कि कराची में पुलिस ने सोमवार को 100 से अधिक शरणार्थियों को हिरासत में लिया है।

टोलो न्यूज रिपोर्ट के हवाले से तालिबान के नेतृत्व वाले शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मुतालिब हक्कानी ने कहा, हम सभी मेजबान देशों से अफगानों के साथ मानवीय व्यवहार करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानूनों के आधार पर उनके लिए निर्धारित अधिकार प्रदान करने का आह्वान करते हैं। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में, पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों ने आव्रजन मामलों में देरी की आलोचना की और पाकिस्तानी सेना पर पिछले दो वर्षों से उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।

शरणार्थी अधिकार कार्यकर्ता बहिजा सादात ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान अफगान शरणार्थियों को आर्थिक और राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। टोलो न्यूज ने बहिजा सादात के हवाले से कहा कि अफगान शरणार्थियों की समस्या को हल करने के लिए,अफगान सरकार को मेजबान देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ बात करने की जरूरत है। शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय के अनुसार, लगभग तीन मिलियन अफगान पाकिस्तान में रहते हैं। इस बीच, पाकिस्तान के कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने अफगान शरणार्थियों को अफगानिस्तान लौटने का आग्राह किया है। बुगती ने कहा कि पाकिस्तान इस संबंध में एक योजना पर काम कर रहा है। इस योजना के आधार पर जो भी अवैध शरणार्थी पाकिस्तान में हैं, चाहे वे किसी भी देश के हों, उन्हें चेतावनी दी गई है और उन्हें उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। एक पत्रकार जहीर बहंद ने दावा किया कि अफगान अप्रवासी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनके मामलों पर ध्यान नहीं देता है, तो पाकिस्तान में एक बड़ी मानवीय आपदा आ जाएगी। दक्षिण क्षेत्र परिषद में प्रवासियों के प्रमुख मलिक अवल खान मियाखाइल ने कहा, आव्रजन कार्ड नहीं होने के कारण अप्रवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और सेना उन्हें हिरासत में ले लेती है।

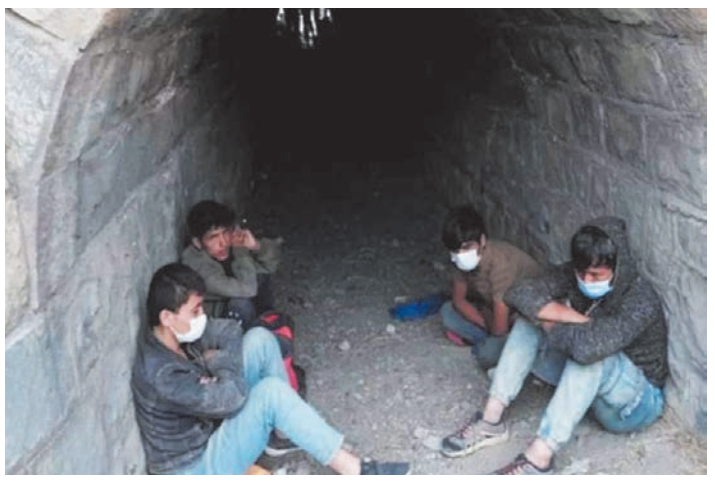

रोहित एकदिवसीय में 10000 रन बनाने वाले छठे भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एकदिवसीय क्रिकेट में अपने दस हजार रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही रोहित ये उपलब्धि हासिल करने वाले छठे भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले में 22 रन बनाते ही अपने 10000 रन परे किये। उनसे पहले यह खास उपलब्धि केवल पांच बल्लेबाजों सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, पूर्व कप्तान सौरव गांगुली, मौजूदा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान एमएस धोनी के नाम थी।

एकदिवसीय प्रारुप में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। सचिन ने साल 1989 से 2012 के बीच कुल 463 एकदिवसीय मैचों की 452 पारियों में 44.83 की औसत से 18426 रन बनाये हैं। एकदिवसीय प्रारुप में सचिन के नाम 49 शतक और 96 अर्द्धशतक शामिल हैं। विराट के नाम एकदिवसीय में 13024 रन, गांगुली के नाम 11221, द्रविड़ के नाम 10768, धोनी के नाम 10599 रन हैं।

एकदिवसीय प्रारुप में सबसे तेजी से 10000 रन के आंकड़े तक पहुंचने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। कोहली ने 205 पारियों में इस खास मुकाम को हासिल किया है। वहीं रोहित दूसरे नंबर पर हैं। रोहित ने 241 पारियों में इस खास उपलब्धि को प्राप्त किया है.

श्रेयस अय्यर को विश्राम की सलाह, बीसीसीआई ने हेल्थ पर दिया अपडेट

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को पीठ में जकड़न के कारण विश्राम करने की सलाह दी गई है और उन्हें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप सुपर चार के मैच में भी अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया है।

अय्यर पीठ का ऑपरेशन करवाने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह पीठ में जकड़न के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी नहीं खेल पाए थे। लगातार दो मैच से बाहर रहने के कारण विश्वकप से पहले उनकी फिटनेस पर सवालिया निशान लग गया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा, 'श्रेयस अय्यर अच्छा महसूस कर रहे हैं लेकिन वह पीठ की जकड़न से अभी तक पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।' बयान के अनुसार, 'बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उन्हें विश्राम करने की सलाह दी है और इसलिए वह श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर चार मैच के लिए टीम के साथ स्टेडियम में भी नहीं आए।%

पाकिस्तान के खिलाफ अय्यर की जगह अंतिम समय में केएल राहुल को अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। राहुल ने नाबाद शतक जड़कर शानदार वापसी की।

केंट के लिए काउंटी चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए चमके चहल, चटकाए तीन विकेट

केंट (इंग्लैंड) (एजेंसी)। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने केंट के साथ काउंटी चैंपियनशिप में अपने अभियान की प्रभावी शुरुआत करते हुए डिविजन एक मुकाबले में नॉटिंघमशर के खिलाफ तीन विकेट चटकाए। मौजूदा एशिया कप और आगामी विश्व कप के लिए भारतीय

टीम से अनदेखी के बाद 33 साल के इस स्पिनर ने सोमवार को यहां चार दिवसीय मुकाबले के दूसरे दिन 20 ओवर में 52 रन देकर तीन विकेट चटकाए। चहल ने नॉटिंघमशर के बल्लेबाजों मैथ्यू मोंटगोमरी, लिंडन जेम्स और कैविन हैरिसन को आउट किया जिससे केंट के 446 रन के जवाब में टीम ने 219 रन तक आठ विकेट गंवा दिए थे। चहल ने सबसे पहले अपनी लेग स्पिन पर जेम्स को बोल्ड किया। केंट ने इसी सत्र में भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ भी करार किया था जिन्होंने पांच मैच में 13 विकेट चटकाए। चहल भारत की टी20 टीम के नियमित सदस्य हैं लेकिन इस साल जनवरी से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले नहीं खेले हैं। वह भारतीय टीम की ओर से पिछली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेले थे। इस लेग स्पिनर ने केंट की ओर से तीन काउंटी मुकाबले खेलने के लिए करार किया है। वह नॉटिंघमशर और लंकाशर के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो मुकाबले खेलने के बाद समरसेट के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेलेंगे।

सीधा रन अप और आक्रामक लय वनडे में मेरी सफलता की कुंजी: कुलदीप यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि सीधे रन अप सहित तकनीक में कुछ बदलाव से उन्हें गेंदबाजी में सुधार करने और वनडे क्रिकेट में सफलता हासिल करने में मदद मिली।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल 14 मैचों में 27 विकेट लिए हैं और वह इस वर्ष वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। कुलदीप ने एशिया कप सुपर चार में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 228 रन से जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद मेरा रन अप काफी हद तक सीधा हो गया और मेरी लय आक्रामक हो गई।

पहले गेंद छोड़ने के बाद मेरा हाथ नीचे गिर जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। अब मेरा हाथ बल्लेबाज के सामने होता है।'' कुलदीप ने कहा कि ऑपरेशन के बाद अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए उन्होंने 'स्पिन और ड्रिफ्ट' पर काम किया।

उन्होंने कहा,'' मैंने इस पर पूरा ध्यान दिया कि मैं अपनी गति खोए बिना अपनी स्पिन और ड्रिफ्ट को बरकरार रखूं। अगर कोई लेग स्पिनर गेंद को गुड लेंथ पर पिच कराता है तो वह फिर लगातार विकेट हासिल कर सकता है। ऐसे में ढीली गेंदों की संख्या कम हो जाएगी और आपके प्रदर्शन में निरंतरता रहेगी।''

कुलदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में 25 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे भारत बड़ी जीत हासिल करने में सफल रहा। कुलदीप ने कहा के वह अपने इस प्रदर्शन को हमेशा याद रखेंगे क्योंकि उन्होंने इसे एक चोटी की टीम के खिलाफ हासिल किया है।

उन्होंने कहा,'' संन्यास लेने के बाद मैं हमेशा इस बात को याद रखूंगा कि मैंने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है क्योंकि पाकिस्तान के बल्लेबाज स्पिन को अच्छी तरह से खेल सकते हैं।अगर आप एक ऐसी टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं जो कि उपमहाद्वीप में स्पिन को अच्छी तरह से खेलती हो तो फिर इससे आप का मनोबल बढ़ता है।

मेसी का बोलीविया के खिलाफ खेलना संदिग्ध

ला पाज । अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनन मेसी बोलीविया के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में शायद ही खेल पायें । इससे पहले मेसी का यहां पहुंचने पर शानदार स्वागत हुआ । प्रशंसक उनके इंतजार में दिखे । मेसी को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग हवाई अड्डे पर सुबह से ही खड़े थे । प्रशंसक उन्हें शीघ्र खेलते हुए देखना चाहते हैं । वहीं 36 साल के मेसी का थकान के कारण पहले मैच में खेलना तय नहीं है । अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा कि बोलीविया के खिलाफ वह मैच में लगभग उसी टीम के साथ उतरेंगे जिसने गुरुवार को इक्वाडोर को हराया था हालांकि मेसी के खेलने पर फैसला मैच के कुछ समय पहले ही लिया जाएगा । क्वालीफाइंग मुकाबलों में पिछले शुक्रवार को ब्राजील ने बोलीविया पर 5-1 की जीत दर्ज की थी । यह नये कोच फर्नांडो डिनिज की देखरेख में टीम का पहला मैच था । अर्जेंटीना, ब्राजील, उरुग्वे और कोलंबिया ने पिछले सप्ताह महाद्वीपीय क्वालीफाइंग में अपने शुरुआती मैचों को जीता था । सभी 10 टीमें अब अपना दूसरा मुकाबला खेलेंगी ।

बाबर आजम ने तीसरी बार जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार

कोलंबो - आईसीसी पुरुष एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहते हुए बाबर आजम ने पिछले महीने अपने असाधारण फॉर्म से प्रभावित करना जारी रखा और उन्हें अगस्त 2023 के लिए आईसीसी पुरुष खिलाड़ी ऑफ द मंथ से नवाजा गया । बाबर ने टीम के साथी शादाब खान और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर निकोलस पूरन को हराकर तीसरी बार पुरस्कार जीता और पाकिस्तान के कप्तान इस सम्मान को स्वीकार करने के लिए रोमांचित थे । बाबर ने कहा, 'मैं अगस्त 2023 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने से खुश हूं । पिछला महीना मेरी टीम और मेरे लिए असाधारण रहा है क्योंकि हमने कुछ शानदार प्रदर्शन किया है । इतने लंबे समय के बाद एशिया कप पाकिस्तान में हो रहा है, मुल्तान और लाहौर की भावुक और क्रिकेट-प्रेमी भीड़ के सामने खेलना बहुत अच्छा था ।' गौर हो कि बाबर आजम ने 49 टेस्ट मैचों में 47.74 की औसत और 196 के हाइएस्ट के साथ 3772 रन बनाए हैं जिसमें 9 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं । वनडे में उन्होंने 107 मैचों में 5380 रन बनाए जिसमें 58.47 की औसत से 158 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है । वनडे में बाबर के नाम 19 शतक और 28 अर्धशतक हैं । टी20 की बात करें तो पाकिस्तान के कप्तान ने 104 मैचों में 41.48 की औसत और 122 के सर्वश्रेष्ठ के साथ 3 शतक और 30 अर्धशतकों सहित कुल 3485 रन बनाए हैं ।

2.8 करोड़ दर्शकों ने ऑनलाइन देखा भारत-पाक मुकाबले में विराट का शतक: जय शाह

-डिजिटल स्ट्रीमिंग में बना नया रिकार्ड

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सुपरफोर के मुकाबले को 2.8 करोड़ दर्शकों ने ऑनलाइन देखा। यह एक नया रिकार्ड है। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने विशेष ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि आज के भारत-पाक मैच को 2.8 करोड़ फैंस ने डिज्नीप्लस पर ऑनलाइन देखा। डिजिटल इतिहास में यह किसी भी भारतीय मैच के लिए सर्वाधिक आंकड़ा है। इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा पिछले विश्वकप का भारत-न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच था। जिसे करीब 2.52 करोड़ प्रशंसकों ने देखा था। जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच

क्रिकेट मैच होता है, अपने आप कई बड़े रिकॉर्ड बन जाते हैं। वहीं इस मैच में एक ऐसा ही रिकॉर्ड विराट कोहली ने शतक के साथ बनाया है। विराट ने 94 गेंदों पर नाबाद 122 रन बनाए। कोहली जैसे ही अपने शतक के करीब पहुंचे, तो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर दर्शकों की संख्या 2.8 करोड़ तक पहुंच गई। इस क्षण ने न केवल कोहली की लोकप्रियता को दिखाया बल्कि भारत में डिजिटल स्ट्रीमिंग के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड भी बना दिया। यह डिजिटल स्ट्रीमिंग में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड था कि इतने बड़े पैमाने पर प्रशंसकों ने एक साथ विराट कोहली के शतक को देखा।

विराट ने इस मैच के दौरान एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में 13,000 रन का आंकड़ा पार किया। ऐसा करने के साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा। अभी तक केवल चार बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्धने ही एकदिवसीय में 13 हजार का आंकड़ा पार कर पाए थे। अब कोहली सबसे तेज 13 हजार रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गये हैं।

रोनाल्डो के बिना भी पुर्तगाल ने लक्जमबर्ग को 9-0 से रौंदा

वाशिंगटन। पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना भी यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग में लक्जमबर्ग को 9-0 से करारी शिकस्त देकर प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। रोनाल्डो ग्रुप जे के पिछले मैच में दो पीले कार्ड मिलने के कारण एक मैच का निलंबन झेल रहे थे और इस कारण वह लक्जमबर्ग के खिलाफ मैदान पर नहीं उतर पाए। पुर्तगाल को हालांकि इस मैच में उनकी कमी नहीं खली। अल्गार्वे में खेले गए इस मैच में उसकी तरफ से गोंकालो रामोस, गोंकालो इनासियो और डिओगो जोटा ने दो-दो जबकि रिकार्डो होर्टा, ब्रूनो फर्नांडीस और जोआओ फेलिक्स ने एक-एक गोल किया। अड़तीस वर्षीय रोनाल्डो ने अपने 123 अंतरराष्ट्रीय गोल में इजाफा करने का बेहतरीन मौका गंवाया लेकिन उन्हें ग्रुप चरण में अभी चार और मौके मिलेंगे। पुर्तगाल की यह लगातार छठी जीत है। क्वालीफाइंग में किसी भी अन्य टीम ने इतनी जीत दर्ज नहीं की हैं। पुर्तगाल अब दूसरे नंबर पर काबिज स्लोवाकिया से पांच अंक आगे हो गया है। प्रत्येक ग्रुप से चोटी पर रहने वाली दो टीमें स्वत- ही क्वालीफाई करेंगी। यूरोपीय चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड अब भी जर्मनी के नाम है जिसने 2006 में सैन मेरिनो को 13-0 से हराया था। ग्रुप के अन्य मैचों में स्लोवाकिया ने लिचेंटसीन को 3-0 से और आइसलैंड ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-0 से हराया। इस बीच ग्रुप डी में क्रोएशिया ने आर्मेनिया को 1-0 से हराया। उसकी तरफ से आंद्रे क्रामारिच ने 13वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से क्रोएशिया ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में वेल्स ने लाटविया को 2-0 से पराजित किया।

ईशान को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा जाना चाहिये : रैना

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा जाना चाहिये। रैना के अनुसार बांए हाथ के बल्लेबाज ईशान की खासियत ये है कि वह किसी भी नंबर पर उतर जाते हैं और उसी प्रकार की भूमिका निभाने का प्रयास करते हैं जैसी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत निभाते थे।

ईशान ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के ग्रुप चरण मैच में कठिन हालातों में भी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 82 रन की पारी खेली थी। वह घरेलू क्रिकेट में झारखंड और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस की ओर से पारी शुरु करते हैं। रैना ने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि ईशान से पारी की शुरुआत करानी चाहिये क्योंकि वह टीम में सकारात्मक माहौल बनाने हैं।

रैना ने 2016 और 2017 में ईशान के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है। रैना उस समय तत्कालीन आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात लायंस के कप्तान थे और ईशान भी इस टीम का हिस्सा थे। रैना ने इस युवा खिलाड़ी के साथ बिताए अपने समय को याद करते हुए कहा, 'मैंने तब आरोन फिंच से कहा कि अगर ड्वेन स्मिथ और ब्रेंडन मैकुलम नहीं खेल रहे हैं, तो ईशान को सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभानी चाहिए। मैं तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करूंगा। आप बाकी बल्लेबाजी क्रम का फैसला कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि एक मैच में उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ राजकोट में चार-पांच छक्के लगाए थे। इस मैच में उन्होंने जिस तरह का जुनून दिखाया था ,टीम को उसी की जरूरत थी। ऋषभ पंत की तरह वह भी मैदान पर खुशनुमा माहौल और अच्छी 'टीम बॉन्डिंग बनाए रखते हैं। रैना ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी ने भी उन्हें इस खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए कहा था।

अब हांगकांग सुपर 500 के क्वालीफायर में उतरेंगे किरण जॉर्ज

-बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले से मनोबल बढ़ा

नई दिल्ली । तेजी से उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी किरण जॉर्ज अब हांगकांग सुपर 500 के क्वालीफायर के लिए रवाना हो गये हैं । किरण को इस टूर्नामेंट में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है । किरण ने कहा कि थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले में जीत से उसका मनोबल बढ़ा है । जिसके कारण ही वह इंडोनेशिया मास्टर्स में जीत दर्ज करने में सफल रहा है । किरण ने इस साल की शुरुआत में थाईलैंड ओपन सुपर 500 में शी युकी और वेंग होंगयांग जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को हराकर सबका ध्यान खींचा था । किरण ने कहा, '' इस साल के शुरूआती दो तीन महीनों में मैं अपनी लय को लेकर संघर्ष कर रहा था पर बाद में थाईलैंड में मैंने अच्छा खेलना शुरू किया । मैंने इस दौरान कुछ बड़े खिलाड़ियों को भी हराया और इससे मेरा मनोबल बढ़ा कि मैं किसी के खिलाफ भी जीत सकता हूं । इस विश्वास और निरंतरता के कारा ही मुझे इंडोनेशिया मास्टर्स में जीत मिली । ' पिछले साल ओडिशा ओपन सुपर 100 में अपना पहला खिताब जीतने वाले किरण ने इंडोनेशिया मास्टर्स के 56 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में दुनिया के 82वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कू ताकाहाशी को 21-19, 22-20 से हराया था । किरण ने कहा, '' मेरे लिए यह टूर्नामेंट बहुत अच्छा रहा । यह आसान नहीं था क्योंकि पहले मैच से ही कठिन मुकाबले थे, लेकिन पहली आगे निकलने के बाद मैं लय को बरकरार रखने में सफल रहा ।'' उन्होंने कहा, '' इस टूर्नामेंट में मेरे लिए सबसे कठिन मैच जापान के ताकुमा ओबायाशी के खिलाफ मुकाबला था ।

'शुरू में नर्वस था', पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी पर बोले केएल राहुल

कोलंबो (एजेंसी)। चोटिल होने के कारण लंबे समय बाद वापसी करने वाले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान के गेंदबाजों पर हावी होने से पहले वह नर्वस थे और उन्हें अपनी लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान इस 31 वर्षीय खिलाड़ी की जांघ में चोट लग गई थी जिसका बाद में उन्हें ऑपरेशन करवाना पड़ा।

उन्होंने वापसी पर अपने पहले मैच में ही 106 गेंदों पर नाबाद 111 रन की पारी खेली जिससे भारत ने इस मैच में पाकिस्तान को 228 रन के बड़े अंतर से हराया। राहुल ने वनडे में अपना छठा शतक लगाने के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर यह लंबे समय बाद मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। मैंने दो अभ्यास मैच खेले थे लेकिन हम जानते हैं अभ्यास मैच और अंतरराष्ट्रीय मैच में काफी अंतर होता है। इसलिए जब मैं क्रीज पर उतरा तो शुरू में नर्वस था।'

उन्होंने कहा, 'मुझे खुद को शांत करने, अपने पांवों को सही मूवमेंट पर लाने और दिमाग को सही चीजों के बारे में सोचने के लिए 10-15 गेंदों का सामना करना पड़ा। इसके बाद जो मैंने एक या दो चौके लगाए तो फिर चीजों को लेकर स्पष्टता हो गई और परिस्थितियां वैसे ही बन गई जैसे पहले हुआ करती थी।' बारिश से प्रभावित यह मैच दो दिन तक चला। राहुल और विराट कोहली (नाबाद 122) ने दूसरे दिन दो विकेट पर 147 रन से भारत की पारी आगे बढ़ाई थी।

राहुल ने कहा, 'मैं गेंद पर अच्छी तरह से नजर गड़ाए हुए था और परिस्थिति को भी ध्यान में रखे हुए था लेकिन जैसे ही मैंने लय हासिल की बारिश शुरू हो गई और हमें पूरे दिन इंतजार करना पड़ा। इसलिए मुझे फिर से अपनी पारी शुरू करनी पड़ी और फिर 10-15 गेंद संभलकर खेली।'

राहुल और कोहली ने तीसरे विकेट के लिए 233 रन की अटूट साझेदारी की जिससे भारत में दो विकेट पर 356 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कोहली के साथ अपनी साझेदारी के बारे में राहुल ने कहा, 'उन्होंने वनडे में 13,000 रन पूरे किए। मैं उस व्यक्ति के बारे में अधिक कुछ नहीं कह सकता। वह अद्भुत है। वह कितना महान क्रिकेटर है इसको बयां करने के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे और मैं

हमेशा उनके साथ बल्लेबाजी करते हुए सहज महसूस करता हूं।'

मेरे लिए नृत्य करना अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय: शुभांगी

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने कहा कि नृत्य सीखने के लिए प्रेरित करने में माधुरी दीक्षित ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। शुभांगी एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं। धारावाहिक शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी की भूमिका निभाने वाली शुभांगी ने कहा कि नृत्य करना उनके लिए अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय है। शुभांगी सिटकॉम में कोरियोग्राफर की भूमिका निभा रही हैं। यह वास्तव में प्रभावशाली है कि उनकी कोरियोग्राफिक प्रतिभा शो में उनकी कॉमेडी टाइमिंग जितनी ही सटीक है।अभिनेत्री बताती हैं कि अपनी नृत्य दिनचर्या बनाने से उन्हें आराम मिलता है और उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति चमकती है, जो एक कलाकार के रूप में उनकी भावनाओं को व्यक्त करने का एक स्वतंत्र तरीका है। अपने कोरियोग्राफी कौशल के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, नृत्य से मुझे बहुत खुशी मिलती है और संतुष्टि की गहरी भावना आती है। जब भी मुझे प्रदर्शन करने का मौका मिलता है, मैं पूरे दिल से इसमें डूब जाती हूं। शुक्र है कि भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी के रूप में मेरी भूमिका लगातार बनी रही। मुझे विभिन्न ट्रैकों के साथ अपने नृत्य कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। मैं सेट पर अपनी दिनचर्या को कोरियोग्राफ करती हूं।उन?होंने कहा, मैं इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं और 30 से 45 मिनट में सही लय हासिल कर लेती हूं। नृत्य करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय है। एक प्रशिक्षित शास्त्रीय कथक नर्तक के रूप में, मैंने हर एपिसोड के लिए नृत्य अनुक्रम तैयार किया है। चाहे वह शास्त्रीय, बॉलीवुड की दिनचर्या, या गरबा या लावनी जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदर्शन हो, मैंने शो में नृत्य शैलियों की विस्तृत श्रृंखला को अपनाया है। 42 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, हालिया कहानी में, अंगूरी एक गैंगस्टर की प्रेमिका चमेली जान में बदल गई और एक क्लब डांसर के रूप में प्रदर्शन किया। मुझे इस कहानी के लिए विभिन्न बॉलीवुड आइटम गानों को कोरियोग्राफ करने का काम सौंपा गया था और उस दृश्य की शूटिंग में बहुत मजा आया। इसके अलावा, अतीत में मैंने अपने प्रदर्शन में शास्त्रीय कथक तत्वों को शामिल किया।शुभांगी ने कहा कि उनके डांस नंबरों को उनके प्रशंसकों से लगातार शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, स्टेप्स और एक्सप्रेशन में महारत हासिल करने के लिए, मैं गाने को बार-बार सुनने और फाइनल टेक से पहले छह से सात बार अभ्यास करने में समय लगाती हूं। मैंने आसिफ जी (विभूति नारायण मिश्रा) और रोहिताश्व जी (मनमोहन तिवारी) के लिए डांस सीक्वेंस कोरियोग्राफ किए हैं। किसी गैर-नर्तक को डांस सिखाने से ज्यादा मनोरंजक और चुनौतीपूर्ण कुछ भी नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, महान माधुरी दीक्षित जी ने मुझे नृत्य सीखने के लिए प्रेरित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। मुझे यकीन है कि मेरी तरह, अनगिनत लड़कियों को उनके प्रदर्शन को देखने के बाद नृत्य से प्यार हो गया है। मैं एक उत्साही प्रशंसक रही हूं। मैंने उनकी फिल्में कई बार देखीं। जब वह नृत्य करती थीं तो कोई भी उनकी ऊर्जा और अभिव्यक्ति की बराबरी नहीं कर सकता था। उन्होंने बताया, अपने स्कूल के दिनों के दौरान मैंने उनके कई गानों पर नृत्य किया। मेरे दोस्तों ने मुझे हमारी माधुरी उपनाम दिया और मैं रोमांचित थी।।

लिप किस करने पर पूजा भट्ट की दो टूक, इसमें कुछ भी गलत नहीं

बॉलीवुड की नामी फिल्म मेकर पूजा भट्ट ने अपने पिता महेश भट्ट के लिप किस करने पर कहा है कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। बता दें कि पूजा जितनी फेमस हैं, उतनी ही कंट्रोवर्शियल भी। करियर की शुरुआत में जहां उन्होंने फिल्मों से नाम कमाया, तो वक्त बढ़ने के साथ अपने पिता महेश भट्ट को एक मैगजीन के लिए लिपलॉक करने पर लोगों के ताने भी सुने। यह किस्सा काफी पुराना है, लेकिन पूजा को आज भी इस बात के लिए ट्रोल किया जाता है। अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ पर कोई रिएक्शन न देने वालीं पूजा ने इस बार इस बारे में खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में पूजा भट्ट ने इस किस को करने का कारण बताया। 90 के दशक में मैगजीन कवर पेज के लिए किए गए किस पर रिएक्ट करते हुए पूजा भट्ट ने लोगों को ही खरी खोटी सुनाई है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस किस में कुछ गलत नहीं लगता।

पूजा भट्ट ने महेश भट्ट को किए किस के बचाव में बात की। उन्होंने कहा ?कि मैं इसे सिंपल तरीके से देखती हूं। मुझे लगता है कि बदकिस्मती से एक ठहराव की अवस्था में मोमेंट कैसे भी दिखाया और समझा जा सकता है। मुझे याद है कि शाहरुख खान ने एक बार मुझसे कहा था कि जब आपकी बेटियां होती हैं, खासकर जब वे छोटी होती हैं, तो वे अक्सर कहती हैं, मॉम एंड डैड, मुझे किस करिये और वे हमेशा इसके लिए तत्पर रहती हैं। अब इस उम्र में भी, मैं अपने पिता के लिए अभी भी वही 10 पाउंड की बच्ची हूं। वह बंधन जीवन भर रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि उस तस्वीर में एक पिता और बेटी के बीच का मासूम मोमेंट कैप्चर किया गया था। इसके लिए उन्हें सफाई देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों ने उनके पिता से उनके रिश्ते को अपनी नजरों से देखा। एक्ट्रेस ने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि अगर लोग बाप और बेटी के रिश्ते को अलग नजरिये से देख सकते हैं, तो वो कुछ भी कर सकते हैं।

विक्टोरिया सीक्रेट वर्ल्ड टूर इवेंट में शामिल हुईं प्रियंका

हाल ही में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा न्यूयॉर्क फैशन वीक के दौरान हुए विक्टोरिया सीक्रेट वर्ल्ड टूर इवेंट में शामिल हुईं, जहां वह अपने लुक से ग्लैमर का तड़का लगाती दिखीं। इवेंट से देसी गर्ल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान प्रियंका चोपड़ा ब्लैक ब्रालेट और शॉर्ट्स के ऊपर से शिमरी नेट ड्रेस में दिखाई दी, जिसे उन्होंने ब्लैक बेल्ट से टाई किया। क्लीवेज कट ड्रेस में एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज देखने को मिला। इसके साथ प्रियंका ने मैचिंग कलर की हाई हील्स पेयर की। कैजुअल मेकअप और न्यूड लिपस्टिक में ग्लोबल एक्ट्रेस का हुस्न देखते ही बन रहा है। इवेंट में एंट्री करते ही सबकी नजरें प्रियंका के लुक पर टिक गई और एक्ट्रेस अपने हुस्न से सबको इम्प्रेस करते हुए परफेक्ट पोज देती दिखीं।एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड में अपनी धाक जमाने के बाद हॉलीवुड इंडस्ट्री में भी खूब नाम कमाया है। वह एक्टिंग के अलावा अपने फैशन और लुक्स से भी लोगों का दिल जीतना अच्छे से जानती हैं।

फिल्म वेलकम-3 का प्रोमो जारी

बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि अक्षय कुमार की आगामी फिल्म वेलकम 3 का ऐलान करने के साथ ही इसका प्रोमो भी जारी कर दिया गया है, जो काफी मजेदार है। प्रोमो में फिल्म की भारी भरकम स्टार कास्ट के साथ रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। वेलकम 3 के प्रोमो में आप देख सकते हैं की एक ही फ्रेम में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट नजर आ रही है। वेलकम 3 में आपको अक्षय कुमार, संजय दत्त, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, परेश रावल, दिलेर मेहंदी, मीका सिंह, राजपाल यादव, जॉनी लीवर समेत कई शानदार सितारों का मेला देखने को मिलेगा। ये सभी आपको हंसा-हंसा कर लोटपोट करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। प्रोमो के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी गई है।फिल्म को ज्योति देशपांडे और फिरोज नाडियाडवाला प्रोड्यूसर कर रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर है प्रोमो अहमद खान द्वारा निर्देशित ये फिल्म अगले साल 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी।

जवान का जलवा बरकरार, टाइगर श्रॉफ ने की जमकर तारीफ

इन दिनों शाहरुख खान की फिल्म जवान का जलवा बरकरार है। हर तरफ इसी की ही चर्चा हो रही है। सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर तक शाह रुख खान की ये धमाकेदार मूवी जमकर धूम मचा रही है। आलम ये है कि रिलीज के पहले दो दिन में ताबड़तोड़ कमाई कर जवान ने एक नया कीर्तिमान रच रहा है। इतना ही नहीं जवान में शाह रुख खान की एक्टिंग की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस बीच हीरोपंती फेम एक्टर टाइगर श्रॉफ ने शाह रुख की जवान की प्रशंसा की है और किंग खान को लेकर सोशल मीडिया पर बड़ी बात लिख दी है। टाइगर श्रॉफ ने शनिवार को सुबह अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर जवान को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। टाइगर ने लिखा है कि बार उठाया और तोड़ दिया बार, बधाई हो शाह रुख खान सर एक और ऐतिहासिक सफलता के लिए, इतना ही नहीं आपको ढ़ेर सारा प्यार। इस तरह से टाइगर श्रॉफ ने शाह रुख खान और जवान की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़ें है। यहां गौरतलब है कि शाह रुख की फिल्म जवान एक मास एंटरटेनर मूवी है, जो आपको देखने पर यकीनन मजा देगी। टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड इंडस्ट्री के दमदार कलाकारों में शुमार है। खासतौर पर फिटनेस को लेकर टाइगर का नाम काफी जाना जाता है। गौर करें टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्मों की तरफ तो,आने वाले समय में ये कलाकार सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां और अमिताभ बच्चन के साथ गणपत में नजर आएंगे। गणपत में टाइगर की पहले को-स्टार कृति सेनन भी दिखाई देंगी।

ड्रीम गर्ल 2 की सक्सेस को एंजॉय कर रही अनन्या

बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म की सफलता का जश्न मनाया, जिसमें उन्होंने रेड लुक से सबको इम्प्रेस किया। इसके बाद इस गैटअप में अनन्या ने फोटोशूट भी करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। मालूम हो कि फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में अनन्या पांडे एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ अहम रोल में नजर आई हैं। फिल्म को राज शांडिल्य ने डायरेक्ट किया है। लुक की बात करें तो इस दौरान अनन्या पांडे ऑफ शोल्डर क्रॉप रेड टॉप के साथ मैचिंग स्लिट स्कर्ट में बेहद किलर लगीं। पैरों में हाई हील, कानों में इयररिंग्स और गले में रेड चोकर से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। इस आउटफिट में वह अपना टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं और कैमरे के सामने गजब पोज दे रही हैं।

दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी गदर-2

बालीवुड की हिंदी फिल्मों के इतिहास में गदर-2 दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। इस ने बाहुबली-2 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।फिल्म का टोटल कलेक्शन 511 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म ने रिलीज के 29 दिनों बाद यह कारनामा कर दिखाया है। इसी के साथ यह दूसरी सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। पहले नंबर पर शाहरुख खान की पठान है। पठान ने 543 करोड़ रुपए का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। इस हिसाब से गदर-2 को पठान के रिकॉर्ड तक पहुंचने के लिए अभी भी 33 करोड़ रुपए कमाने होंगे। पठान के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए गदर-2 को 33 करोड़ का कारोबार करना होगा, जो बहुत ही मुश्किल नजर आ रहा है। इसके साथ ही जवान के प्रदर्शन के बाद गदर-2 के कारोबार में भी जबरदस्त कमी आई है। इस शुक्रवार को इसने सिर्फ 1 करोड़ का कारोबार किया है, जो इसके अंतिम क्षणों को दर्शाता है। बाहुबली-2 के हिंदी वर्जन ने 510.99 करोड़ रुपए का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। 2017 में रिलीज इस फिल्म ने जो रिकॉर्ड बनाया, वो पांच साल तक टूट न सका। एक वक्त पर ऐसा लग रहा था कि इसका रिकॉर्ड टूट ही नहीं सकता।

हालांकि 2023 में शाहरुख खान की फिल्म पठान रिलीज हुई। इस फिल्म ने न सिर्फ बाहुबली-2 का रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि इससे आगे भी निकली। किसे पता था कि 2023 में एक और फिल्म रिलीज होगी जो बाहुबली-2 का रिकॉर्ड तोड़ देगी। सनी देओल की गदर-2 ने यह कारनामा सिर्फ 29 दिनों में कर दिखाया है।जवान के प्रदर्शन के बाद गदर-2 के न सिर्फ शोज में कमी आई है, अपितु स्क्रीन संख्या भी बहुत कम रह गई है। बंगाल में इसके 100 स्क्रीन्स से एकदम से हटा दिया गया है, कमोबेश यही हाल राजस्थान का है। यहाँ भी सिनेमाघरों में शोज की संख्या के साथ-साथ स्क्रीन्स में भी भारी कमी की गई है।